શુભ લાભ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 13 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-225

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार से ध्यान हटाने का कुचक्र

हिंदुओं पर हिंसा से ध्यान हटाने के लिए आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में तख्तापलट के दरम्यान हिंदुओं पर हुए हमले की 300 से अधिक घटनाएं जब संयुक्त राष्ट्र से लेकर तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गूंजने लगी, तभी हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट जारी कर दी गई। जबकि हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट पुरानी सूचनाओं की खिचड़ी है। जिसे जारी करने के लिए टाइमिंग का बखूबी ध्यान रखा गया। भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भारत में आर्थिक अराजकता सृजित करने की साजिश के तहत ऐसी हरकतें की जा रही हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह भारत के लोगों की ओर से ठुकराए जाने के बाद कांग्रेस, उसके सहयोगी और टूलकिट गैंग की देश में आर्थिक अराजकता और अस्थिरता लाने की साजिश है।

उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट शनिवार को जारी हुई तो रविवार को हंगामा हुआ। इसके बाद सोमवार को पूंजी बाजार अस्थिर हो गया। भारत शेयरों के मामले में सुरक्षित, स्थिर और आशावादी बाजार है। इस बाजार की निगरानी करना सेबी की कानूनी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जुलाई में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हुई जांच के बाद जब सेबी ने हिंडनबर्ग को नोटिस जारी किया तो उसने अपना जवाब नहीं दिया। बल्कि बेबुनियाद हमला किया।

उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर हिंडनबर्ग में किसका निवेश है? एक सज्जन जॉर्ज सोरोस जो नियमित रूप से भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाते हैं। वे उसके मुख्य निवेशक हैं। नरेंद्र मोदी के खिलाफ नफरत फैलाते हुए कांग्रेस भारत के खिलाफ नफरत पैदा कर ली है। अगर भारत का शेयर बाजार परेशान हो जाता है तो छोटे निवेशक परेशान होंगे। मगर कांग्रेस को इससे कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति में एक है टूलकिट पॉलिटिक्स और दूसरी है चिट पॉलिटिक्स। परीक्षा में चिट मिलने पर कार्रवाई की जाती है। कांग्रेस चिट पॉलिटिक्स कर रही है। अब कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को मिलने वाली चिटों का क्या किया जाना चाहिए? उन्होंने कहा कि वे पूरे शेयर बाजार को ध्वस्त करना चाहते हैं। छोटे निवेशकों के पूंजी निवेश को रोकना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भारत में कोई आर्थिक निवेश न हो।

भारत में आर्थिक अराजकता पैदा करने की कोशिश

अमेरिकी पूंजीपति जॉर्ज सोरोस करा रहा है कुचक्र

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट बिना किसी विश्वसनीयता के जारी की गई है। यह सामान्य शूट एंड स्टूल किट जैसी है।

▶10 पर

ध्यान हटाने के लिए फिर से लाया 2015 का मामला

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी हैं। विनोद दुबई में रहते हैं। बरमूडा स्थित ग्लोबल डायनामिक अपॉर्टुनीटीज़ फंड में उनका निवेश है। इस कंपनी ने मॉरीशस के आईपीई प्लस फंड में निवेश किया। इसके बाद इस फंड में 2015 में माधवी पुरी और उनके पति धवल बुच ने अकाउंट खोला। फिर धवल बुच ने 2018 में 7.32 करोड़ रुपए निकाल लिए। कंपनी इंडियन इन्फोलाइन ने इस लेनदेन को पूरा कराया। माधवी पुरी सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की अध्यक्ष हैं। उनके पति धवल बुच कॉर्पोरेट में बड़े-बड़े पदों पर रहे हैं।

उपरोक्त तथ्य का उल्लेख खुद अमेरिका की एक शॉर्टसेलर संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने किया है। शॉर्टसेलर का अर्थ होता है, ये अंदाज़ा लगा कर शेयरों को शॉर्ट करना, कि कंपनी को लेकर कोई नकारात्मक खबर आने वाली है। पिछली बार जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ये आरोप लेकर आया था कि अडाणी समूह ने अपनी कंपनी के शेयरों के भाव जानबूझकर बढ़ा दिए। उस रिपोर्ट के बाद कुछ ही महीनों में गौतम अडाणी की संपत्ति में 60% की गिरावट आई। हालाकि, मई 2024 आते-आते अडाणी समूह ने सारे घाटे को रिकवर कर दिया। इसके लिए कुछ प्रोजेक्ट्स को कुछ दिनों के लिए ठंडे बस्ते में डाला गया और कंपनी के खर्च में कटौती की गई। ▶10 पर

हम आपकी सुरक्षा करने में विफल रहे: सखावत हुसैन

बांग्लादेश सरकार ने हिंदुओं से माफी मांगी

ढाका, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

अंतरिम सरकार में गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (रि) एम. सखावत हुसैन ने हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने में नाकाम रहने पर हिंदू समुदाय से माफी मांगी है। उन्होंने कहा, हमारे अल्पसंख्यक भाइयों की सुरक्षा करना बहुसंख्यकों का परम कर्तव्य है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार पर संयुक्त राष्ट्र ने भी गहरी नाराजगी जाहिर की थी और इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने को कहा था। अमेरिका समेत कई देशों के वरिष्ठ सांसदों और राजनयिकों ने भी हिंदुओं पर हो रहे जुल्म की कड़ी निंदा की थी। हिंसा में बाहर और भीतर से शामिल रहे षडयंत्रकारी तत्वों ने हिंसा से ध्यान हटाने की भी कोशिश की, लेकिन उनकी हरकतें कामयाब नहीं हुईं।

हिंदुओं पर हो रही हिंसा से पूरी दुनिया में नाराजगी

संयुक्त राष्ट्र ने भी बांग्लादेश को दी थी हिदायत

बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के तख्तापलट के बाद अशांति और अस्थिरता बनी हुई है। कई इलाकों में हिंदुओं पर हमला किया गया है। उनके पूजा स्थलों को निशाना बनाया गया है। इसके खिलाफ रविवार राजधानी ढाका की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी उतरे और अल्पसंख्यक समुदाय के लिए सुरक्षा की मांग की। इस बीच, देश की अंतरिम सरकार में गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम. सखावत हुसैन ने सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने पर हिंदू समुदाय से माफी मांगी।

हुसैन ने कहा, हमने निर्देश दिया है कि हमारे अल्पसंख्यक भाइयों की सुरक्षा करना बहुसंख्यकों का परम कर्तव्य है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं और इसके बजाय मस्जिद में नमाज पढ़ने में व्यस्त रहते हैं, तो उन्हें जवाब देना होगा कि वे सुरक्षा प्रदान करने में विफल क्यों रहे। उन्होंने कहा, यह हमारे धर्म का हिस्सा है कि हम अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करें। मैं अपने अल्पसंख्यक भाइयों से माफी मांगता हूं। हम अशांति के दौर से गुजर रहे हैं। पुलिस खुद अच्छी स्थिति में नहीं है। इसलिए मैं समाज से आग्रह कर रहा हूं कि उनकी रक्षा करें। वे हमारे ही भाई हैं और हम सभी एक साथ बड़े हुए हैं।हुसैन ने मीडिया से कहा, हम हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे। मैं हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं। हमारे अल्पसंख्यक भाइयों की सुरक्षा करना बहुसंख्यक समुदाय का कर्तव्य है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें जवाब देना होगा कि वे सुरक्षा प्रदान करने में विफल क्यों रहे। ▶10 पर

हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन जारी

ह्यूस्टन, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों समुदायों पर हमलों के खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन का दौर रविवार को भी जारी रहा। 300 से अधिक भारतीय-अमेरिकी और बांग्लादेशी मूल के हिंदू ह्यूस्टन के शुगर लैंड सिटी हॉल में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन से अपील की कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएं।आयोजकों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने बाइडन प्रशासन से आग्रह किया कि वह मानवता के खिलाफ हो रहे जघन्य अपराधों के दौरान मूकदर्शक न बने रहें। आयोजकों ने बांग्लादेशी हिंदुओं को सतर्क रहने, स्थिति पर नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में मिलकर आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाओ प्रदर्शन का आयोजन ग्लोबल वॉयस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज ने किया। यह ह्यूस्टन के प्रमुख हिंदू समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख संगठन है, जिसमें मैत्री, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ऑफ अमेरिका, हिंदी एक्शन, हिंदू पैक्ट, ह्यूस्टन दुर्गाबाड़ी सोसाइटी, इस्कॉन, ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायस्पोरा और कई अन्य समूह शामिल हैं।

समय से पहले हो सकते हैं दिल्ली विधानसभा के चुनाव

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्य निर्वाचन कार्यालय ने विधानसभा चुनाव के लिए एमसीडी को नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा एमसीडी को अपने कर्मचारियों को चुनाव संबंधी ट्रेनिंग देने का भी निर्देश दिया है।

एमसीडी ने मुख्य निर्वाचन कार्यालय के आदेश के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कवायद के पीछे माना जा रहा है कि दिल्ली में भी इस वर्ष के अंत में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में खत्म होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव कराने में एमसीडी की हर मामले में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इस कारण मुख्य निर्वाचन कार्यालय दिल्ली ने एमसीडी को विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है।

एमसीडी के अनुसार, मुख्य निर्वाचन कार्यालय ने उसको चुनाव संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कर्मचारियों को चुनाव कार्य के संबंध ट्रेनिंग देने का भी फरमान दिया है। इस कड़ी में उसने कार्य करना शुरू कर दिया है। उसने नोडल अधिकारी नियुक्त करने के साथ-साथ कर्मचारियों को ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी है।

उधर, मुख्य निर्वाचन कार्यालय के आदेश को लेकर एमसीडी में विधानसभा चुनाव के समय को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है। दरअसल दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल अगले वर्ष फरवरी में खत्म होगा। इस कारण चुनाव होने में अभी छह माह बचे हैं।

▶10 पर

कठुआ हमले में आतंकियों का साथ देने वाले 5 लोग पकड़े गए

जम्मू, 12 अगस्त (ब्यूरो)।

एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन में कठुआ पुलिस ने कठुआ-बनी-किश्तवाड़ बेल्ट में 5 सैनिकों की हत्या और अन्य आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े पांच आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। यह सफलता क्षेत्र में आतंकी नेटवर्क को नष्ट करने के लिए सुरक्षा बलों के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप मिली है।

विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कठुआ पुलिस द्वारा की गई छापेमारी की एक श्रृंखला के दौरान ये गिरफ्तारियां की गईं। माना जाता है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादी समूहों को आश्रय और परिवहन सहित सैन्य सहायता प्रदान कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों ने हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके कारण 5 सैनिकों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कठुआ ने ऑपरेशन में शामिल पुलिस टीम के प्रयासों की सराहना की और क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

जहानाबाद के मंदिर में भगदड़, सात मरे

जहानाबाद, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

सावन की चौथी सोमवारी पर जहानाबाद के वाणावार सिद्धेश्वर धाम में श्रद्धालुओं के बीच मची भगदड़ में सात लोगों की मौत हो गई। चौथी सोमवारी को जलाभिषेक के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। वाणावार पहाड़ पर पतालगंगा से जो सीढी जाती है उसपर दर्जनों श्रद्धालु चढ़ और उतर रहे थे। मंदिर के पास सीढ़ी पर कांवरियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते धक्का-मुक्की की स्थिति उत्पन्न हो गई। मंदिर के पास मौजूद पुलिसकर्मियों ने हालात काबू पाने की कोशिश की लेकिन अचानक भगदड़ मच गई। भगदड़ होते ही इधर-उधर लोग भागने लगे। अंधेरे में लोग एक-दूसरे को कुचलते हुए इधर-उधर भागने लगे। इधर, पुलिस जब तक हालात को नियंत्रित करती तब तक पांच महिला समेत सात श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया। सोमवार को सूर्योदय से पहले ही यह हादसा हुआ। हादसे में 10 से ज्यादा लोगों के घायल होने की बात सामने आ रही है। मंदिर क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मियों और स्वयंसेवकों की मदद से राहत और बचाव का कार्य चल रहा है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

जहानाबाद के थानेदार दिवाकर कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि हादसे के बाद डीएम और एसपी ने घटनास्थल पर पहुंचे हैं। वह हालात का जायजा ले रहे हैं। अब तक सात लोगों की मौत की सूचना मिली है। हमलोगों मृत और घायल लोगों के परिजनों से मिल रहे हैं और पूछताछ कर रहे हैं। मरने वालों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद हम शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजेंगे। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। मरने वालों में गया के मोर टेकरी निवासी पूनम देवी, जहानाबाद के मखदुमपुर थाना क्षेत्र के लडौआ गांव की निशा कुमारी, जल बीघा के नाडोल की सुशीला देवी, नगर थाना क्षेत्र के एरकी गांव की नीता देवी, प्यारे पासवान और राजू कुमार शामिल हैं। वहीं एक अन्य महिला की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। वहीं मखदुमपुर निवासी कृष्णा कुमार ने दावा किया है कि सात से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जहानाबाद सदर अस्पताल में कोई विधि व्यवस्था नहीं है। इतना ही नहीं जहानाबाद पहाड़ पर भी प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। केवल चार-पांच पुलिसकर्मी किनारे-किनारे खड़े थे।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 72,230/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,425/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28°

न्यूनतम : 21°

देश के 57 बुद्धिजीवियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा खुला पत्र

बांग्लादेश में हिंसा का शिकार हो रहे हिंदुओं की मदद करें

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना द्वारा प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद वहाँ हिंदुओं के खिलाफ हिंसा शुरू हो गई। कई हिंदुओं की हत्याएं हुईं, मंदिरों पर हमले हुए। बांग्लादेश-भारत सीमा पर कई पीड़ित हिंदू पलायन कर के जमे हुए हैं और गुहार लगा रहे हैं कि उन्हें भारतीय सीमा में आने दिया जाए। आंकड़ों की मानें तो ऐसी 300 से भी अधिक घटनाएं हुई हैं। पीड़ित हिंदू लगातार भारत से मदद की गुहार लगा रहे हैं। उनके समर्थन में अमेरिकी संस्थाएं आवाज़ उठा रही हैं।

अत्याचार के खिलाफ संसद में प्रस्ताव पारित करने की मांग

देश के 57 बुद्धिजीवियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार पर चिंता जताते हुए भारत सरकार से मदद का आग्रह किया है। हिंदुओं के उत्पीड़न पर चिंता जताते हुए इन बुद्धिजीवियों ने लिखा कि हिंदुओं को लक्षित कर के हो रही इस हिंसा ने एक नए पैटर्न की तरफ विश्व का ध्यान आकर्षित कराया है। इस पत्र में मेहरपुर में इस्कॉन मंदिर को जलाए जाने और हिंदुओं की मॉब लिंचिंग का जश्न मनाए जाने के वीडियो का जिक्र करते हुए बताया गया है कि ये परेशान करने वाली घटनाएं हैं। पत्र में कहा गया है कि ऐसा नहीं है कि हिंदुओं पर हमले की कहीं-कहीं इक्की-दुक्की घटनाएं हो रही हैं, ऐसा भी नहीं है कि इससे पहले ऐसा नहीं हुआ है। जिक्र किया गया है कि कैसे हिंदुओं पर हमले का बांग्लादेश में एक पूरा का पूरा इतिहास रहा है। अत्याचार का दौर राजनीतिक अस्थिरता के दौरान और तेज हो जाता है। याद दिलाया गया है कि कैसे बांग्लादेश जब पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था तब पाकिस्तानी फ़ौज ने 25 लाख हिंदुओं की हत्याएं की थीं। ▶10 पर

शुभेंदु अधिकारी दो साल से पत्र लिख लिख कर हार गए

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने दो वर्ष पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी थी और इसे रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने का आग्रह किया था। शुभेंदु ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा था, मैं समझता हूं कि आप इस तथ्य से अवगत हैं कि बांग्लादेश में हिंदू धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय को लक्षित कर सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश में नरैल के लोहागरा उप जिला के दिघलिया बाजार इलाके में हिंदू समुदाय के मंदिरों, दुकानों और कई घरों में तोड़फोड़ की गई है। बांग्लादेश में इस तरह की घटनाएं बार-बार होती हैं क्योंकि कोई स्वतंत्र जांच और उचित समय पर उचित जांच नहीं होती है, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

साधना के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा मोहः डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि संसार का हर प्राणी दुखी नजर आता है। संसार में मनुष्य के दुखी रहने का सबसे बड़ा कारण उसका आसक्त होना है। मोह ही द्वेष का कारण बनता है। यानि दुख का मूल कारण ही मोह है। पदार्थों के प्रति आसक्ति होने से न केवल मनुष्य बल्कि देवता भी दुख प्राप्त करते हैं। कायिक, मानसिक सब प्रकार के दुखों का आसक्ति मूल कारण है। वीतराग आसक्ति छोड़ देते हैं तो वह दुख मुक्त हो जाते हैं। कोई पदार्थ का त्याग भी कर दे परंतु भीतर उसके आसक्ति का भाव है तो वह

दुर्गति की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि साधना के मार्ग पर सबसे बड़ी अगर कोई बाधा है तो वह मोह है। जिस दिन मनुष्य मोह त्याग देगा उस दिन उसके जीवन से सारे दुख दूर हो जाएंगे। आसक्ति ही जीव के दुखों का सबसे बड़ा कारण है। किसी में मनुष्य या जीव आसक्त हो जाता है तो वह अपने कर्तव्यों को भूल जाता है। मार्ग भटक जाता है जिससे उस जीव को दुखों का सामना करना पड़ता है और वह उन दुखों के लिए भगवान को उत्तरदायी ठहराता है। हमारे जीवन में आसक्ति जितनी प्रबल होगी दुख उतना ही बढ़ेगा, भारी होगा। जब तक आसक्ति दूर नहीं होती हम दुखों से उबर नहीं सकते। इसलिए, दुख से मुक्ति पाने के लिए, इन इच्छाओं और आसक्तियों से मुक्त होना आवश्यक है। इस अवसर पर श्रीराम सेना के प्रमोद मुतालिक व पूर्व मंत्री सुरेशकुमार की विशेष उपस्थिति रही। रायचूर जवरीलाल संकलेचा भी उपस्थित रहे। करण सुराणा ने नौ उपवास की तपस्या को पूर्ण किया। सभी का अभिनंदन संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, पूर्व अध्यक्ष पारसमल लोढ़ा, भँवरलाल चोरडिया, मिश्रीमल कटारिया, जम्बुकुमार दुगड, ज्ञानचंद लोढ़ा, प्यारेलाल टपरावत, मूलचंद पोरवाड, देवीचंद सुराणा, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर व अन्य ने किया।

जैन संस्कार विधि से कैसे मनाएं रक्षाबंधन पर आधारित कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित जैन संस्कार विधि से कैसे मनाये रक्षाबंधन पर एक कार्यशाला तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा स्थानीय तेरापंथ भवन राजाजीनगर में आयोजित किया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी का स्वागत किया। जैन संस्कार विधि की शुरुआत पंच परमेष्ठी नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से करते हुए संस्कारक राजेश देरासरिया, सतीश पोरवाड़ एवं रनीत कोठारी ने जैन संस्कार विधि का विश्लेषण करते हुए विभिन्न मंगल मंत्रोचार के उच्चारण एवं उपस्थित सभी सदस्यों को रक्षाबंधन जैन संस्कार विधि से कैसे मनाएं के

बारे में सरल डेमो द्वारा सिखाते हुए विधि को मंगल पाठ से सम्पन्न करने का प्रशिक्षण प्रदान किया। रक्षाबंधन कार्यशाला को प्रायोगिक (डेमो) का रूप देते हुए 63 भाई-बहनों के जोड़ों को स्वास्तिक एवं तेरापंथ के प्रथम अक्षर टी के आकार में बिठाया गया। सभी बहनों ने अपने भाइयों की कलई पर राखी बांध कर आरती द्वारा विधि को सम्पन किया। मंगल पाठ के पश्चात सभी बहनों द्वारा भाइयों का मुंह मीठा करवाया गया। कार्यशाला की विशेषता यह रही की 5 वर्ष की उम्र से लेकर 55 वर्ष की उम्र तक भाई-बहनों ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। लगभग 155 सदस्यों की उपस्थिति में अद्भुत कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला के संपन्नता सत्र में राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी ने अपने विचार व्यक्त किये। इस आयोजन के प्रायोजक परिवार उत्तमचंद, कुशलराज, अनिल कुमार, अभिषेक, मुदित पीपाड़ा -मल्लेश्वरम ने सहयोग प्रदान कर आयोजन को सफल बनाया।

उपकारियों के उपकार को हमेशा याद रखें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित पूज्य मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि उपकारियों के उपकार को हमें हमेशा याद रखना है। परमात्मा नेमिनाथ भगवान के दीक्षा कल्याणक दिवस के उपलक्ष्य में परमात्मा के जीवन चरित्र के बारे में बताया और जिनशासन के समृद्ध इतिहास के पन्नों से जिनशासन के छगनसागर जी के 58 दिवस के उपवास के पश्चात देवलोक गमन के दिवस पर खरतरगच्छ दिवस मनाने की परम्-परा के बारे में बताया। जिनशासन के पाटण निवासी आभू भन्साली, लाहौर निवासी हाथीशाह लूनिया, दिल्ली निवासी रायपति, बीकानेर

निवासी कर्मचन्द बच्छावत, वत्सराज, संग्राम सिंह, सेठ भाण्डाशाह, कापरडा के भानमल भण्डारी, कलकत्ता के राय बहादुर बद्रीदास, मणिसागर जी, गणदेव, धनद्, अगर चंद नाहटा, भंवरलाल नाहटा, महोपाध्याय विनय सागर जी के द्वारा किए गए उपकारों के बारे में बताया। पूज्य साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने कहा कि 1006 वर्ष पूर्व संवत 1075 में दुर्लभ राजा द्वारा वर्धमान सूरी जी के शिष्य जिनेश्वर मुनि को खरे यानि खरतर की उपाधि प्रदान की। यह जिनशासन भी एक फूलों का गुलदस्ता है। खरतरगच्छ भी इस गुलदस्ते का एक फूल बनकर महक रहा है। इस जिनशासन में अनेक शूरवीर, धर्मवीर और दान-वीर आप्त पुरुष हुए हैं।

हर घर टीटीएफ ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अभातेयुप निर्देशित हर घर टीटीएफ ऑनलाइन जूम कार्यशाला तेयुप विजयनगर द्वारा आयोजित की गई। जूम कार्यशाला की शुरुआत में तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए आपदा, विपदा में बचाव के कौशल जानने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। अभातेयुप टीटीएफ टीम से जय चौरडिया ने सरल शब्दों में ऑनलाइन माध्यम से चर्चा करते हुए, अग्नि, बाढ़, रक्त श्राव, दुर्घटना में हड्डी टूटने पर मरीज को फर्स्ट एड देना, मरीज को उठाने और स्ट्रेचर बनाने के उपाय आदि विषयों पर रोचक रूप से प्रस्तुत किया। कार्यशाला के अंत में उपाध्यक्ष विकास बांठिया, सह मंत्री पवन बैद, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर लगभग 45 लोगों ने ऑनलाइन कार्यशाला से जुड़कर लाभ लिया। अभातेयुप टीटीएफ टीम से लोकेश जैन, नवीन, तेयुप पूर्व अध्यक्ष राकेश दुधोडिया, श्रेयांस गोलछा, प्रबंध मंडल, किशोर मंडल एवं जागरुक समाज की सहभागिता रही।

दान श्रावक का प्रमुख कर्तव्य : साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि दान श्रावक का प्रमुख कर्तव्य हैं।

जीवन की सार्थकता-भलाई भी इसी में है। तीर्थकर परमात्मा भी अपने दीक्षा लेने से पूर्व प्रतिदिन एक वर्ष तक दान देते हैं और जगत में भव्य जीवों के समक्ष दान का एक अपूर्व आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। दान देने से पुण्यवानी बढ़ती है। लक्ष्मी पुण्य का अनुसरण करती हैं, यानि लक्ष्मी भी पुण्य केन्द्रित रहती हैं। उन्होंने एक भजन के माध्यम से बताया कि यह अवसर बार-बार मिलने वाला नहीं हैं। आज जो आपके पास धन-वैभव सुख के

साधन प्राप्त हैं, ये सब आपके पूर्व भव की दान-धर्म की पुण्यवानी का प्रताप हैं।

वह पुण्यवानी इस भव में घटती जा रही हैं। इस लिए यह जरूरी है कि मानव इस भव, अनमोल अवसर को नही गंवाते हुए यहां पर भी दान, सेवा परोपकार धर्म की आराधना करते हुए अपने जीवन में अनेक सुकृत के कार्य करते हुए अगले भव के लिए भी दान देकर अपने साथ पुण्यवाणी का पाथेय लेकर जाए। उन्होंने कहा कि दानी की महिमा स्वर्गलोक में भी गायी जाती है। प्रारंभ में साध्वी स्नेह प्रभा जी ने दान के महत्व पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि जो अपनी प्राप्त वस्तु पर ममत्व भाव हटाते हुए, मन में श्रद्धा, अनुकम्पा, करुणा के अहोभावों के साथ जो दूसरों को दान देता हैं वह वास्तव में सुपात्रदान' का अधिकारी बनता हैं। प्रवचन के पश्चात पैसठिया छन्दजाप के लाभार्थी महावीरचंद धारीवाल परिवार को जाप कलश सौंपा गया। आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस महोत्सव के प्रसंग पर ध्वजारोहण के साथ बच्चों के लिए देश भक्ति पर आधारित फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है।

जोधपुर एसोसिएशन की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जोधपुर एसोसिएशन की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण सभा एक होटल में आयोजित की गई। अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी ने सभी का स्वागत किया और मानद मंत्री जितेन्द्र दुगड़ ने पूरे 2 वर्ष की गतिविधियों सहित विस्तृत प्रतिवेदन पेश की। कोषाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने हिसाब किताब पेश किया। ऑडिटर गोपाल राठी की नियुक्ति पुनः की गई। पूर्व मंत्री सज्जन राज मेहता ने बताया कि कार्यकारिणी ने निर्णय लिया कि सदस्यों के सहयोग से जोधपुर शहर के कमला नेहरू नगर स्थित महिला

पी जी महाविद्यालय में 7 कमरों का एक ब्लॉक उपलब्ध कराया जाएगा। संरक्षक धीरेंद्र कुमार, पदमराज मेहता, लक्ष्मीचन्द भंडारी, राजेन्द्र लोढा, उपाध्यक्ष रविन्द्र भंडारी, पूर्व मंत्री कैलाश भन्साली, निवर्तमान अध्यक्ष अशोक व्यास और मंत्री सज्जन राज मेहता ने विस्तृत चर्चा में भाग लिया। सभा के प्रायोजक सुरेश और विजय भण्डारी का आतिथ्य शानदार रहा और कोमल भण्डारी ने गेम्स का संचालन किया। वार्षिक साधारण सभा और नूतन कार्यकारिणी का चुनाव 29 सितम्बर को होगा।

तेरापंथ प्रीमियर लीग का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी के सानिध्य में तेरापंथ प्रीमियर लीग टीपीएल आयोजित किया गया। तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर के निर्देशन में तेरापंथ किशोर मंडल ने प्रश्नों पर आधारित ज्ञान वर्धक प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इस अवसर पर साध्वी ने स्वाध्याय करने से निर्जरा के महत्व को बताते हुए अध्यात्मिक विकास की प्रेरणा दी। इस प्रतियोगिता में ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप नाम की टीमों ने भाग लिया।

क्रिकेट मैच की शब्दावली और नोक आउट आधारित प्रारूप में सेमीफाइनल और फाइनल मैच

का आयोजन किया गया। फाइनल मैच में दर्शन और चारित्र टीम ने जगह बनाई और चारित्र टीम ने सर्वाधिक रन अर्जित करते हुए टीपीएल पर अपनी पकड़ बनाई। विजेता टीम में कप्तान बरखा पुगलिया, मंजू गादिया, संपत चावत, वर्षा बैद, प्रियंका नाहटा, नूपुर चोपडा, रेखा छाजेड आदि का शानदार टीम वर्क रहा। इस अवसर पर अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, तेयुप मंत्री संजय भटेवरा, सह मंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर, समेत अन्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष विकास बांठिया और टीकेएम सह संयोजक रिशित छाजेड़ ने किया।

शुद्ध मन से की गई तपस्या का परिणाम अद्भुतः राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शांतिनगर के लुणावत स्थानक भवन में चातुर्मासिक प्रवास कर रहे राजेश मुनिजी ने सोमवार को आयोजित प्रवचन में कषायों के प्रति जागरुक किया। मुनि ने कहा कि कषाय हमारी साधना में बाधक प्रमुख तत्व है। भगवान महावीर के समय आज के जैसे ही मनुष्य थे। लेकिन तब मनुष्य में सरलता थी। इसलिए मोक्ष सुलभ था। राजेश मुनिजी ने कहा कि झूठे अहम के कारण हमारी सहन शक्ति कमजोर होती जा रही है और हम छोटी छोटी बातों में उलझ और भड़क जाते हैं। भगवान महावीर के कानों में कीलें ठोक देने पर भी उन्होंने क्रंदन नहीं किया। क्योंकि उन्होंने अपने मन को आत्मा से जोड़ दिया था। मन को हम मजबूत कर लें तो अनेक समस्याएं सुलझ सकती हैं और हम शांत रह सकते हैं। सारा खेल मन की उछल कूद का है। यह बार बार हमें भ्रमित करता है और साधना में दखल डालता है। वर्तमान में भी कई महापुरुष दुष्कर साधना करते हैं और घबराते नहीं हैं। उनके जीवन में कई चमत्कार होते हैं। शुद्ध मन से की गई तपस्या अद्भुत परिणाम लाती है। धर्मसभा में ऋषभ मुनि का भी सान्निध्य रहा। बेंगलूरु स्थानकवासी महासंघ के महामंत्री अभयकुमार बांठिया एवं अलसूर संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया भी उप-स्थित थे। जयंतीबाई मुथा ने तप का प्रत्याख्यान लिया। विल्सन गार्डन से महावीर चंद मकाना, अशोक कोठारी, नगरथपेट से महावीर चंद्र बोरा आदि उपस्थित थे। संघमंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

वियतनाम की व्यापारिक यात्रा की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा आगामी समय में भारत और वियतनाम के बीच अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की संभावनाओं को तलाशने के लिए वियतनाम की व्यापारिक यात्रा आयोजित की जाएगी। फेडरेशन के सहमंत्री ललित डाकलिया ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में वैश्य फेडरेशन के पदाधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान वहां के भारतीय अधिकारियों की मदद से वियतनाम के मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के साथ अलग अलग दौर की बैठक में वियतनाम और भारत के साथ व्यापारिक संभावनाओं के बारे में बातचीत की जाएगी। इस व्यापारिक यात्रा हेतु रितु अग्रवाल, बिपिन राम अग्रवाल, ललित डाकलिया, हरिप्रसाद वर्धा और साईं राज को संयोजक नियुक्त किया गया है। बैठक में अध्यक्ष आर पी रविशंकर, कार्यकारी अध्यक्ष बाबू भाई मेहता, रवि राम सिंघानिया, मंत्री शबरीश, अरविन्द अग्रवाल, संदीप चनानी और के आर कृष्णा उपस्थित थे।

जैन संस्कार विधि से मनाया रक्षाबंधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित एवं तेरापंथ युवक परिषद एच बी एस टी हनुमंतनगर द्वारा जैन संस्कार विधि से कैसे मनाएं रक्षा बंधन पर कार्यशाला का आयोजन स्थानीय तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में किया गया। जैन संस्कार विधि की शुरुवात नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। मुख्य संस्कारक सज्जनराज कटारिया, सहसंस्कारक राहुल मेहता, मनोज पोरवाड़, गौतम खाब्या, महावीर कटारिया ने विभिन्न मंगल मंत्रोचार का उच्चारण करते हुए जैन संस्कार विधि से कैसे रक्षाबंधन मनाया जाए का सरल डेमो दिया। परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। सभा नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतम दक ने अपने विचार व्यक्त किये। इस रक्षाबंधन कार्यशाला में कुल 23 भाई-बहनों के जोड़ों ने भाग लिया। सभी बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। इस अवसर परिषद परामर्शक प्रकाश बोल्या, परामर्शक बालचंद चावत, उपाध्यक्ष द्वितीय देवेंद्र आंचलिया, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, संगठन मंत्री संदीप बाबेल आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।

मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए किए जा रहे सभी उपाय: सीएम सिद्धरामैया

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य में मानव-वन्यजीव संघर्ष को शून्य स्तर पर लाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय में हाथी और मानव संघर्ष प्रबंधन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि 2017 की जनगणना के अनुसार कर्नाटक 6,395 हाथियों के साथ शीर्ष पर है।

वैश्विक हाथियों की संख्या में इसकी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। 2022 के अखिल भारतीय बाघ सर्वेक्षण में राज्य 563 बाघों के साथ दूसरे स्थान पर है। कर्नाटक में बड़े स्तनधारियों, शीर्ष शिकारियों, शाकाहारी और वन स्तनधारियों की एक स्वस्थ आबादी है। राज्य में मैसूरु और डांडेली प्रत्येक में 10,000 वर्ग किमी के दो हाथी रिजर्व हैं। उन्होंने कहा कि हाथियों के रखरखाव और संरक्षण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विकास के दबाव और वन क्षेत्रों के विखंडन के कारण हाल के वर्षों में मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ गया है। पिछले 10 वर्षों में राज्य में 2,500 से अधिक हाथी-मानव संघर्ष हुए हैं, जिनमें 350 मानव जीवन की हानि हुई है। फसल का भारी नुकसान हुआ। इस समस्या को गंभीरता से निपटाने के लिए बजट में अलग से अनुदान का प्रावधान किया गया है। 150 करोड़ में 300 किमी से अधिक रेलवे बैरिकेड, 800 किमी सोलर फेंस लगाए गए हैं। हाथी-रोधी मैनाकल्स जैसे भौतिक अवरोध स्थापित किए गए हैं। इससे जंगली जानवरों को शहर में प्रवेश करने से रोकने का प्रयास किया गया है और किसानों की फसलों की सुरक्षा की जा रही है। 50,000 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को संरक्षित किया गया है क्योंकि किसानों को सौर बाड़ लगाने के लिए सब्सिडी दी गई है। राज्य में 8 विशेष हाथी टास्क फोर्स, 9 हाथी टास्क फोर्स टीमें स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा कि इनसे एक साल में 1200 से अधिक संघर्ष रोके गए। जंगल, घास के मैदानों में वन्यजीवों के लिए उपयुक्त आवासों का विकास, सौर पंपों के माध्यम से जल आपूर्ति सहित विभिन्न पहल की गई हैं। हाथी और मनुष्य हजारों वर्षों से सह-अस्तित्व और सहिष्णुता में रह रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में शहरीकरण, कृषि विस्तार, राजमार्ग, खनन और औद्योगिक विकास के कारण हाथियों का निवास स्थान कम हो गया है। कृषि क्षेत्रों के विस्तार के कारण वन क्षेत्र घट रहा है। इस प्रकार हाथी और जंगली जानवर आते हैं और संघर्ष उत्पन्न होता है। यह पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के साथ एक जटिल समस्या है। मुख्यमंत्री ने बताया कि तापमान में बढ़ोतरी का भी असर पड़ा है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि मानव और वन्यजीव संघर्ष के लिए अपनी रणनीति तलाशने और एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने की जरूरत है। सरकार इसके लिए आवश्यक सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि इसमें समुदाय की भागीदारी प्राप्त की जाये। अकेले वन रक्षक वनों की रक्षा नहीं कर सकते और वन्यजीव संघर्ष को नहीं रोक सकते।

हाथी-मानव संघर्ष राज्य की समस्या नहीं है

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और वनवासी समुदाय के लोगों के सहयोग की भी जरूरत है।

वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि हाथी-मानव संघर्ष राज्य की समस्या नहीं है। यह एक जटिल वैश्विक समस्या है। राज्य में 43,282 वर्ग किमी वन क्षेत्र है और कुल भौगोलिक क्षेत्र के केवल 22 प्रतिशत हिस्से में ही हरित आवरण है। राज्य में अवैध शिकार को रोकने के लिए उठाए गए कदमों से वन्य प्राणियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष भी हुआ है, हर साल हाथियों के हमलों से औसतन 30 लोग मारे जाते हैं। उन्होंने अफसोस जताया कि इस साल जनवरी से अब तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है। वन्य जीवों की संख्या के अनुसार वनों को प्राथमिकता दी जाती है। पिछले वर्ष 3995 हेक्टेयर वन क्षेत्र घोषित किया गया था। 2500 एकड़ जंगल का अतिक्रमण साफ कर दिया गया है। वन अपराध रोकने के लिए ऑनलाइन एफआईआर दर्ज की जा रही है। उन्होंने बताया कि जंगल की आग को बुझाने के लिए रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकी उपग्रहों की मदद से सावधानी बरती गई है।

राज्य के बांधों की सुरक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने कहा कि तुंगभद्रा बांध के क्रेस्ट गेट के टूटने के मद्देनजर राज्य के सभी बांधों में सुरक्षा उपायों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएम सिद्धरामैया मंगलवार को बांध का निरीक्षण करने जाएंगे।

तुंगभद्रा बांध के 19वें क्रेस्ट गेट के टूटने को लेकर तत्काल कार्रवाई की गई है। हमने ठेकेदार से बात की है। डिजाइन भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि चार से पांच दिन में मरम्मत कार्य करा दिया जायेगा। किसानों को एक फसल के लिए 50-60 टीएमसी पानी बचाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने अधिकारियों और तकनीशियनों से चर्चा की है और किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन बांध की स्थिति खतरे में है। दो दिन के भीतर एक तकनीकी समिति का गठन किया जाएगा जो प्रदेश के सभी बांधों का स्वयं निरीक्षण कर रिपोर्ट देगी।

लगभग सभी बांधों में सुरक्षा उपायों के दो स्तर हैं। तुंगभद्रा बांध की एक स्तर की श्रृंखला टूट गई है। वहां की स्थिति देखकर मुझे भी चिंता हुई जब मैंने पानी का वेग देखा। मौजूदा स्थिति में जितना संभव हो उतना पानी बचाने के लिए आपातकालीन मरम्मत कार्य का आदेश दिया गया है। उच्च गुणवत्ता का लोहा उपलब्ध कराने के लिए जेएसडब्ल्यू के अधिकारियों से चर्चा की गई है। डिजाइन और ऑर्डर उन लोगों को दिया गया है जिन्होंने पहले क्रेस्टगेट तैयार किया था। आरोप लगाने वाले और आलोचक ऐसा करना जारी रखेंगे। तुंगभद्रा बांध राज्य सरकार के नियंत्रण में नहीं है। हम केवल नियंत्रण समिति के सदस्य हैं। चाबी उनके हाथ में है। पड़ोसी आंध्र प्रदेश को केवल तीन लाख हेक्टेयर क्षेत्र में पानी की आपूर्ति की जा रही है। हम सिंचाई का बहुत अधिक उपयोग करते हैं। तो यह हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वे क्रेस्टगेट की मरम्मत करेंगे। डीके शिवकुमार ने भाजपा के अलग गुट द्वारा आयोजित पदयात्रा की सफलता की कामना की।

तुंगभद्रा बांध किसानों की जीवन रेखा : विजयेन्द्र

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में स्थित तुंगभद्रा जलाशय के 19वें क्रेस्ट गेट के ढहने के बाद स्थल का दौरा करने पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र ने कहा कि तुंगभद्रा बांध किसानों की जीवन रेखा है। सरकार को राज्य के किसानों के लिए खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अधिकारियों को जिम्मेदार नहीं मानते। इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होनी चाहिए। सरकार ने मुख्य अभियंता की नियुक्ति नहीं की है। जिम्मेदारी से कोई बच नहीं सकता। उन्होंने शिकायत की कि विशेषज्ञों द्वारा दी गई योजना को लागू नहीं किया गया। यह घटना राज्य सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण हुई। तुंगभद्रा बांध कल्याण कर्नाटक भाग की जीवन रेखा है। पिछली बार सूखे से किसान तबाह हो गये थे। किसान खुश थे कि इस बार वे दो फसलें उगा सकेंगे। उन्होंने कहा कि अब तुंगभद्रा बांध का गेट बह गया है, जिससे इस क्षेत्र के किसानों को झटका लगा है।

कोलकाता के डॉक्टर की हत्या

निम्हांस ने अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन किया शुरू

केएआरडी ने व्यापक सुरक्षा सुधारों की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के राज्य अध्याय सहित कर्नाटक के डॉक्टरों ने कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में द्वितीय वर्ष की स्नातकोत्तर छात्रा के साथ जघन्य बलात्कार और हत्या की कड़ी निंदा की है। निम्हांस के रेजिडेंट डॉक्टरों ने न्याय की मांग करते हुए सोमवार को घटना के खिलाफ अनिश्चितकालीन विरोध शुरू किया। वहीं एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया ने पोस्टर जारी कर सभी डॉक्टरों से पीड़िता के साथ एकजुटता दिखाने के लिए काला बिल्ला पहनने को कहा और उनसे अपने क्लीनिक में यह संदेश प्रदर्शित करने का भी आग्रह किया।

10 अगस्त को जारी एक बयान में, कर्नाटक एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (केएआरडी) ने मांग की कि अधिकारी अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए त्वरित और गहन जांच करें। एसोसिएशन ने व्यापक सुरक्षा सुधारों को लागू करने का भी आह्वान किया।

केएआरडी कर्नाटक के सरकारी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों के हाउस सर्जन, पोस्ट-ग्रेजुएट, सीनियर रेजिडेंट और सुपर स्पेशियलिटी रेजिडेंट का एक संघ है। केएआरडी द्वारा रखी गई प्रमुख मांगों में घटना की सीबीआई जांच और जांच पूरी होने तक संलिप्तता या लापरवाही के संदिग्ध किसी भी कर्मचारी को निलंबित करना शामिल है। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन चिकित्सा संस्थानों में हिंसा के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति के सख्त क्रियान्वयन के साथ-साथ प्रभावित लोगों के लिए व्यापक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की भी वकालत कर रहा है। यह सरकार की निगरानी की भी मांग करता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन मांगों को नियमित अपडेट के साथ लागू किया जाए। संस्था ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित, स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट, सभी मेडिकल कॉलेजों में प्रशिक्षित संकट प्रतिक्रिया टीमों की स्थापना और चिकित्सा पेशेवरों के लिए कानूनी सुरक्षा और हिंसा के मामलों को फास्ट-ट्रैक करने का भी प्रस्ताव रखा है।

बीबीएमपी चुनाव कराने के संबंध में सीएम को लिखा पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सूचना का अधिकार अध्ययन केंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखकर कहा है कि ग्रेटर बेंगलूरु के निर्माण को लेकर चल रहे विवाद के मद्देनजर बीबीएमपी को यह विचार छोड़ देना चाहिए और चुनाव कराना चाहिए। नागरिकों को लगता है कि ग्रेटर बेंगलूरु के निर्माण में कोई प्रगतिशील तत्व नहीं हैं। साथ ही संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी अमरेश ने पत्र में सीएम से अपील की है कि सरकार द्वारा ब्रांड बेंगलूरु कमेटी द्वारा दी गई कई वांछनीय सिफारिशों को नजरअंदाज करने के आरोपों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विधानमंडल में प्रस्तुत ग्रेटर बेंगलूरु एडमिनिस्ट्रेशन बिल के लिए जनाग्रह संस्थान द्वारा किए गए तुलनात्मक विश्लेषण में जनता द्वारा 10 में से केवल 3.35 अंक प्राप्त हुए, जिससे साबित हुआ कि बिल लोकप्रिय नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अलोकप्रिय बिल बीबीएमपी चुनावों में देरी करने के लिए जल्दबाजी में लाया गया था, इस डर से कि सुप्रीम कोर्ट बीबीएमपी को चुनाव कराने का आदेश देगा। पिछले 4 वर्षों के बाद भी चुनाव न कराना लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध है। इसलिए, उन्होंने अनुरोध किया कि विधेयक को तुरंत हटा दिया जाना चाहिए और बीबीएमपी चुनाव कराए जाने चाहिए।

टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय लड़ूंगा चुनाव: सीपी योगेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर ने कहा कि अगर उन्हें आगामी चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिला तो वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। ऐसी संभावना है कि अगर पार्टी टिकट नहीं देती है तो वह बागी उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरेंगे और उनका यह कदम भाजपा और जेडीएस के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकता है।

दिल्ली रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने उपचुनाव से जुड़े एक सवाल पर कहा कि वह गैर-पार्टी सदस्य के रूप में फिर से जीतेंगे और एनडीए में शामिल होंगे। उनका आशय यह था कि हम देखेंगे कि यह क्या राजनीतिक मोड़ लेता है। मेरे तालुक के लोगों ने मुझ पर भरोसा किया है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस चिन्ह के नीचे खड़े हैं, आप जीतेंगे। यहां तक कि क्षेत्र के समान विचारधारा वाले मंच से भी प्रतिस्पर्धा पर जोर रहता है। मैंने कांग्रेस में जाने के बारे में नहीं सोचा है। किसी ने मुझसे बात नहीं की। शिवकुमार कुछ भी कहते हैं, यही उनकी राजनीतिक रणनीति है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि कब क्या बात करनी है। मुझमें और कुमारस्वामी में क्या अंतर है? शिवकुमार हमारे बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। कुमारस्वामी अपना मन बदल सकते हैं।

कुमारस्वामी अगर नहीं माने तो हम अगला रास्ता सोचेंगे। मैं चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र से प्रबल उम्मीदवार हूं। लोग हम पर वहां प्रतिस्पर्धा करने का दबाव भी बना रहे हैं। हम सभी समान विचारधारा वाले लोग हैं। चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र को किसी भी कारण से कांग्रेस के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए। हमने तय किया कि इस निर्वाचन क्षेत्र पर एनडीए का कब्जा होना चाहिए। इसी वजह से मैंने एनडीए उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। मैं उसके लिए दिल्ली जा रहा हूं। मैं वहां पार्टी के वरिष्ठों से मिलूंगा और चर्चा करूंगा। योगेश्वर ने कहा कि 16 अगस्त को फिर दिल्ली जाकर वरिष्ठों से मिलने की योजना है।

हमारे राज्य के नेताओं ने भी मुझे मेरे चुनाव लड़ने का आश्वासन पहले ही दे दिया है। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी थोड़े नाराज हैं। लेकिन आखिरकार, उनसे बात करने के बाद मुझे उम्मीद है कि वे मेरी प्रतियोगिता से सहमत होंगे। पिछली बार मैंने ही गठबंधन के लिए कहा था। अगर भाजपा ने गठबंधन नहीं किया होता तो हमारे पक्ष में जेडीएस की कहानी क्या होती? इसलिए उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि मैं दोनों पार्टियों का सर्वसम्मत उम्मीदवार बनूंगा।

असंतुष्ट भाजपा नेताओं ने उत्तर कर्नाटक में एक और पदयात्रा की बनाई योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा में अंदरूनी कलह फिर से सामने आ गई है। असंतुष्ट नेताओं के एक समूह ने महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले और राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति के कल्याण के लिए निर्धारित धन के दुरुपयोग को उजागर करने के लिए पदयात्रा निकालने की घोषणा की है। कुडलसंगम से बल्लारी तक पदयात्रा निकाली जाएगी। मैसूरु चलो पदयात्रा के समापन के बाद, पार्टी के 10 से अधिक असंतुष्ट नेताओं ने रविवार को बेलगावी तालुक के किनाये गांव के पास एक रिसॉर्ट में एक गुप्त बैठक की। विधायक रमेश जारकीहोली, बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, पूर्व सांसद अन्नासाहेब जोले, प्रताप सिम्हा और जी एम सिद्धेश्वरा, पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली और कुमार बंगारप्पा और अन्य ने बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए नेताओं ने एक और पदयात्रा आयोजित करने के निर्णय के बारे में जानकारी दी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और

वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा से नाखुश नेताओं ने यह बैठक की है। दोनों के खिलाफ पार्टी के केंद्रीय नेताओं के समक्ष शिकायत दर्ज कराने की भी चर्चा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई असंतुष्ट गतिविधि नहीं है। नेताओं ने कहा पदयात्रा निकालने से पहले पार्टी के केंद्रीय नेताओं के साथ एक दौर की बातचीत होगी। इसके अलावा, कुछ और नेता मिलकर बेंगलूरु में एक और दौर की बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा, मुडा घोटाले के खिलाफ पदयात्रा मैसूरु तक ही सीमित थी। हालांकि, हमारी लड़ाई पूरे राज्य से जुड़ी है। पदयात्रा के लिए केंद्रीय नेताओं को आमंत्रित करने की भी योजना है। यतनाल ने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति को हीरो बनाने का आंदोलन नहीं है।

कोलकाता में महिला डॉक्टर की हत्या का मामला पहुंचा हाईकोर्ट, सुनवाई आज

कोलकाता, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता में एक महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में बीजेपी के वरिष्ठ नेता व अधिवक्ता कौस्तव बागची ने सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी। याचिका में सभी मेडिकल कॉलेजों, अस्पताल और रेस्ट रूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

इसके साथ दो और पीआईएल भी कलकत्ता हाई कोर्ट में दाखिल किए गए हैं। सभी याचिकाओं में एक ही दलील है कि मामले की जांच कोलकाता पुलिस की एसआईटी के बजाय किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए। मुख्य न्यायाधीश टीएस

शिवगनम और न्यायमूर्ति हिरणमय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने सभी जनहित याचिकाओं को स्वीकार कर लिया है और मामले की सुनवाई मंगलवार को होगी।

पीआईएल तब दाखिल की गई जब ममता बनर्जी ने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के परिवार वालों से मुलाकात की और कहा कि अगर रविवार तक पुलिस मामले को नहीं सुलझाती है तो केस सीबीआई को सौंप दिया जाएगा। बता दें कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात दुष्कर्म की घटना सामने आई थी। मृतक मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग में सेकंड ईयर की छात्रा थी। गुरुवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद छात्रा अपने दोस्तों के साथ डिनर करने गई। इसके बाद, उसका कुछ पता नहीं चला। इस घटना के सामने आने के बाद मेडिसिन विभाग में हड़कंप मच गया।

चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल मे छात्रा का अर्धनग्न अवस्था में शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक छात्रा का मोबाइल फोन और लैपटॉप भी मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक महिला के मुंह, दोनों आंख और गुप्तांग पर चोट के निशान मिले हैं। इसके अलावा, होठ, गर्दन, पेट सहित शरीर के कई भागों में चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने मामले में बयान जारी कर कहा कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के सामने आने के बाद डॉक्टरों के एक समूह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने मांग की कि आर-ोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इस घटना ने पूरे देश के डॉक्टरों को आक्रोशित कर दिया है। घटना के विरोध में कई डॉक्टरों ने अस्पताल में ओपीडी और इमरजेंसी की सेवाएं ठप कर दी हैं, जिससे मरीजों को उपचार में बाधा आ रही है। मरीजों के तीमारदारों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन डॉक्टरों ने स्पष्ट कह दिया है कि जब तक आरोपी को मृत्युदंड की सजा नहीं दी जाती, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं, बंगाल के अलावा देश के कई चुनिंदा अस्पतालों के डॉक्टरों ने इस घटना के विरोध में स्वास्थ्य सेवाएं ठप कर दी हैं।

तिहाड़ जेल सुपरिंटेंडेंट ने सीएम केजरीवाल को दी चेतावनी

यह विशेषाधिकारों का दुरुपयोग दोबारा ऐसी गलती न करें

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्-सेना को जेल से लिखा गया पत्र लीक करने के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ जेल के सुपरिंटेंडेंट ने सख्त हिदायत दी है कि वह भविष्य में ऐसी गलती न दुहराएं।

आरोप है कि कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पत्र लीक करके जेल के नियमों और उन्हें मिले विशेषाधिकारों का उल्लंघन किया है। जेल सुपरिटेंडेंट ने उन्हें चिट्ठी लिखने पर चेतावनी दी है। तिहाड़ जेल नंबर-2 के सुपरिटेंडेंट द्वार लिखे पत्र में कहा गया है, यह जानकर आश्चर्य हुआ कि 6 अगस्त को आपके द्वारा सौंपे गए पत्र की सामग्री बिना किसी अधिकार के मीडिया को लीक कर दी गई। यह दिल्ली जेल नियम, 2018 के तहत आपको दिए गए विशेषाधिकारों का दुरुपयोग है। आपको इस तरह की किसी भी अनुचित गतिविधि से दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसा न करने पर मुझे आपके विशेषाधिकार को कम करने के लिए दिल्ली जेल नियम, 2018 के प्रावधानों को लागू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बता दें कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के नाम एक चिट्ठी लिखी थी जो आगे एलजी तक भेजी नहीं गई, लेकिन मीडिया में लीक कर दी गई। इस पत्र में कहा गया था कि चूंकि वह इस स्वतंत्रता दिवस पर जेल में हैं, तो उनकी जगह स्वतंत्रता दिवस समारोह में दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी झंडा फहराएंगी। इधर, एलजी कार्यालय ने सीएम केजरीवाल के द्वारा ऐसे किसी पत्र के मिलने की पुष्टि नहीं की है।

भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति श्रीलंका में शुरू

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति का 10वां संस्करण सोमवार को श्रीलंका के आर्मी ट्रेनिंग स्कूल, मदुरू ओया में शुरू हुआ। दोनों सेनाओं के बीच यह अभ्यास 25 अगस्त तक चलेगा।

अभ्यास में राजपूताना राइफल्स बटालियन की 106 सैन्यकर्मियों वाली टुकड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। श्रीलंकाई दल का प्रतिनिधित्व श्रीलंकाई सेना की गाजाबा रेजिमेंट के सैन्यकर्मियों द्वारा किया जा रहा है। संयुक्त अभ्यास मित्र शक्ति एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो बारी बारी से भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाता है। पिछले वर्ष यह अभ्यास नवंबर में पुणे में हुआ था। संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र जनादेश के अध्याय सात के तहत उग्रवाद विरोधी अभियान चलाने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है।

इस दौरान किये जाने वाले सामरिक अभ्यासों में आतंकवाद पर जवाबी कार्रवाई , संयुक्त कमान पोस्ट की स्थापना, खुफिया और निगरानी केंद्र की स्थापना, हेलीपैड , लैंडिंग साइट की सुरक्षा, विशेष हेलिबोर्न संचालन, घेराबंदी, ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रणाली अभियान शामिल हैं। मित्र शक्ति अभ्यास दोनों पक्षों को संयुक्त अभियान चलाने की रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाएगा। इससे दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता और सौहार्द विकसित करने में मदद मिलेगी। संयुक्त अभ्यास से रक्षा सहयोग भी बढ़ेगा, दोनों मित्र राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

शिया वक्फ बोर्ड ने संशोधन विधेयक के लिए सरकार को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के लिए शिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्यों ने सरकार को धन्यवाद दिया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बोर्ड के सदस्यों से मुलाकात का एक वीडियो पोस्ट किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 लाने के लिए दिल्ली शिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार का आभार व्यक्त किया।

वीडियो में बोर्ड के एक सदस्य कह रहे हैं, ऊपरवाला रिजिजू को तरक्की दे। हर गरीब की दुआ उनके साथ है। आपने हमारी बातें सुनी, इसके लिए हम आपके बहुत शुक्रगुजार हैं। इसके बाद उन्होंने रिजिजू को शॉल ओढ़ाया। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 गत 8 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था। विपक्ष के विरोध के बाद इसे संसद की स्थायी समिति को भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि वक्फ अरबी का शब्द है जिसका मतलब खुदा के नाम पर ली गई वस्तु या परोपकार के लिए

दिया गया धन होता है। इसमें चल और अचल दोनों संपत्तियों को शामिल किया जाता है। कोई भी व्यक्ति अपनी संपत्ति वक्फ कर सकता है। अगर एक बार कोई संपत्ति वक्फ हो गई तो वह वापस नहीं ली जा सकती। वक्फ संपत्ति के प्रबंधन का काम करने वाला वक्फ बोर्ड एक कानूनी इकाई है। देश में शिया और सुन्नी के अलग-अलग वक्फ बोर्ड हैं।वक्फ बोर्ड को मुकदमा चलाने की शक्ति भी है। इसमें अध्यक्ष के अलावा राज्य सरकार के सदस्य, मुस्लिम विधायक, सांसद, राज्य की बार काउंसिल के सदस्य और इस्लाम के विद्वानों को शामिल किया जाता है। वक्फ बोर्ड वक्फ की संपत्तियों के प्रबंधन के अलावा वक्फ में मिले दान से शिक्षण संस्थान, मस्जिद, कब्रिस्तान और रैन-बसेरों का निर्माण और रखरखाव भी करता है। देश में सबसे पहले 1954 में वक्फ एक्ट बना। इसी के तहत वक्फ बोर्ड का भी जन्म हुआ। इस कानून का मकसद वक्फ से जुड़े कामकाज को सरल बनाना था। एक्ट में वक्फ की संपत्ति पर दावे और रखरखाव तक का प्रावधान हैं। इसमें 1955 में पहला संशोधन किया गया। 1995 में एक नया वक्फ अधिनियम बना। इसके तहत हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड बनाने की अनुमति दी गई। बाद में साल 2013 में इसमें संशोधन किया गया था।वक्फ बोर्ड का गठन 1964 में वक्फ अधिनियम 1954 के आधार पर किया गया था। बोर्ड का निर्माण इसकी कार्यप्रणाली और इसके प्रशासन से संबंधित मामलों में केन्द्र सरकार के सलाहकार निकाय के रूप में किया गया था। इसकी परिषद का अध्यक्ष भारत सरकार का केंद्रीय मंत्री होता है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो देश में वक्फ बोर्ड के पास आठ लाख एकड़ से अधिक जमीन है। वर्ष 2009 में केवल चार लाख एकड़ जमीन थी, लेकिन इसके बाद वक्फ की जमीन में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इस जमीन के अधिकांश हिस्से पर मस्जिद, मदरसा, और कब्रिस्तान हैं। वक्फ बोर्ड की संपत्ति की कीमत करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। देश में उत्तर प्रदेश और बिहार से संचालित दो शिया वक्फ बोर्ड समेत कुल 32 वक्फ बोर्ड हैं। भारतीय रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद देश में सबसे अधिक संपत्ति सम्मिलित रूप से वक्फ बोर्डों के पास है।वक्फ बोर्ड पर विवाद की जड़ में वक्फ अधिनियम का सेक्शन 40 है। इसके तहत बोर्ड को रीजन टू बिलीव की शक्ति दी गई है। आर्टिकल 40 के अनुसार यदि बोर्ड को लगता है कि कोई संपत्ति वक्फ की संपत्ति है तो वह खुद ही इसकी जांच कर सकता है और इस संपत्ति के वक्फ का होने का दावा पेश कर सकता है।

अगर इससे किसी को समस्या है तो वह व्यक्ति या संस्था अपनी आपत्ति को वक्फ ट्रिब्यूनल के पास दर्ज करा सकता है। इसके बाद ट्रिब्यूनल के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। लेकिन, यह प्रक्रिया काफी जटिल हो जाती है। दूसरे शब्दों में कहें तो अगर कोई संपत्ति एक बार वक्फ घोषित हो जाती है तो उसे वक्फ से लेना बहुत ज्यादा मुश्किल है। इसी वजह से कई विवाद सामने आए हैं। एक हालिया उदाहरण 2022 में तमिलनाडु का है जहां वक्फ बोर्ड ने हिंदुओं के एक पूरे गांव जिसका नाम थिरुचेंदुरई था, पर दावा ठोक दिया। इसके अलावा बेंगलुरु का ईदगाह मैदान विवाद भी चर्चा में रहा है। इस पर वक्फ बोर्ड 1950 से वक्फ संपत्ति होने का दावा कर रहा है। एक विवाद सूरत नगर निगम भवन का है, जिसके वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा रहा। इसके पीछे तर्क यह दिया जा रहा है कि इस जमीन को मुगल काल से ही सराय के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इस अधिनियम में संशोधन के पीछे सरकार का तर्क है कि वक्फ बोर्डों को असीमित स्वायत्तता है। नये संशोधनों का उद्देश्य वक्फ में पारदर्शिता लाना है।

बांग्लादेशी घुसपैठिए बन गए हैं झामुमो के वोटर, हेमंत सरकार कर रही तुष्टिकरण : अमर कुमार बाउरी

रांची, 12 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने सोमवार को राज्य सरकार पर फिर बड़ा निशाना साधा। श्री बाउरी ने आज कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों पर हेमंत सरकार कार्रवाई करने से डर रही। ये घुसपैठिए झामुमो के वोट बैंक बन चुके हैं। इसलिए राज्य सरकार इनका संरक्षक बनी हुई है। कहा कि घुसपैठिए आदिवासी दलित समाज के लोगो की संपत्ति पर कब्जा कर रहे। बहन बेटियों से शादी कर के जमीन पर कब्जा कर रहे। इतना ही नही हिंदू आबादी को अपना घर द्वार छोड़कर भागने को मजबूर कर रहे।

श्री बाउरी ने कहा कि संथाल परगना में तारानगर,गोपीनाथपुर, गाय बथान जैसे गांव में घुसपैठियों का साम्राज्य स्थापित हो चुका है। कहा कि घुसपैठिए राज्य को दीमक की तरह चाट रहे और राज्य सरकार मौन है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ उच्च न्यायालय ने घुसपैठियों के संबंध में चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए है फिर भी हेमंत सरकार इसकी लीपा पोती में लगी हुई है। कहा कि बाहर में राज्य सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ से इंकार करती है वही कोर्ट ने एफिडेविट कर स्वीकार भी करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही घुसपैठियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर ने 28000 करोड़ का बिजली कर्ज चुकाया सबसे सस्ती बिजली मिल रही : सिन्हा

श्रीनगर, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि प्रदेश प्रशासन भारी बिजली ऋण बिल का भुगतान करने में सक्षम रहा है तथा केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को अन्य राज्यों और प्रदेशों की तुलना में सस्ती बिजली मिलती रहेगी।श्री सिन्हा ने यहां डल झील के तट पर एसकेआईसीसी में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन को विरासत के रूप में 28000 करोड़ रुपये का भारी बिजली ऋण मिला था। उन्होंने कहा, हम इसे चुकाने में सक्षम रहे। मैं यह भी रिकॉर्ड में रखना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को सबसे सस्ती बिजली मिल रही है और पिछले तीन वर्षों में बिजली दर में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लोगों को उन सरकारी सेवाओं के लिए भुगतान करना होगा जिनका वे लाभ उठाते हैं। उन्होंने कहा, लोगों

को हमारे साथ सहयोग करना चाहिए और उपयोग की जाने वाली बिजली के लिए भुगतान करना चाहिए ताकि हम उनके लिए हर समय बिजली सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी रोकने के लिए मीटरिंग एक सफल कदम रहा है। संसद में पारित केंद्र शासित प्रदेश के बजट के बारे में बोलते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि आवंटन में वृद्धि जम्मू-कश्मीर के विकास के प्रति केंद्र की गंभीरता को दर्शाती है। गत 23 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में जम्मू-कश्मीर के लिए 1,18,390 रुपए का बजट पेश किया था। श्री सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन सभी क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम सभी क्षेत्रों को जबरदस्त बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, चाहे वह कृषि हो, बागवानी, बिजली या बुनियादी ढांचा आदि हो। एलजी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सफलतापूर्वक जेएंडके बैंक को भारी कर्ज से बाहर निकालना सुनिश्चित किया है और इसे प्रदेश का लाभ कमाने वाला वित्तीय संस्थान बना दिया है।

शरद पवार ने महाराष्ट्र के सीएम व केंद्र के पाले में डाली मराठा आरक्षण की गेंद

पुणे, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को महाराष्ट्र और केंद्र सरकार से मराठा आरक्षण के विवादास्पद मुद्दे को सुलझाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वह आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाने सहित इस संबंध में केंद्र सरकार की किसी भी पहल का समर्थन करेंगे। शरद पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मराठा आरक्षण विवाद को सुलझाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को खत्म करने के लिए काम करना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि न्यायपालिका ने देश में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण पर रोक लगा रखी है, लेकिन अगर कोई समस्या है तो सभी राजनीतिक दलों को एक साथ

आना चाहिए और केंद्र सरकार से इसे हटाने का आग्रह करना चाहिए। हम इस प्रयास का समर्थन करेंगे। एनसीपी (एसपी) सुप्रीमो का रुख इसके पहले पिछले सप्ताह महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी, शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी इस प्रकार की मांग की थी। तब उन्हें सत्तारूढ़ महायुति के सहयोगियों की आलोचना का सामना करना पड़ा था।

मराठा-ओबीसी आरक्षण के लिए जारी संघर्ष को शांत करने के लिए राज्य के सभी राजनीतिक दलों से मिलकर काम करने की अपील करते हुए, एनसीपी (एसपी) सुप्रीमो ने कहा कि सीएम को हड़ताली शिवबा संगठन के नेता मनोज जरांगे-पाटिल के साथ बैठक करनी चाहिए।

शरद पवार ने कहा कि ओबीसी नेताओं को भी सर्वदलीय बैठक में बुलाया जाना चाहिए। इसमें एमवीए भी शामिल होगा। इस सुझाव पर सीएम शिंदे ने सोमवार को कहा कि वे महाराष्ट्र में राजनीतिक उथल-पुथल मचाने वाले आरक्षण के मुद्दे पर शरद पवार से परामर्श कर रहे हैं।

शरद पवार ने चेतावनी देते हुए कहा, सभी दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में सामाजिक सौहार्द बना रहे। यह पूछे जाने पर कि क्या जरांगे-पाटिल को मराठा मुद्दे पर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए, इस पर शरद पवार ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को चुनाव लड़ने और वोट मांगने का अधिकार है।

गौरतलब है कि जरांगे पाटिल ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार वादे के मुताबिक आरक्षण व उनकी अन्य मांगों को पूरा करने में विफल रहती है, तो मराठा न केवल महायुति और एमवीए के उम्मीदवारों को हराने के लिए काम करेंगे, बल्कि वह राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे और सत्ता में आने का प्रयास करेंगे।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात 102 पुलिसकर्मी हटेंगे

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा में तैनात 102 पुलिसकर्मी हटाए जाएंगे। सुरक्षा मुख्यालय में एसपी (मुख्यमंत्री सुरक्षा) की ओर से चयनित 102 पुलिसकर्मियों को जल्द तैनात करने के लिए संबंधित शाखाओं से उनके सेवा विवरण तलब किए गए हैं। उनकी जगह पीएसी, कमिश्नरेट, जिलों, एसडीआरएफ और विशेष सुरक्षा बल में तैनात आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी को चयनित कर विशिष्ट महानुभावों की सुरक्षा में तैनात करने का निर्णय लिया गया है।

हटाए गए पुलिसकर्मियों में से अधिकतर फायरिंग टेस्ट में फेल हो गए थे। साथ ही कई अन्य वजहों से भी उन्हें हटाने का निर्णय हुआ है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के अलावा कई अन्य वीवीआईपी की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी भी जल्द हटाए जाने हैं। सुरक्षा मुख्यालय में एसपी (मुख्यमंत्री सुरक्षा) की ओर से चयनित 102 पुलिसकर्मियों को जल्द तैनात करने के लिए संबंधित शाखाओं से उनके सेवा विवरण तलब किए गए हैं।

सुरक्षा मुख्यालय की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप गठित कमेटी ने बीते दिनों वीवीआईपी सुरक्षा में बदलाव के लिए पीएसी समेत तमाम शाखाओं के मुख्य आरक्षियों एवं आरक्षियों द्वारा किए गये आवेदन के बाद उनका फिटनेस और फायरिंग टेस्ट लिया था। इसमें उत्तीर्ण होने के बाद उन्हें चयनित किया गया है। इससे पहले वीवीआईपी सुरक्षा में वर्षों से तैनात पुलिसकर्मियों को भी फायरिंग एवं फिटनेस टेस्ट के लिए बुलाया गया था। इसमें बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी फायरिंग टेस्ट में असफल हो गए थे। दोबारा परीक्षा देने के लिए बुलाने पर उन्होंने आने की जहमत तक नहीं की, ताकि वह अपनी वर्तमान तैनाती की जगह बरकरार रहे।

जिसके बाद सुरक्षा मुख्यालय ने सख्त रुख अपनाते हुए पीएसी, कमिश्नरेट, जिलों, एसडीआरएफ और विशेष सुरक्षा बल से 102 पुलिसकर्मियों को चयनित कर वीवीआईपी सुरक्षा में तैनात करने की कवायद शुरू कर दी है। वीवीआईपी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को 12,500 अतिरिक्त भत्ता मिलता है, जिसे हाल ही में बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया गया है। इसी वजह से वर्षों से वीवीआईपी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी हटना नहीं चाहते हैं। बीती 23 अप्रैल को पीलीभीत में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री की सुरक्षा में उनके पीछे खड़ा कमांडो अचानक बेहोश हो गया था। आनन-फानन उसे हटाकर दूसरे कमांडो को उसकी जगह तैनात करना पड़ा था। वहीं सुरक्षा मुख्यालय ने बीतें दिनों मुख्यमंत्री की सुरक्षा में 40 वर्ष से अधिक उम्र वाले पुलिसकर्मियों को तैनात नहीं करने का फैसला भी लिया था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा उप चुनाव

बड़ी लकीर खींचने में लगे हैं योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा उपचुनाव में अगड़े-पिछड़े में बंटे हिंदू समाज को साधने में जुटे हैं। जातीय खांचे में बंटे लोगों में हिंदू होने का भाव जगाकर बड़ी लकीर खींचने की रणनीति है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे पर विपक्ष की चुप्पी पर सवाल उठाया है।

विधानसभा उपचुनाव में अयोध्या की मिल्कीपुर और अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट की जिम्मेदारी लेने के सीएम योगी आदित्यनाथ के फैसले को भले ही सियासी कदम माना जा रहा हो, पर इसके मायने दूरगामी हैं। दोनों सीटों की चुनावी तैयारियों के दौरान योगी जिस तरह बांग्लादेश में 90 फीसदी दलित हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर सपा-कांग्रेस की चुप्पी पर निशाना साध रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि वे अगड़ा, पिछड़ा और दलित के जातीय खांचे में बंटे लोगों में सिर्फ हिंदू होने का भाव जगाकर बड़ी लकीर खींचने में भी जुटे हैं।

इस उपचुनाव के बहाने योगी जिस तरह प्रखर हिंदुत्व के एजेंडे को धार दे रहे हैं उसका असर उपचुनाव में ही नहीं, बल्कि 2027 के चुनाव में भी देखने को मिल सकता है। दरअसल, अयोध्या भाजपा के लिए प्रतिष्ठा और आस्था का बड़ा केंद्र रहा है। इसलिए पार्टी को यह उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर जातीय वोट बैंक नहीं, बल्कि हिंदू वोट बैंक के बल पर चुनाव जीत लेंगे, लेकिन परिणाम इसके उलट आया। इसकी वजह यह थी कि विपक्ष के संविधान में बदलाव और आरक्षण खत्म करने के दांव ने हिंदुओं को अगड़े-पिछड़े में बांट दिया।

इससे सबक लेते हुए पार्टी फिर अगड़े-पिछड़े में बंटे समाज को एक हिंदू वोट बैंक के तौर पर तैयार करने के प्रयास में जुटी है। इसकी जिम्मेदारी खुद सीएम योगी ने अपने कंधे पर ली है। मिल्कीपुर और कटेहरी सीट पर चुनाव प्रबंधन योगी के खुद संभालने के पीछे दो प्रमुख वजहें बताई जा रही हैं। एक तो यह कि वे लोकसभा चुनाव में हार के बाद से भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे को लेकर विपक्ष के सवालों का मुंहतोड़ जवाब दें सके। दूसरा यह कि रामनगरी की धरती से अगड़े-पिछड़े में बंटे हिंदू समाज को फिर एकजुट करने की मुहिम शुरू कर पूरे प्रदेश के दलित और पिछड़ों को विपक्ष की

कुटनीति के बारे में जागृत किया जा सके।

दोनों सीटों पर हाल में हुई सभाओं में सीएम ने जिस प्रकार भाजपा शासन में अयोध्या में हुए विकास और उससे मिली नई पहचान का जिक्र कर अयोध्यावासियों को इसे बचाए रखने के लिए प्रेरित किया, वहीं नकारात्मक शक्तियों (विपक्ष) पर यहां की जनता को दिखावटी सम्मान देने का आरोप लगाकर सचेत भी कर रहे हैं। सीएम के भाषणों के सियासी निहितार्थ निकाले जा रहे है। सीएम के भाषणों में सबसे ज्यादा फोकस बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर रहा है। इसमें वे सबसे अधिक जोर इस बात पर दे रहे हैं कि इस मुद्दे पर विपक्ष के लोग चुप्पी साधे हैं। योगी यह भी जता रहे हैं कि हम हारे या जीतें, लेकिन कोई हमें हमारे मूल्यों (हिंदुत्व) से भटका नहीं सकता है।

माना जा रहा है कि उपचुनाव में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा उठाकर योगी यह भी संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि सुरक्षित रहने के लिए अगड़े-पिछड़े में बंटना घातक हो सकता है। इसलिए योगी बार-बार बांग्लादेश में प्रताड़ित होने वाले हिंदुओं में 90 फीसदी दलित समाज की बात उठा रहे हैं। अपने भाषणों में सीएम अगड़े-पिछड़े में बंटे हिंदू समाज को यह भी समझाने का भी प्रयास कर रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर विपक्ष ने इसलिए चुप्पी साध रखी है, क्योंकि यहां पर हिंदू कोई वोट बैंक नहीं रह गया है। हिंदू जातीय खांचों में बंट गया है, इसलिए सपा-कांग्रेस जैसे दलों के नेता इनको आपस में लड़ाकर सिर्फ अपना हित साध रहे हैं। इन जातियों के हितों से उनका कोई लेना देना नहीं है।

नाबालिग से बलात्कार की कोशिश में एक और सपा नेता गिरफ्तार

कन्नौज, 12 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में नाबालिग लड़की से बलात्कार की कोशिश के आरोप में एक और समाजवादी पार्टी का नेता नवाब सिंह यादव पकड़ा गया है। आरोपी सपा प्रमुख अखिलेश यादव का बेहद करीबी बताया गया है। पीड़िता अपनी बुआ के साथ सपा नेता नवाब सिंह यादव के डिग्री कॉलेज में नौकरी मांगने गई थी। यहां पर नवाब सिंह यादव ने पीड़िता से छेड़छाड़ करते हुए उसके कपड़े तक उतरवा डाले। पीड़िता की बुआ ने फोन कर पुलिस को बुलाया। अखिलेश यादव के करीबी बताए जा रहे आरोपी नवाब सिंह यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

घटना कन्नौज के कोतवाली नगर की है। यहां के गांव अडंगापुर में समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव का चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय है। यहां नवाब सिंह ने पीड़िता के साथ बलात्कार करने की कोशिश की। पीड़िता ने विरोध किया तो मामले की जानकारी बाहर खड़ी उसकी बुआ को हो गई। उन्होंने फ़ौरन 112 पर कॉल कर के पुलिस बुला ली। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया। पुलिस आरोपी के साथ पीड़िता व उसकी बुआ को कोतवाली सदर ले गई। वहां पीड़िता द्वारा तहरीर ली गई जिस पर नवाब सिंह यादव के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया।

आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण के साथ काउंसिलिंग भी करवाई जा रही है। गिरफ्तार किया गया सपा नेता अखिलेश यादव का बेहद करीबी बताया जा रहा है। उसकी कई तस्वीरें अखिलेश और डिम्पल यादव के अलावा कई बड़े सपा नेताओं के साथ वायरल हो रहीं हैं। अपनी सफाई में नवाब सिंह यादव ने खुद पर लगे आरोपों को राजनैतिक साजिश करार दिया है। नवाब सिंह यादव की गिरफ्तारी की सूचना पाते ही उनके कई समर्थक थाने पर जुटने शुरू हो गए। इन समर्थकों में अधिकतर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता हैं। इन्होंने आरोपी के समर्थन में नारेबाजी भी की।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों अयोध्या में सपा नेता मोईद खान और उसके नौकर राजू खान ने निषाद समाज की नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार किया और वीडियो बना कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करता रहा। इससे लड़की गर्भवती हो गई।

बलात्कारी सपा नेता अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद का खास है। बलात्कारी मोईद खान की जिस बेकरी में ये करतूतें हुईं, उसे बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया गया है।

जमाते इस्लामी से जुड़ा है अयोध्या का बलात्कारी राजू खान

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में नाबालिग बच्ची से गैंगरेप करने वाले सपा नेता मोईद खान का गुर्गा और बलात्कार में शामिल राजू खान जमाते इस्लामी से जुड़ा बताया गया है। सपा नेता मोईद खान और उसका नौकर राजू खान दोनों अभी जेल में है। राजू खान की मां आयशा खान ने बताया है कि राजू खान जमाते इस्लामी का सदस्य है। रेप केस में जेल जाने से पहले जमाती राजू खान मौलानाओं के साथ 40 दिनों तक राजधानी दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में घूमा था।

राजू खान मूल रूप से उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले का रहने वाला है। उसका घर लहरपुर थाना क्षेत्र के गांव मूड़ीखेड़ा में है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने से पहले लहरपुर थानाक्षेत्र में मेरठ की तरह पुरानी गाड़ियों के पार्ट्स बेचे जाते थे। इसमें कई बार चोरी के भी वाहन मिल जाया करते थे। जिस मूड़ीखेड़ा गांव का राजू खान रहने वाला है वह मुस्लिम बहुल है। गांव में हिंदुओं के दलित, पिछड़े और सामान्य वर्ग के लोगों की बेहद कम तादाद है।

योगी सरकार की महत्वपूर्ण पहल

खेतों से सिल्ट हटाने के लिए दिए 32,55,872 रुपए

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के किसानों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने पहली बार बाढ़ की वजह से खेतों में जमी सिल्ट को हटाने के लिए किसानों को सहायता धनराशि देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने खेतों से सिल्ट हटाने के लिए किसानों को मुआवजा दिया है। सीएम योगी की इस पहल का किसानों ने स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की। बाढ़ प्रभावित लखीमपुर खीरी के 311 किसानों को सिल्ट हटाने के लिए 32 लाख से अधिक का मुजावआ भी दिया जा चुका है। इस पर लाभार्थियों ने सीएम योगी का आभार जताते हुए उन्हें अपना मसीहा बताया। वहीं, प्रदेश के बाढ़ प्रभावितों ने योगी सरकार के राहत कार्यों की जमकर तारीफ की।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि उत्तर प्रदेश आपदा की दृष्टि से काफी संवेदनशील है। यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भली-भांति जानते हैं और इसको लेकर काफी गंभीर भी हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में आपदा के न्यूनीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। साथ ही, वह आपदा प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए अलर्ट भी रहते हैं। उन्होंने पिछले साढ़े सात वर्षों में आपदा प्रभावितों की मदद के लिए कई प्राकृतिक घटनाओं को आपदा में शामिल किया। इसी के तहत उत्तर प्रदेश में पहली बार बाढ़ से खेतों में जमी सिल्ट को हटाने के लिए किसानों को मुआवजा दिया गया। आपदा गाइडलाइन के अनुसार बाढ़ से जिन किसानों के खेतों में रेत या गाद निक्षेप की मोटाई तीन सेंटीमीटर से अधिक होती है, उन्हें सिल्ट होने के लिए मुआवजा दिया जाता है। उक्त किसानों को 18 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर तथा न्यूनतम 2,200 रुपए प्रति किसान की दर से मुआजवा दिया जाता है। ऐसे में, सीएम योगी की मंशा के अनुरुप प्रदेश में पहली बार इस वित्तीय वर्ष में लखीमपुर खीरी के किसानों को खेतों से सिल्ट हटाने के लिए मुआवजा दिया गया है। राहत आयुक्त ने बताया कि लखीमपुर खीरी की डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल ने पहली बार किसानों को सिल्ट हटाने का मुआ-वजा देने की पहल कर प्रदेश के अन्य जिलाधिकारियों के लिए मिसाल पेश की है।

लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल ने बताया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार जिले के 311 किसानों को खेतों से सिल्ट हटाने के लिए 32, 55, 872 रुपए की धनराशि वितरित की गई है। इसमें, लखीमपुर तहसील के 105 किसानों को 36.7841 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 6,75,941 रुपए की धनराशि वितरित की गई। इसी तरह, निघासन तहसील के 42 किसानों को 25.8283 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 4,72,407 रुपए तथा धौरहरा तहसील के 39 किसानों को 34.1252 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 6,11,060 रुपए जारी किये गये हैं। वहीं, गोला तहसील के 81 किसानों को 49.3897 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 9,06,691 रुपए तथा पलिया तहसील के 44 किसानों को 32.7652 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 5,89,773 रुपए सहायता धनराशि के रूप में दिये गये।

स्वास्थ्य सबका अधिकार, यह केवल नारा नहीं संकल्प है : योगी

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। स्वास्थ्य हर किसी का अधिकार है। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए सिर्फ नारा नहीं, संकल्प है। इस संकल्प को वह एक बार नहीं, न जाने कितनी बार दोहरा चुके हैं। मुख्यमंत्री रहते हुए भी और उसके पूर्व बतौर सांसद भी। इस संबंध में वे सरकार की सीमाओं से भी वाकिफ हैं। इसलिए, शुरू से उनका जोर रहा है कि इस क्षेत्र में निजी लोगों, धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं को भी अच्छे इरादे और जरूरतमंदों के सेवा भाव से प्रभावी भूमिका निभानी चाहिए।

इसके लिए वे लगातार प्रयासरत भी हैं। निजी रूप से भी और सरकार के मुखिया के रूप में भी। आरोग्य मेले इसमें प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। बतौर सांसद, गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी और पीठाधीश्वर के रूप में पीठ से जुड़े गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय द्वारा आयोजित ऐसे स्वास्थ्य मेलों के आयोजन से उनको इसका असर भी पता है।

सरकार ने प्रदेश में 3388 प्राथमिक स्वास्थ्य केंदों पर 1 लाख 72 हजार आरोग्य मेलों के आयोजन की घोषणा की है। इन मेलों से करोड़ों लोगों को लाभ होगा। बुनियादी जांचों से उनको अपने रोग का पता चल जाएगा। रोग गंभीर हुआ तो वह पास के रेफरल केंद्र पर इलाज के लिए जा सकते हैं।

मरीज का समय और संसाधन बचे, इसके लिए योगी सरकार ने पहले से मौजूद जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाया है। सरकार की एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज की धारणा भी इन्हीं प्रयासों की कड़ी है। पैसे के बिना किसी का इलाज न रुके, इसके लिए 5.11 करोड़ लोगों के आयुष्मान कार्ड बने हैं। घर बैठे लोगों को एक्सपर्ट चिकित्सकों की सलाह मिल सके, इसके लिए सरकार ई संजवानी योजना के जरिये टेली मेडिसिन सेवा का लगातार विस्तार कर रही है। उपलब्ध अद्यतन आंकड़ों के अनुसार अब तक दो करोड़ से अधिक लोग इस सेवा का लाभ ले चुके हैं। यही नहीं गंभीर रोगों के इलाज के लिए भी योगी सरकार बेहद उदारता से मदद करती है। अपने हर जनता दरबार में मुख्यमंत्री अधिकारियों को इस बाबत निर्देश भी देते हैं। अब तक मुख्यमंत्री सहायता कोष से 1 लाख 88 हजार लोग लाभान्वित कराए जा चुके हैं। यह सिलसिला लगातार जारी है।

सरकार की मंशा प्रति व्यक्ति चिकित्सकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टॉफ बढ़ाकर प्रदेश की चिकित्सा को और बेहतर बनाने की है। इसीलिए मौजूदा मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, एमडी, एमएस और अन्य स्पेशलाइज उच्च पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाई जा रही है। इस क्रम में मौजूदा समय में प्रदेश में सरकारी और निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की क्रमशः 4550 और 5600 सीटें उपलब्ध हैं। इसके अलावा पीपीपी मोड की एमबीबीएस की सीटों की संख्या 350 है। नए मेडिकल कॉलेजों के बनने और इनको मान्यता मिलने पर इन सीटों की संख्या और बढ़ जाएगी। इसी तरह एमडी, एमएस और डिप्लोमा सीटों की संख्या 900 से बढ़कर 1543 हो गईं। निजी सेक्टर में 1775 सीटें इसके अलावा हैं। चिकित्सक द्वारा इलाज के बाद सर्वाधिक अहम होती है मरीजों को मिलने वाली नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधाएं। हर मरीज को गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधाएं मिलें, इसके लिए सात साल में योगी सरकार नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ की सीटों में क्रमशः 7000 और 2000 सीटों की वृद्धि कर चुकी है।

जगह-जगह स्थापित हेल्थ एटीएम भी चंद मिनट में लोगों को उनके स्वास्थ्य संबंधी कई जरूरी पैरामीटर बताकर उनको उनके स्वास्थ्य के बारे में जागरूक कर रहे हैं। सरकार की मंशा हर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर हेल्थ एटीएम स्थापित करने की है। हर जिले में डायलिसिस की सुविधा, करीब 23000 आरोग्य मंदिरों की स्थापना, मिशन निरामया के तहत 300 संस्थाओं में नर्सिंग और पैरामेडिकल के पाठ्यक्रम शुरू करना भी स्वास्थ्य हर किसी का अधिकार नारे को चरितार्थ करने की ही कड़ी है। सिर्फ इलाज ही नहीं, लोग निरोग रहें इसके लिए भी योगी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। पौधर-ोपण में पोषण तत्वों का पावर हाउस कहे जाने वाले सहजन पर जोर, किचन गार्डन में आरोग्य वाटिका लगाने को प्रोत्साहित करना, जैविक और प्राकृतिक खेती, मोटे पर पोषक तत्वों से भरपूर मोटे अनाजों (मिलेट्स) की खेती का प्रोत्साहन भी लोगों को निरोग रखने के प्रयासों का हिस्सा है।

संपादकीय

ब्रिटेन में उग्र दक्षिणपंथ

ब्रिटेन में दक्षिणपंथी हिंसा की लहर के बीच आप्रवासियों व मुस्लिमों को निशाना बनाया जाना बेहद चिंता का विषय है। सोशल मीडिया के जरिये भ्रामक प्रचार से समूह विशेष पर हमले ब्रिटिश समाज में विकट होती स्थिति को दर्शाता है। दरअसल, गत 29 जुलाई को साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट की थीम डांस पार्टी में तीन बच्चियों की नृशंस हत्या के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में दंगे भड़क उठे। इस घटना में दो वयस्कों के साथ कई अन्य बच्चे भी घायल हुए थे। इसके बाद पूरे ब्रिटेन में दक्षिणपंथी आंदोलनकारियों ने इस घटना का इस्तेमाल नफरत को बढ़ावा देने और अराजकता भड़काने में किया। कालांतर में हिंसा महज विरोध प्रदर्शनों तक ही सीमित नहीं रही। दुकानें लूट ली गईं, कारों को आग लगा दी गईं, मस्जिदों और एशियाई स्वामित्व वाले व्यवसायों को निशाना बनाया गया। यह चिंताजनक स्थिति ब्रिटिश समाज में पैर पसारती मानसिक रुग्णता को ही दर्शाती है। दरअसल, ब्रिटिश समाज में आप्रवासियों के प्रति धुर दक्षिणपंथियों की कटुता छिटपुट घटनाओं की प्रतिक्रिया के रूप में ही नजर नहीं आती, बल्कि ये घटनाक्रम ब्रिटिश समाज में व्यापक सामाजिक चिंताओं और राजनीतिक विफलताओं का भी परिचायक है। दरअसल, कई दक्षिणपंथी राजनेताओं ने आप्रवासन और सांस्कृतिक एकीकरण के बारे में गलत धारणाओं को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिये समर्थन जुटाने के लिये खतरनाक ढंग से गलत सूचनाएं फैलायीं। कहा गया कि हमलावर एक आप्रवासी मुस्लिम था। हालांकि प्रधानमंत्री स्टार्मर ने दंगों को सुनियोजित साजिश बताते हुए घटनाओं की निंदा की है, लेकिन अभी ब्रिटिश समाज में सामाजिक समरसता बनाये रखने के लिए बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर एक सप्ताह में हिंसक गतिविधियों में शामिल करीब चार सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। दंगइयों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे पुलिस से संघर्ष करते नजर आ रहे थे। साथ ही सार्वजनिक संपत्ति और आप्रवासियों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे थे। दरअसल, हाल के दिनों में देखने में आया है कि कई देशों में हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये ऑनलाइन सूचनाओं को गलत ढंग से प्रसारित व प्रचारित किया गया। वास्तव में भ्रामक सूचनाओं के तंत्र पर अंकुश लगाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की जरूरत है। देखने में आया है कि सुनियोजित ढंग से प्रचारित सूचनाएं लोगों को कट्टरपंथी बनाने और हिंसा को भड़काने के लिये प्रयोग की जाती हैं। सोशल मीडिया को एक हथियार की तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल, ब्रिटिश सरकार को अंतर्निहित उन सामाजिक व आर्थिक मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है जिसके जरिये दक्षिणपंथी स्थानीय लोगों का भावनात्मक दोहन करते हैं। मसलन बेरोजगारी और अपर्याप्त सामाजिक सेवाओं की समस्या को दूर करना चाहिए, जिसके बहाने आप्रवासियों के प्रति नफरत फैलाने का काम किया जाता है। निश्चित रूप से ऐसे भय के माहौल में सहिष्णुता और एकता के मूल्यों को बनाये रखने की सख्त जरूरत है। भविष्य में प्रवासियों के खिलाफ ऐसी हिंसा दोबारा न पनपे ब्रिटिश सरकार को अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा और समावेशन को सुनिश्चित करना चाहिए। अब चाहे वे किसी भी देश से आए हों। मीडिया और राजनीतिक नेताओं से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए। उन्हें नफरत फैलाने वाली भड़काऊ बयानबाजी से बचना चाहिए। ब्रिटेन में डेढ़ दशक बाद व्यापक रूप से पनपे दंगों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, इस दौरान दक्षिणपंथियों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने पुलिस को भी निशाना बनाने से परहेज नहीं किया।

सोशल मीडिया के जरिये भ्रामक प्रचार से समूह विशेष पर हमले ब्रिटिश समाज में विकट होती स्थिति को दर्शाता है। दरअसल, गत 29 जुलाई को साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट की थीम डांस पार्टी में तीन बच्चियों की नृशंस हत्या के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में दंगे भड़क उठे। इस घटना में दो वयस्कों के साथ कई अन्य बच्चे भी घायल हुए थे। इसके बाद पूरे ब्रिटेन में दक्षिणपंथी आंदोलनकारियों ने इस घटना का इस्तेमाल नफरत को बढ़ावा देने और अराजकता भड़काने में किया। कालांतर में हिंसा महज विरोध प्रदर्शनों तक ही सीमित नहीं रही। दुकानें लूट ली गईं, कारों को आग लगा दी गईं, मस्जिदों और एशियाई स्वामित्व वाले व्यवसायों को निशाना बनाया गया। यह चिंताजनक स्थिति ब्रिटिश समाज में पैर पसारती मानसिक रुग्णता को ही दर्शाती है। दरअसल, ब्रिटिश समाज में आप्रवासियों के प्रति धुर दक्षिणपंथियों की कटुता छिटपुट घटनाओं की प्रतिक्रिया के रूप में ही नजर नहीं आती, बल्कि ये घटनाक्रम ब्रिटिश समाज में व्यापक सामाजिक चिंताओं और राजनीतिक विफलताओं का भी परिचायक है।

बांग्लादेश की अराजकता में अमेरिका की संदेहास्पद भूमिका

हिंदुओं पर हिंसा के प्रति राजनीतिक दलों का रवैया संवेदनहीन

चिंताजनक स्थितियों से गुजर रहा भारतवर्ष

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

अगर इतिहास के पन्नों पर नजर डालें तो विश्व में इस्लाम का प्रसार और हिंसा दोनों एक दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। भारत के विश्व विख्यात नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय के विध्वंस में भी यही इस्लामी हिंसा रही है। भारत में मोहम्मद-बिन-कासिम से लेकर मुगल शासन तक अनेक हमलावरों और मुस्लिम शासकों ने तलवार की नोक पर ही धर्मांतरण किया। आज भारतीय उपमहाद्वीप के मुसलमान उन्हीं हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन और पीड़ित मुसलमानों के वंशज हैं, जो अपने अतीत को भुलाकर, उन आक्रांताओं के पद चिह्नों पर चल रहे हैं, जिन्होंने किसी युग विशेष में उनके पूर्वजों को बलपूर्वक इस्लाम ग्रहण करने के लिए विवश किया।

मुगल शासन की समाप्ति के बाद भी भारत में यह हिंसा भारत के अलग-अलग भागों में दंगों के रूप में सिर उठाती रही है। कश्मीर जहां हिंदू अल्पसंख्यक थे और मुस्लिम बहुसंख्यक, वहां जो कुछ हुआ, वह नृशंसता की दास्तानहै। जब भारत के इतिहास में पहली बार एक मुस्लिम मुफ्ती मोहम्मद सईद भारत के गृहमंत्री बने और राज्य की बागडोर एक मुस्लिम मुख्यमंत्री के हाथ में थी तो तलवार की नोक पर भारी हिंसा के माध्यम से कश्मीर की घाटी को हिंदुओं से खाली कर दिया गया।

यह मजहबी हिंसा केवल भारतीय उपमहाद्वीप तक सीमित नहीं है। अब इसका प्रसार अमेरिका और यूरोप सहित उन नाटो देशों में भी हो चुका है, जो कल तक हमारे देश में विदेशी धरती से होने वाले इस्लामी आतंकवाद को नजरअंदाज करते थे। यही नहीं बल्कि अपने राजनीतिक हित साधने के लिए भारत में पाकिस्तान से होने वाले आतंकवाद और बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ को भी स्वीकार नहीं करते थे। राजनीतिक हित साधने के लिए जो कल तक इस बात को नकारते थे आज उसी के शिकार होकर खून के आंसू रो रहे हैं। अमेरिका वही देश है जिसने शीतयुद्ध के दौरान सोवियत संघ को पटकनी देने के लिए पाकिस्तान को पैसा और तमाम तरह के हथियार देकर अफगानिस्तान में तालिबान को खड़ा किया। आगे चलकर उन्हीं आतंकी तत्वों नै ट्विन टावरों पर 9/11 का हमला किया था। आज भी अमेरिका में बसे इस्लामिक कट्टरवादी आए दिन मुसीबतें खड़ी करते रहते हैं। हाल ही में फिलीस्तीन और हमास के समर्थन में वहां बड़े प्रदर्शन भी हुए। फ्रांस, बेल्जियम आदि देश में हिंसा का तांडव होने के बाद अब लंदन में भी अंग्रेज इससे जूझ रहे हैं। लेकिन जो बाइडेन अभी भी अपनी फितरत से बाज नहीं आ रहे।

अमेरिका की इच्छा और प्रतिबंधों के विरुद्ध जाकर भारत ने रूस से न केवल सस्ता कच्चा तेल खरीदा बल्कि अत्याधुनिक मिसाइल सुरक्षा प्रणाली भी खरीदी। इसके बाद भारत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रस की यात्रा पर भी गए। अपने को दुनिया का दादा समझने वाला अमेरिका इसे पचा नहीं सका और उसने एक बार फिर आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान की आईएमएफ कै माध्यम से मदद करवाई और खुद भी मदद की। इसके पीछे पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकियों का परोक्ष समर्थन भी दिखाई देता है।

अब यह किसी से छिपा नहीं कि अभी बांग्लादेश में जो कुछ घटित हुआ, उसका सूत्रधार अमेरिका ही है। बांग्लादेश की पदच्युत प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ही बिना नाम लिए इस बात का खुलासा किया था कि एक गौर ने बांग्लादेश पर निष्कंटक राज करने के लिए एक ईसाई राष्ट्र बनाने हेतु उनसे द्वीप की मांग की थी और नकारे जाने पर जो हुआ उसकी धमकी भी दी थी। इसके पहले ही ऐसा कुछ पाकिस्तान में भी हुआ था, जब अमेरिका की मांग नकारने पर इमरान खान को न केवल सत्ता से हटवाया गया बल्कि जेल में भी डलवा दिया गया था।

2023 में, जब दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा नियुक्त अमेरिका के सहायक सचिव डोनाल्ड लू ने बांग्लादेश का दौरा किया और कई प्रमुख लोगों से मुलाकात की थी तभी रूस ने यह बता दिया था कि बांग्लादेश में चुनाव के बाद अमेरिका वहां तख्ता पलट करवाएगा। निश्चित तौर पर अमेरिका वहां अपने सैन्य अड्डे भी बना कर दक्षिण एशिया में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है ताकि वह दक्षिण एशिया में अपनी सैनिक स्थिति को मजबूत कर सके।

अगर किसी को यह लगता है कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, वह कोई स्वाभाविक छात्र आंदोलन था तो वह निश्चित रूप से गलतफहमी में है। वहां जो कुछ हुआ वह अमेरिका का किया धरा तो था ही, उसमें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का बड़ा सहयोग था, और उसने बांग्लादेश की पाकिस्तान समर्थक पार्टी जमात-ए-इस्लामी और अन्य कट्टरवादी तत्वों की मदद से इसे अंजाम दिया। यहां यह बताना भी उचित होगा कि 1971 में भी जब बांग्लादेश अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रहा था जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान के साथ थी। बांग्लादेश का यह इतिहास रहा है कि जब भी वहां तख्ता पलट होता है, वहां के मुस्लिम कट्टरवादी बिना किसी कारण वहां के हिंदुओं को निशाना बनाते हैं। इस बार भी वही हुआ। पाकिस्तान और उसके समर्थक कट्टरवादी तत्वों ने खुलकर वहां हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा का नंगा नाच किया।

जब किसी देश में इस प्रकार की हिंसा फैलती है तो आम तौर पर सेना फ्लैग मार्च करती है और हिंसा को नियंत्रित करती है। लेकिन यहां सेना हिंसा की मूकदर्शक बनी रही। निश्चित रूप से वहां की सेना और कट्टर वादी इस बहाने अपने जिहाद और काफिरों को मिटाने के सपने को साकार करते रहे। वहां हिंसा की नृशंस घटनाएं इसलिए भी और अधिक गहन हो जाती हैं कि यह वही बांग्लादेश है जो भारत की सेना के बूते पर ही विश्व के मानचित्र पर अस्तित्व में आया था। जब-जब बांग्लादेश पर विपत्ति आई, उसके साथ भारत ही मजबूती से खड़ा रहा है। यह वही बांग्लादेश है जो भारत के बंगाल से कट कर बना है, जो भारत विभाजन के समय पूर्वी बंगाल था। और सबसे बड़ी बात यह है कि बांग्लादेश का राष्ट्रगान लिखने वाले गुरुवार रवींद्रनाथ टैगोर भी एक हिंदू ही थे। लेकिन इस्लामी जिहादियों ने गुरुवार रविंद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा को भी धराशायी कर दिया। उन्होंने बांग्लादेश के संस्थापक और अपने प्रथम प्रधानमंत्री शेख जियाउर्रहमान की प्रतिमा पर न केवल पेशाब किया बल्कि उसे धराशाई भी कर दिया। कट्टरता की ज़हालत और दर्दनाक हिंसा को समझा जा सकता है। और यह केवल बांग्लादेश की बात नहीं दुनिया में हर जगह इस्लामिक कट्टरता कमोबेश ऐसा ही करती है।

उधर अमेरिका की क्रूर मक्कारी को भी देखिए। जिस समय बांग्लादेश में चारों तरफ हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा का तांडव हो रहा और वहां की सेना इसे मौन समर्थन दे रही थी, तब अमेरिका वहां की सेना के धैर्य की प्रशंसा कर रहा था। इसे यह क्यों न समझा जाए कि अमेरिका बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या को परोक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। जो बाइडेन के शासनकाल में अमेरिका द्वारा विश्व भर में जो कुछ किया गया, उसे न केवल अमेरिका की प्रतिष्ठा गिरी है बल्कि अमेरिका के हितों को भी नुकसान पहुंचा है। जो बाइडेन की नीतियों का ही परिणाम है कि शक्ति संतुलन बनाने के लिए अब अमेरिका के विरुद्ध रूस, चीन, ईरान आदि सहित अनेक इस्लामिक देश भी अमेरिका के खिलाफ गत बनकर खड़े हो गए हैं। इस इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता की अमेरिका सहित नाटो देशों के समर्थन से यूक्रेन के साथ चल रही लड़ाई के बावजूद भी अभी तक रूस का कोई विशेष नुकसान नहीं हुआ है। निश्चय ही जो बिडेन की इन नीतियों के कारण अमेरिका की जनता भी खुश नहीं है।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण देकर भारत ने अपनी मित्रता निभाकर विश्व में अपनी साख बढ़ाई है। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि शेख हसीना को भारत में बांग्लादेशी सेना के हेलीकॉप्टर से भेजा जाना, यह भी दर्शाता है कि उसे बांग्लादेश की सेना ने ही सुरक्षित भारत में भेजा है, जिसे वर्तमान में बांग्लादेश पर नियंत्रण है। इसके विपरीत अनेक तानाशाहों और अपराधियों की शरण-स्थली बनाते रहे अमेरिका और ब्रिटेन जैसै देशों ने शेख हसीना को अपने देश में शरण देने से साफ इनकार कर दिया,जबकि शेख हसीना बांग्लादेश की चुनी हुई प्रधानमंत्री थीं। यहां भी अमेरिका और यूरोप के देशों का दोगलापन साफ दिखाई देता है।

बांग्लादेश की हिंसा की घटनाओं पर अब भारत की बात भी कर ली जाए। बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध हो रही हिंसा की दर्दनाक घटनाओं को लेकर भारत की ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के हिंदू आक्रोशित हैं। लेकिन भारत सरकार कह रही है की बात किस करें वहां तो कोई सरकार है ही नहीं। लेकिन यह कहना, कहीं न कहीं हिंदुओं की रक्षा के अपने दायित्व से पल्ला झाड़ने वाली बात है। सरकार का कहना कि वह बांग्लादेश को कड़ा संदेश दे रही है, लेकिन जमीन पर ऐसा कुछ दिखाई नहीं दिया। इससे हिंदू जनमानस मैं गुस्सा है।

यही नहीं भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल आदि सहित वे सभी संगठन जो हिंदुओं के हितेषी माने जाते हैं, उनकी तरफ से कहीं प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन तक न होना, कहीं से कोई कड़ा रुख न अपनाना, इससे भी हिंदू जनमानस में रोष उत्पन्न हुआ। केवल निंदा करना तो वही बात है जैसे कि कांग्रेस के शासनकाल में पाकिस्तान के आतंकी हमलों पर तत्कालीन भारत सरकार निंदा करके चुप बैठ जाती थी। स्पष्ट रूप से भारत की जनता और भारत का हिंदू जनमानस ऐसे सभी मामलों पर कड़ा रुख अपनाने और यथासंभव कड़ी कार्रवाई का पक्षधर रहा है। निंदा के वक्तव्य से उसके रोष को दूर नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के दलों की प्रतिक्रिया तो ऐसी है जैसे कि वे सभी दल बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं, बलात्कार, लूट और आगजनी पर ख़ुशी मना रहे हों और भारत के हिंदुओं को भी ऐसा होने की चेतावनी दे रहे हों। यह कोई बहुत पुरानी बात नहीं हुई, जब गाजा के आतंकी संगठन हमास के आतंकियों ने इज़राइल में अपना त्यौहार मना रहे यहूदियों पर घात लगाकर हमला किया और 1200 लोगों की हत्या कर दी तथा ढाई सौ लोगों को बंधक बना लिया था। उस समय पूरा इस्लामी जगत जश्न मना रहा था। भारत के विपक्षी दल भी मौन समर्थन की मुद्रा में थे। लेकिन जब इज़राइल ने पलट वार किया तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी सहित विपक्षी दलों के अनेक नेताओं ने फिलिस्तीन मुसलमानो के पक्ष आंसू बहाए और ट्वीट किए। लेकिन भारत का ही हिस्सा रहे बांग्लादेश में वे हिंदू, जो बंटवारे के समय भारत न लौट सके, उनके विरुद्ध हो रही ऐसी दर्दनाक हिंसा पर ये सभी मौन साध कर बैठे हैं। यही नहीं पूर्व विदेश राज्य मंत्री सलमान खुर्शीद सहित अनेक नेता भारत में भी ऐसे ही हालात और ऐसी ही हिंसा की पुनरावृत्ति की बातें कर रहे हैं। इनका रवैया से तो ऐसा है जैसे कि ये तमाम दल भारत के बहुसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध और इंसाफ कर रहे मुसलमानों के पक्ष में खड़े हैं।

इस प्रकार यदि देखें तो बांग्लादेश में ही नहीं भारत में भी हिंदुओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा के प्रति भारत सरकार और भारत के राजनीतिक दलों, हिंदू संगठनों और विपक्ष का व्यवहार अत्यधिक निराश करने वाला है। इससे हिंदुओं को यह भी संदेश जा रहा है कि देश-दुनिया में उनके साथ कोई नहीं है। अगर अपने अस्तित्व की रक्षा करनी है तो उसके लिए खुद ही कोई रणनीति बनानी होगी। यह स्थिति अत्यधिक चिंताजनक व शोचनीय है।

कुछ अलग

बहरा करता ये शोर

आजकल जिसे देखो ब्लूटूथ ईयरफोन लगाए दिखता है। मॉर्निंग वॉक हो, जिम में एक्सरसाइज़ के वक्त, पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करते या फिर दफ्तर का कोई काम करते हुए लोगों के कान में ये दो छोटे पीस लगे रहते हैं। इन्हें लगाए कोई संगीत में डूबा रहता है तो कोई किसी से बात कर रहा होता है। अब ये आज की ज़रूरत बन गया है या बुरी लत, पता नहीं, लेकिन जिस तरह से लोग इसे हर वक्त लगाए रहते हैं, वह उनके कानों के लिए तो बिलकुल ठीक नहीं। इसके साइड इफेक्ट्स को लेकर आ रहीं तमाम खबरें भी यही कह रही हैं। और बेहतर समझना है तो मशहूर प्लेबैक सिंगर अलका याज्ञनिक का केस देख सकते हैं, जिन्हें हाल ही में एक रेयर न्यूरो डिज़ीज़ से ग्रस्त होने का पता चला।

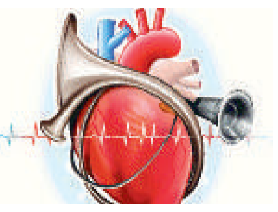

सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए अलका ने बताया कि उनकी सुनने की क्षमता प्रभावित हो गई है। उन्होंने लिखा, "कुछ दिनों पहले विमान से उतरते हुए महसूस हुआ कि मुझे कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा है। डॉक्टरों ने सेंसरीन्यूरल हियरिंग लॉस डायग्नोज़ किया। मैं शॉक्ड रह गई और संभलने में कुछ वक्त लगा लेकिन अब अपने फैंस और शुभचिंतकों से यही कहना चाहती हूं कि तेज़ आवाज़ में संगीत बिलकुल न सुनें और हेडफोन्स से दूर रहें।" अलका की यह बीमारी चौतरफा शोर से घिरे हर व्यक्ति के लिए खतरे की घंटी है। डॉक्टरों के मुताबिक, कान के अंदरूनी हिस्से में चोट लगने से मस्तिष्क से संचार में दिक्कत आने लगती है। इससे धीरे-धीरे सुनाई देना बंद होता जाता है और कई मामलों में किसी भी दवा या सर्जरी से यह बीमारी दूर नहीं हो पाती। लगातार तेज़ आवाज़ में कुछ सुनने या विस्फोट की वजह से भी यह समस्या आ सकती है। चिंता की बात है कि ऐसे मरीज़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हर महीने करीब डेढ़ सौ मरीज़ कम सुनाई देने की परेशानी लेकर पहुंच रहे हैं। कुछ दिनों पहले, उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने चेताया भी था कि दो घंटे से अधिक ईयरफोन का इस्तेमाल करने से सुनने की क्षमता कम हो सकती है। अमूमन, 75 डेसिबल तक की आवाज़ सुरक्षित मानी जाती है, लेकिन 50 डेसिबल से तेज़ आवाज़ में ईयरफोन से लगातार कुछ सुन रहे हैं तो बहरेपन का खतरा चार गुना बढ़ जाता है। दरअसल, हमारी ज़िंदगी में शोर कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। शादी ब्याह के मौके पर या किसी भी सार्वजनिक व धार्मिक कार्यक्रम के दौरान बड़े-बड़े लाउडस्पीकर्स पर अत्यधिक तेज़ आवाज में संगीत बजाना आम हो चुका है। यह कितना घातक हो सकता है, इसे पिछले संडे मध्य प्रदेश के सागर ज़िले में हुई दर्दनाक घटना से समझा जा सकता है। यहां दीवार गिरने से उसमें दबकर नौ बच्चों की मौत हो गई थी। जांच में सामने आया कि लाउडस्पीकर के तेज़ शोर की वजह से यह जर्जर दीवार ढह गई। चार महीने पहले उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में भी ऐसा ही हुआ था, जहां शादी समारोह में बज रहे तेज़ डीजे के कारण कच्ची दीवार ढहने से दो युवकों की मौत हो गई थी। जब दीवार यह शोर बर्दाश्त नहीं कर पा रही तो हमारे शरीर पर क्या असर होता होगा। कोविड महामारी के बाद से कई ऐसे विडियो वायरल हुए हैं, जिनमें शोर-शराबे वाले संगीत पर नाचते हुए लोग अचानक गिरे और फिर उठ ही नहीं पाए। साफ है कि यह शोर हमारे कान ही नहीं, दिल की धड़कनों के लिए भी खतरा बन चुका है।

देश दुनिया से

हिंदुओं पर अत्याचार और विपक्ष की चुप्पी

भारत के विपक्षी दलों की खामोशी बताती है कि वोट बैंक की राजनीति किस हद तक हावी है। यदि ऐसे ही हमले भारत या किसी पड़ोसी देश में मुसलमानों पर हुए होते तो विपक्षी दल आसमान सिर पर उठा लेते। इजराइल के हमास आतंकियों के खिलाफ हमले में मारे गए मुसलमानों के मामले में कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी नेताओं के दिए गए बयान इसका प्रमाण है। उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड सरकार द्वारा कांवडियों के रास्ते में दुकानदारों से नामों के खुलासों के निर्देश पर विपक्षी दलों ने लोकतंत्र को खतरे में बताया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर भारत के विपक्षी दलों की खामोशी बताती है कि वोट बैंक की राजनीति किस हद तक हावी है। यदि ऐसे ही हमले भारत या किसी पड़ोसी देश में मुसलमानों पर हुए होते तो विपक्षी दल आसमान सिर पर उठा लेते। इजराइल के हमास आतंकियों के खिलाफ हमले में मारे गए मुसलमानों के मामले में कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी नेताओं के दिए गए बयान इसका प्रमाण हैं। उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड सरकार द्वारा कांवडियों के रास्ते में दुकानदारों से नामों के खुलासों के निर्देश पर विपक्षी दलों ने लोकतंत्र को खतरे में बताया था। विपक्षी दलों का कहना था कि इससे अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है। इधर जब मुसलमान बांग्लादेश में हिंदुओं के घर-मंदिर और व्यावसायिक प्रतिष्ठान जला रहे हैं, तब विपक्षी दलों को खास चिंता नहीं है। लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों की हार की एक प्रमुख वजह यही दोमुंही नीति भी रही है। बांग्लादेश में 1 करोड़ 31 लाख के करीब हिंदू हैं। उनके घरों और दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। अराजक तत्व हिंदू मंदिरों को भी निशाना बनाने से नहीं चूके। वैसे तो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले कोई नई बात नहीं है। पहले भी हिंदुओं को यहां निशाना बनाया जाता रहा है। बांग्लादेश में जारी अनिश्चितता और अराजकता के माहौल के बीच वहां के करीब 27 राज्यों में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जा रहा है। मुस्लिम कट्टरपंथियों की भीड़ ने करीब 27 जिलों में हिंदुओं के घरों के साथ ही उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इतना ही नहीं, अराजक तत्व उनका कीमती सामान भी लूट ले गए। वहां पर मंदिरों और गुरुद्वारों में तोडफ़ोड़ की जा रही है। शेख हसीना के सत्ता और देश छोडने के बाद से वहां हालात बदतर हो गए हैं। बांग्लादेश के कट्टरपंथी हिंदुओं की संपत्तियों को चुन-चुन कर नुकसान पहुंचा रहे हैं। मंदिर हो या गुरुद्वारा, किसी को भी बख्शा नहीं जा रहा है। बांग्लादेश के पंचगढ़, दिनाजपुर, बोगुरा, रंगपुर, शेरपुर, किशोरगंज, सिराजगंज, मुगरा, नरैल, पश्चिम जशोर, पटुआखली, दक्षिण-पश्चिम खुलना, मध्य नरसिंगड़ी, सतखीरा, तंगैलएफेनी, चटगांव, उत्तर-पश्चिम लक्खीपुर और हबीगंज जैसी जगहों पर कट्टरपंथियों का आतंक जारी है। वे यहां रहने वाले हिंदुओं पर न सिर्फ हमले कर रहे हैं, बल्कि उनकी संपत्तियों को भी लूट कर ले जा रहे हैं। उग्र भीड़ ने पंचगढ़ जिले में 22, झीनैदाह में 20 घरों और जैसोर में 22 दुकानों को निशाना बनाया। कट्टरपंथियों ने ढाका में हिंदू म्यूजिशियन राहुल आनंद के घर में न सिर्फ लूटपाट की, बल्कि वहां आग भी लगा दी। राहुल आनंद, उनकी पत्नी और उनका बेटा वहां से सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे, लेकिन हमलावरों ने उसके घर में जमकर लूटपाट की। भीड़ उनके घर से महंगी चीजें चुरा कर ले गई, जिसमें राहुल का 3000 से ज्यादा हस्तनिर्मित संगीत वाद्ययंत्रों का बड़ा कलेक्शन भी शामिल था। खुलना डिविजन स्थित मेहेरपुर में करीब 4 हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया है। एक इस्कॉन केंद्र जला दिया गया, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा देवी की मूर्तियां शामिल हैं। राजधानी ढाका में इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र में भीड़ ने धावा बोल दिया और वहां पर जमकर तोडफोड़ की। इस सांस्कृतिक केंद्र को मार्च 2010 में खोला गया था। यहां पर सांस्कृतिक संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के आयोजन के जरिए योग, हिंदी, भारतीय शास्त्रीय गायन जैसे भारतीय नृत्यों के जरिए भारत-बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा दिया जाता है। केंद्र सरकार का कहना है कि भारत हर स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पड़ोसी देश की स्थिति चिंताजनक है। भारत सरकार वहां के मौजूदा तंत्र के साथ संपर्क में है। हिंदुओं पर इतना अत्याचार होने के बावजूद उनकी मदद के लिए हाथ बढ़ाना तो दूर, इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों ने इसकी तीखी आलोचना तक नहीं की। इस आलोचना में भी विपक्षी दलों को मुस्लिम वोट बैंक खतरे में नजर आता है। साफ जाहिर है कटु आलोचना करने का मतलब है कट्टरपंथी मुसलमानों की आलोचना करना। विपक्षी दलों के लिए ऐसा करना आसान नहीं है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानदारों को अनिवार्य रूप से नेमप्लेट लगाने के फैसले पर विपक्षी दलों ने जमकर हायतौबा मचाई थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा था कि जैसे दीया बुझने से पहले फडफ़ड़ाता है, ये सांप्रदायिक राजनीति का दिया फडफ़ड़ा रहा है, इसलिए ऐसे फैसले ले रहे हैं। जेडीयू का कहना था कि धर्म और जाति के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि क्या हिंदुओं का बेचा गया मीट, दाल-चावल बन जाएगा? ठीक वैसे ही कोई अल्ताफ या रशीद आम-अमरूद बेच रहा है, वो गोश्त तो नहीं बन जाएगा।

आप का नजरिया

टोक्यो से पेरिस तक पदकों से हॉकी को प्रतिष्ठा

पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाट के साथ हुए अप्रिय घटनाक्रम से आहत भारतीयों के टूटे दिलों पर हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर मरहम ही लगाई है। हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक देश के नाम किया। टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में भी हॉकी का कांस्य पदक भारत की झोली में डाला। टीम की दृढ़ता व टीम भावना के चलते यह कामयाबी मिली है। अपने इस परंपरागत खेल से भारतीयों का भावनात्मक लगाव सदैव रहा है, जिसको भारतीय टीम ने संबल ही दिया। निस्संदेह, इससे हॉकी की लोकप्रियता को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने मजबूत टीमों को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। हालांकि, वह अपने एक मजबूत खिलाड़ी की अनुपस्थिति में सेमीफाइनल में जर्मनी से हार गई थी। लेकिन कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी टीम से खेल प्रेमियों ने कहा कि यह उपलब्धि सोने की चमक से कम नहीं है। हालांकि एक समय था कि अंतिम मुकाबले में स्पेन एक शून्य की बढ़त लिए हुए था, लेकिन भारतीय टीम ने न केवल खेल में वापसी की बल्कि स्पेन को 2-1 से हराया भी। उल्लेखनीय है कि भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक के अंतिम मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कप्तान वाली पारी खेली। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके पहले स्कोर बराबर किया और फिर दूसरे गोल से प्रतिपक्षी टीम पर अजेय बढ़त ले ली। जर्मनी से हुए मुकाबले में जिस फर्स्ट रशर अमित रोहिदास की कमी खली थी, अंतिम मुकाबले में उन्होंने अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज की। उल्लेखनीय है कि ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रोहिदास को रेड कार्ड मिला था। जिसके चलते उन पर एक मैच खेलने का प्रतिबंध लगा था। यही वजह कि जर्मनी के मुकाबले में उनकी कमी टीम को खली थी। कालांतर में भारत ने जर्मनी के खिलाफ मैच 3-2 से गंवाया था। बहरहाल, पेरिस ओलंपिक के विभिन्न मुकाबलों में सशक्त नजर आ रही टीम जर्मनी के साथ सेमीफाइनल में मिली शिकस्त के बाद स्वर्णिम सफलता से वंचित हो गई। हालांकि, ओलंपिक में तेरह पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का अतीत शानदार रहा है। खासकर हिटलर की उपस्थिति वाले बर्लिन ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद के खेल और स्वर्ण पदक की चर्चा गाहे-बगाहे होती रहती है। ओलंपिक के इतिहास में भारत ने आठ स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं। हालांकि, वर्ष 1980 के मास्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद फिर टीम सुनहरी सफलता से वंचित रही। उसके बाद तो पदकों का सूखा 41 साल बाद टोक्यो ओलंपिक में मिले कांस्य पदक से टूटा। हालांकि, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 52 साल बाद लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने का गौरव हासिल किया है। यद्यपि पेरिस ओलंपिक में मजबूत मानी जा रही टीम टोक्यो ओलंपिक के पदक का रंग नहीं बदल सकी, लेकिन उसकी कामयाबी से परंपरागत भारतीय खेल की प्रतिष्ठा फिर स्थापित हुई।

प्राचीन नगरी उज्जैन में स्थित हैं भगवान महाकालेश्वर

उज्जैन का इतिहास गौरवमय और प्राचीन है। यहां पर खुदाई में तीन हजार वर्ष पुराने अवशेष मिले हैं। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि यह कितना प्राचीन नगर है। उज्जैन में स्थित भगवान महाकालेश्वर के लिंग की गणना भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में की जाती है। दक्षिणमुखी शिवलिंग होने के कारण यह तंत्र साधना के लिए विशेष महत्व रखता है।

उज्जैन में स्थित भगवान महाकालेश्वर का कलात्मक विशाल शिवलिंग है। यह शिवलिंग स्वयंभू माना जाता है। ज्योतिर्लिंग के कक्ष में ज्योतिर्लिंगों के अलावा गणेश, कार्तिकेय और माता पार्वती की श्वेत मूर्तियां हैं। मुख्य मंदिर तीन खंडों में निर्मित है। सबसे नीचे के खंड में महाकालेश्वर आसीन हैं। उसके ऊपर के खंड में ओंकारेश्वर शिव का मंदिर है तथा तीसरे खंड में नागचन्द्रेश्वर हैं। जिनके पट श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु वर्ष में सिर्फ एक बार नागपंचमी के दिन खोले जाते हैं।

महाकालेश्वर मंदिर के पास ही गणेश जी की विशाल मूर्ति है। यह मूर्ति आधुनिक होते हुए भी आकर्षक और सुंदर है। मंदिर के बीच में पंचमुखी हनुमान जी की सप्त धातु से बनी मूर्ति है। मंदिर में अनेक देवी-देवताओं की मूर्तियां विद्यमान हैं।

उज्जैन नगर से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर क्षिप्रा नदी के किनारे भैरवगढ़ बस्ती है। यहां पर एक टीले पर काल भैरव का मंदिर है। भैरवाष्टमी को यहां विशाल मेला लगता है। भैरवगढ़ नाम इन्हीं भैरव के कारण पड़ा। काल भैरव की मूर्ति भव्य और विशाल है। इस मंदिर को राजा भद्रसेन ने बनवाया था।

उज्जैन रेलवे स्टेशन से लगभग आठ किलोमीटर दूर कालिया देह महल है। 16वीं शताब्दी में मालवा के सुलतान नासिरूद्दीन खिलजी ने सूर्य नारायण के मंदिर को तुड़वाकर उसके स्थान पर पठानी ढंग का यह महल बनवाया था। यहां सूर्यकुंड और ब्रह्मकुंड को तुड़वाकर छोटे-छोटे 52 कुंड बनवाये थे। जब अकबर बादशाह इस स्थान पर आया था उसी समय मुगलिया ढंग का एक दालान बनवाया गया था। वर्षों तक इस सुंदर महल और रमणीय स्थल की ओर किसी का ध्यान नहीं गया और यह स्थल उजड़ने लगा था बाद में सिंधिया परिवार ने इस महल का जीर्णोद्धार करवाया।

उज्जैन नगर भारतीय ज्योतिष का भी मुख्य केन्द्र रहा है। हजारों वर्ष पहले राजा जयसिंह ने यहां एक यंत्र महल बनवाया था जिसे वैधशाला और जंतर मंतर कहा जाता है। उज्जैन में संदीपनी आश्रम, श्री मंगलनाथ मंदिर, चिंतामन गणेष मंदिर, संतोषी माता मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

उज्जैन मालवा के बीच में स्थित होने के कारण देश का नाभिस्थल कहलाता है। उज्जैन नगर पश्चिम रेलवे का प्रमुख स्टेशन है। यहां से भोपाल, रतलाम, इंदौर, नागदा आदि स्टेशनों को जाने वाली गाड़ियां मिलती हैं। उज्जैन सड़क मार्ग से भी जुड़ा हुआ है। बस या अपने निजी वाहन से यहां सुगमता से पहुंचा जा सकता है। यहां यात्रियों के ठहरने के लिए सैंकड़ों होटल, लॉज और धर्मशालाएं हैं। मध्य प्रदेश राज्य परिवहन द्वारा बाहर से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए उज्जैन दर्शन की प्रतिदिन व्यवस्था की गई है।

फास्ट फूड खाने से हो सकता है संक्रमण

फास्ट फूड से केवल मोटापे और अधिक वजन का खतरा नहीं होता। इससे संक्रमण भी हो सकता है। हाल में मैक्सिको के एक लोकप्रिय फास्ट फूड श्रृंखला की स्टर्लिंग (वर्जीनिया) स्थित फ्रेंचाइजी को उस समय बंद करने की नौबत आ गई जब उसके उत्पाद में नोरोवायरस के संक्रमण की शिकायत सामने आई। इस घटना के बाद विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर आप फास्ट फूड ले ही रहे हैं तो क्या-क्या सावधानी बरतें

कच्ची सब्जियां, अधपके खाद्य से बचें

कई लोग

आप भी खाते हैं तो...

सोचते हैं कि बर्गर की बजाय सलाद या सब्जियां लेने से फास्ट फूड से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। लेकिन रेस्टोरेंट में मिलने वाले ऐसे उत्पादों से किसी हानिकारक जीवाणु का संक्रमण हो सकता है। इसलिए कच्ची सब्जियों वाले सलाद या अधपके खाद्य न लें। जो भी चीज से गर्मागर्म लें।

खाद्य को बनता हुआ देखें

जहां से भी आप फास्ट फूड लें, वहां उसके बनने की प्रक्रिया को देखना सुनिश्चत करें। इससे आप जान सकेंगे कि आप जो चीज खाने वाले हैं उसको बनाने में स्वच्छता के आवश्यक मानकों का पालन किया गया है या नहीं। मसलन खाद्य तैयार करने वाले ने दस्ताने पहन रखे थे या नहीं ।

हेपेटाइटिस का टीका लें

किडनी को प्रभावितत करने वाला हेपेटाइटिस ए वायरस खाद्य और पानी के जरिये फैलता है। अब बच्चे को बचपन में कई टीके लगाए जाते हैं। लेकिन 14-15 की उम्र के बाद अमूमन ऐसा नहीं होता। ऐसे में आपका खाद्य बनाने वाले से या सीधे खाद्य से हेपेटाइटिस ए के पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है

जगह का चुनाव अहम

किसी भी तरह का खाद्य लेने के सिलसिले में जगह का चुनाव अहम है। अर्थात यह तय करें कि आप जिस जगह से खाद्य सामग्री ले रहे हैं वह साफ-सुथरी होनी चाहिए। इसके बावजूद अगर कोई कमजोरी महसूस कर रहा है या बीमार पड़ता है तो उसको डॉक्टर से तुरंत दिखाना चाहिए।

नोरोवायरस का संक्रमण

स्टर्लिंग स्थित एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट में बीते सोमवार खाना खाने के बाद करीब 60 लोगों को मितली, उल्टी और दस्त की शिकायत हुई थी। ये सब नोरोवायरस से संक्रमण के लक्षण थे। साल 2015 में भी कुछेक फास्ट फूड उत्पादों से ई-कोलाई के संक्रमण के मामले कई बार सामने आए थे।

नोरोवायरस क्या है

» यह बेहद संक्रामक वायरसों के समूह का सामूहिक नाम है

» मितली, उल्टी व दस्त इसके संक्रमण के सामान्य लक्षण हैं

» इसको ठंड के दिनों में फैलने वाला वायरस माना जाता रहा है

» पर अक्तूबर से मार्च के दौरान भी इसका प्रसार देखा गया है

» इसका संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है

बालों में तेल की बजाय घी लगा कर देखें

काफी लाभ होगा

सेहत के लिए फायदेमंद घी में पोषक तत्वों की भरमार है। आपने खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए तो खूब घी खाया होगा। लेकिन क्या कभी बालों की चमक और लंबाई बढ़ाने के लिए घी बालों में लगाया है? अगर नहीं, तो फिर देर ना करें... घी के चमत्कारिक गुण सिर्फ ज़ायका ही नहीं बालों की सुंदरता भी बढ़ाते हैं। घी बालों के लिए वरदान समान है। घी की मालिश करने से बाल जल्दी बढ़ते हैं। अगर बालों की प्राकृतिक चमक बरकरार रखना चाहती हैं तो घी जरूर लगाएं। ऐसा करने से आपके बाल यकीनन ही लंबे, मुलायम और घने हो जाएंगे। घी को बालों में रोजाना लगाना जरूरी नहीं है, 10-15 में एक बार ही घी से बालों की मसाज करें।

जानते हैं बालों में घी की मालिश करने के फायदे

1. बालों की रूसी मिटाने के लिए अनेकों कोशिशें कर हार चुकी हैं तो कहीं दूर नहीं, बस किचन तक जाने की जरूरत है। बालों की जड़ों में घी और बादाम के तेल की मालिश करें। ये नुस्ख़ा आजमाने से रूसी के साथ स्केल्प से ड्राइनेस भी दूर हो जाएगी।
2. बाल काढ़ते वक्त अगर बेहद उलझते और टूटते हैं तो घी में थोड़ा जैतून का तेल मिलाकर मालिश करना फायदेमंद साबित होगा।
3. बेजान और रुखे बालों की प्राकृतिक चमक वापस लाने के लिए घी को गुनगुना गर्म करें फिर बालों की जड़ों में अच्छे से मसाज करें।
4. दोमुंहे बालों से छुटकारा पाने के लिए घी की मसाज करें, यकीन मानिए इससे बालों को काफी फायदा होगा।
5. लंबे बालों की चाहत को हकीकत में बदलना चाहती हैं तो आज से ही बालों की जड़ों में घी की मालिश करें।

सुझाव

ब्लैक हेड्स दूर करने के घरेलू नुस्खों

कई बार ऐसा होता है कि आप अपनी त्वचा का खास ख्याल रखते हैं फिर भी ब्लैक हेड्स की समस्या पैदा हो जाती है। चेहरे पर होने वाले ब्लैक हेड्स ना सिर्फ आपकी खूबसूरती को बिगाड़ते बल्कि त्वचा के लिए भी नुकसानदेह हो सकते हैं। ऐसे में आपको त्वचा का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ब्लैक हेड्स की समस्या आमतौर पर धूल-मिट्टी, हाइजीन की कमी, स्ट्रेस, नींद पूरी न होना और पोषण की कमी के चलते होते हैं।ब्लैक हेड्स की समस्या को दूर करने के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इन्हें कभी भी दबाकर न निकालने की गलती ना करें। इससे त्वचा पर निशान पड़ जाते हैं जो बड़ी मुश्किल से जाते हैं। न सिर्फ ब्लैकहेड्स बल्कि वाइटहेड्स और पिंपल्स को भी कभी ऐसे नहीं निकालना चाहिए। इसके बाद इन निशानों को दूर करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

इन उपायों को अपनाने के बाद ब्लैक हेड्स की समस्या से निजात पा सकते हैं। ये उपाय पूरी तरह से सुरक्षित और असरकारी भी हैं।

- शहद को हल्का गर्म करें और 10 से 15 मिनट तक ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर लगाएं और फिर पानी से धो लें।
- तीन चम्मच पानी में तीन चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और त्वचा पर कुछ मिनटों के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर इसे हल्के गर्म पानी से साफ करें।
- दिन में तीन बार ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर नींबू का रस लगाएं, इससे भी ब्लैकहेड्स साफ हो जाते हैं।
- ओट्स और गुलाब जल मिलाकर मास्क बनाएं और चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे पानी से साफ कर लें।
- कच्चे आलू की स्लाइस से ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर हल्की मसाज करें। इससे ब्लैकहेड्स हट जाते हैं और त्वचा साफ रहती है।
- अंगूर को अच्छे से मैश करके पेस्ट बना लें और उसे ब्लैक हेड्स के ऊपर लगाएं और 15-20 मिनट तक सूखने दें और उसके बाद गुनगुनें पानी से चेहरा धो लें।
- ब्लैक हेड्स पर अंडे का सफेद भाग लगाएं और थोड़ी देर के बाद जब ये सूख जाए, तो चेहरे को बेसन से साफ कर लें।
- रात को सोने से पहले अपने चेहरा को साफ करना न भूलें। इससे त्वचा पर मुंहासे और ब्लैक हेड्स नहीं होंगें।
- ब्लैक हेड्स से छुटकारा पाने के लिए खीरे के रस में नींबू के रस की कुछ बूंदे मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं और फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।
- धनिया की पत्तियों को कर पेस्ट बना लें और अब इस पेस्ट में थोडा हल्दी पाउडर मिला कर एक पेस्ट बनाकर तैयार करें और उसे ब्लैकहेड्स के ऊपर लगा दें। ऐसा करने से ब्लैकहेड्स जड़ से दूर हो जायेंगे।
- हफ्ते में एक बार जरूर चेहरे पर फेस स्क्रब का इस्तेमाल जरूर करें। चेहरे को स्क्रब करने से त्वचा पर जमी धूल-मिट्टी साफ हो जाती है। और त्वचा से ब्लैक हेड्स भी साफ हो जाते हैं।
- चेहरे से ब्लैकहेड को हटाने के लिये आप मैश किया हुआ केला या फिर केले के छिलके को चेहरे पर रगड़ कर इस्तेमाल कर सकते हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर है स्वास्थ्यवर्धक त्रिफला

त्रिफला तीन श्रेष्ठ औषधियों हरड, बहेडा व आंवला को मिलाकर बना मिश्रण है। यह प्रकृति का अनमोल उपहार है। त्रिफला सर्व रोगनाशक, रोग प्रतिरोधक और आरोग्य प्रदान करने वाली औषधि है। त्रिफला एंटी-बायोटिक और एंटी-सेप्टिक भी है। त्रिफला का प्रयोग शरीर में वात, पित्त और कफ का संतुलन बनाए रखता है। यह रोजमर्रा की आम बीमारियों के लिए बहुत प्रभावकारी औषधि है फिर चाहे वह सिर का रोग हो या चर्म रोग, रक्त दोष हो मूत्र रोग या फिर पाचन संस्थान संबंधी रोग। यह सभी रोगों का रामबाण है। त्रिफला के स्वास्थ्य लाभ

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और इसके कारण वह बार-बार बीमार पड़ते है। उन लोगों को त्रिफला का सेवन करना चाहिए। त्रिफला के सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है । जिससे शरीर को बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है। प्रतिरोधक क्षमता से शरीर बाहरी तत्वों के खिलाफ आसानी से लड़ सकता है। त्रिफला, शरीर में एंटीबॉडी के उत्पादन को बढ़ावा देता है । जो शरीर में एंटीजन के खिलाफ लड़ते है और बॉडी को बैक्टीरिया मुक्त रखते है।

पेट के रोगों के लिए अमृत

त्रिफला की तीनों जड़ीबूटियां आंतरिक सफाई को बढ़ावा देती हैं। त्रिफला के चूर्ण को गौमूत्र के साथ लेने से अफारा, उदर शूल, प्लीहा वृद्धि आदि अनेकों तरह के पेट के रोग दूर हो जाते है।

कब्ज में कारगर

कब्ज की समस्या होने पर त्रिफला बेहद कारगर होता है। इसे खाने से कब्ज की काफी पुरानी समस्या भी दूर भाग जाती है। रात को सोते समय त्रिफला चूर्ण हल्के गर्म दूध अथवा गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है। अथवा त्रिफला को भूसी के दो चम्मच मिलाकर शाम को गुनगुने पानी से लेने से भी कब्ज दूर होती है।

हीमोग्लोबिन बढ़ाए

अगर आपको एनीमिया से पीड़ित है। तो त्रिफला का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। नियमित रूप से त्रिफला का सेवन करने से शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बढ़ती है। जिससे शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ने लगता है।

एंटी-ऑक्सीडेंट है त्रिफला

त्रिफला में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण उम्र के असर को बेअसर करते है। त्रिफला के सेवन से उम्र बढ़ाने वाले कारक कम होते है। जिसके कारण आप उम्र से ज्यादा जवां दिखते हैं।

डायबिटीज के लिए उपयोगी

डायबिटीज के उपचार में त्रिफला बहुत प्रभावी होता है। यह पेन्क्रियाज को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे इंसुलिन की मात्रा उत्पन्न होती है और शरीर इंसुलिन की उचित मात्रा और शर्करा के स्तर को बनाए रखता है।

मुंह की दुर्गन्ध दूर करें

अगर आप मुंह से आती की दुर्गन्ध से परेशान है तो त्रिफला आपके लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। इसके लिए एक चम्मच त्रिफला को एक गिलास ताजे पानी मे दो-तीन घंटे के लिए भिगो दे, इस पानी को घूंट भर मुंह में थोड़ी देर के लिए डाल कर अच्छे से कई बार घुमाये और इसे निकाल दें। इसके अलावा कभी कभार त्रिफला चूर्ण से मंजन भी करें इससे मुंह आने की बीमारी, मुंह के छाले ठीक होंगे, अरूचि मिटेगी और मुंह की दुर्गन्ध भी दूर होगी।

सिरदर्द दूर भगाएं

इस समस्या से बचने के लिए त्रिफला आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए त्रिफला, हल्दी, नीम की छाल और गिलोय इन सब को पानी में तब तक पकाएं जब तक कि पानी आधा रह जाए। बाद में इसे छानकर कुछ दिन तक सुबह शाम गुड या शक्कर के साथ सेवन करने से सिर दर्द कि समस्या दूर हो जाती है।

त्वचा की समस्याओं में मददगार

त्वचा संबंधी समस्या होने पर त्रिफला काफी मददगार होता है। त्रिफला, बॉडी से विषाक्त पदार्थो को बाहर निकाल देता है जिससे ब्लड साफ होता है और त्वचा पर होने वाली समस्याओं से आसानी से दूर हो जाती है। शरीर में किसी प्रकार के संक्रमण को होने से भी रोकता है।

जानकारी

इन चीजों में छिपा है पुरूषों की फिटनेस का राज

फिटनेस पाना आपकी चाहत तो होती है, लेकिन क्या आप उसके लिए मेहनत भी करते हैं। जानिए कैसे पुरुष कुछ आसान तरीकों को अपनाकर फिटनेस का खजाना हासिल कर सकते हैं। फिटनेस को लेकर हमारे समाज में जागरुकता का अभाव साफ देखा जा सकता है। किसी के लिए फिटनेस का अर्थ जिम जाकर बॉडी बनाना होता है, तो किसी के लिए फिटनेस का अर्थ बस किसी तरह मोटापे की गिरफ्त से दूर रहना भर ही होता है। इस लेख के जरिये हम जानेंगे कि आखिर फिटनेस है क्या और पुरुष कैसे इस फिटनेस को हासिल कर सकते हैं। फिटनेस का अर्थ अच्छी बॉडी होना भर ही नहीं है। फिटनेस शारीरिक और मानसिक दोनों पैमानों पर परखी जानी चाहिए। बेशक किसी का शरीर पतला हो, लेकिन अगर वह रोगमुक्त है और मानसिक रूप से शांत है, तो उसे अनफिट तो नहीं कहा जा सकता।

आहार है आधारः फिटनेस के लिए जरूरी है कि आहार और व्यायाम के बीच सही संतुलन बनाया जाए। आहार ऐसा होना चाहिए । जिससे आपको पूरा पोषण मिले। आहार आपके तन मन को ऊर्जा प्रदान करने वाला होना चाहिए। हृदयघात के खतरे को कम करने के लिए एक्सरसाइज के साथ ही आप अपने खान-पान के तौर-तरीके को भी बदले। भोजन में सेचूरेटेड फैट, अधिक मात्रा में नमक और फैटी डेयरी प्रोडक्ट का प्रयोग कम कर दे। इसके बदले में अपने भोजन में प्रचुर मात्रा में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करे।

व्यायाम रखे बीमारियों से दूरः व्यायाम व्यक्ति को कई बीमारियों से दूर रखता है। नियमित तौर पर व्यायाम करने से हृदय रोग और स्मरण शक्ति ह्रास से बचा जा सकता है। इसके साथ व्यायाम डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, हदृयघात, कॉलोन कैंसर और तनाव को भी नियंत्रित करता है। कई शोध इस बात को प्रामाणित कर चुके हैं कि नियमित व्यायाम करने वाले लोगों को बीमारियों का खतरा कम रहता है। वहीं शारीरिक रूप से कम सक्रिय रहने वाले लोगों को रोगग्रस्त होने की आशंका अधिक होती है।

अच्छा मूड बनाए रखें

तनाव मुक्त रहना फिटनेस के लिए बेहद जरूरी है। आप तीस मिनट पैदल चलकर भी तनाव से मुक्ति बना जा सकता है। शारीरिक गतिविधियों के जरिये मूड अच्छा रहता है।साथ ही व्यक्ति स्वयं को प्रसन्नचित्त और तनावमुक्त महसूस करता है। नियमित एक्सरसाइज से व्यक्ति में आत्मविश्वास भी बढ़ता है। तनाव को दूर करने के लिए आप योग और ध्यान के जरिये भी तनाव को दूर करे। अपने मूड को अच्छा बनाए रख सकते हैं।

आदतें सुधारें फिट रहेंः धूम्रपान और एल्कोहल का सेवन भी आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदेह होता है। 45 वर्ष की आयु के बाद व्यक्ति को डायबिटीज और हृदय रोग होने का खतरा अधिक होता है। इसके साथ ही उम्र के इस पड़ाव में रक्तचाप भी व्यक्ति को अधिक प्रभावित करता है। ऐसे में आपको चाहिए कि एल्कोहल और धूम्रपान से दूर रहें। ऐसा करके आप स्वयं को कई बीमारियों के संभावित खतरे से दूर रख सकते हैं।

मोटापा बड़ा खतरनाकः दुनिया भर में अब मोटापे को बीमारी के रूप में देखा जाता है। और यह स्वयं भी कई बीमारियों के लिए गड्डे को तैयार करता है। मोटापा डायबिटीज, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की मुख्य वजह माना जाता है। ये सभी बीमारियां अन्य कई गंभीर बीमारियों को बढ़ावा देती हैं। मोटापे को दूर करने के लिए आपको अपने आहार पर ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही नियमित तौर पर व्यायाम करने से भी इस पर काबू किया जा सकता है। कई बार मोटापा अनुवांशिक होता है, ऐसे में आपको अधिक मेहनत करने की आवश्यकता होती है।

शेख हसीना का बड़ा खुलासा : अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप दे देती तो सत्ता नहीं जाती

शेख हसीना ने अमेरिका पर देश में सत्ता परिवर्तन की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि, मैंने सत्ता छोड़ी, ताकि शवों का जुलूस न देखना पड़े

ढाका/नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में तख्तापलट हुए एक हफ्ता हो चुका है। शेख हसीना जो हफ्ते भर पहले पीएम थीं, वह अब पूर्व हो चुकी हैं, साथ ही देश से निर्वासित भी...लेकिन इस बीच उनका वो आखिरी भाषण सामने आया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हो सका था। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और अपने ढाका स्थित आवास से निकलने से पहले शेख हसीना राष्ट्र को संबोधित करना चाहती थी। खासकर उन प्रदर्शनकारियों को, जिनके आंदोलन के कारण उन्हें शीर्ष पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शनकारी उनके दरवाजे तक पहुंच गए और देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें जल्द से जल्द वहां से चले जाने की सलाह दी।

शेख हसीना ने अमेरिका पर देश में सत्ता परिवर्तन की साजिश रचने का आरोप लगाया है और अगर उन्हें मौका मिलता तो वह अपने भाषण में क्या कहने वाली थीं, वह आखिरी संदेश सामने आया है। शेख हसीना के भाषण में था कि मैंने इस्तीफा दे दिया, ताकि मुझे शवों का जुलूस न देखना पड़े। वे छात्रों के शवों पर सत्ता में आना चाहते थे, लेकिन मैंने इसकी अनुमति नहीं दी। मैंने प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं

शेख हसीना ने कहा कि मैं सत्ता में बनी रह सकती थी, अगर मैं सेंट मार्टिन द्वीप(आईलैंड) की संप्रभुता अमेरिका के सामने समर्पित कर दी होती और उसे बंगाल की खाड़ी में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति दे दी होती। मैं अपने देश के लोगों से विनती करती हूं, कि आप कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं।

अगर मैं देश में रहती तो अधिक जानें जातीं

शेख हसीना ने कहा कि अवामी लीग नेता को छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच इस्तीफा देना पड़ा और देश से भागना पड़ा, जो आरक्षण के खिलाफ एक आंदोलन के रूप में शुरू हुआ और शेख हसीना सरकार के साथ गतिरोध में बदल गया। अनुभवी नेता द्वारा विरोध प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश के कारण 400 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए। भाषण में कहा गया है कि अगर मैं देश में रहती, तो और अधिक जानें जातीं, अधिक संसाधन नष्ट हो जाते। मैंने बाहर निकलने का बेहद कठिन निर्णय लिया। मैं आपकी नेता हूं, क्योंकि आपने मुझे चुना, आप मेरी ताकत थे। इसके साथ ही शेख हसीना ने अपने संदेश में यह भी कहा कि मेरा स्टाफ, जो वहां हैं, हिम्मत नहीं हारेंगे। अवामी लीग बार-बार खड़ी हुई है। आपने इसे बनाया। निराश मत होइए। मैं जल्द ही लौटूंगी। इंशाअल्लाह। हार मेरी है लेकिन जीत बांग्लादेश के लोगों की है। वह लोग जिसके लिए मेरे पिता और मेरे परिवार ने अपनी जान दे दी। मुझे खबर मिली है कि कई नेता पहले ही कार्यकर्ताओं की हत्या कर चुके हैं और घरों में तोडफ़ोड़ कर आग लगा चुके हैं। अल्लाह तुम्हारी मदद जरूर करेगा।

न्यूज ब्रीफ

तुर्किये ने इंस्टाग्राम पर लगाया बैन हटाया, कानूनों का पालन नहीं करने के चलते लगाया गया था बैन

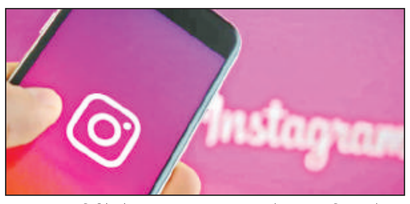

अंकारा। तुर्किये ने इंस्टाग्राम पर लगा बैन हटा लिया है। देश के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्राधिकरण ने दो अगस्त को बिना कोई कारण बताए इंस्टाग्राम को प्रतिबंधित कर दिया था। बाद में सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि बैन इसलिए लगाया गया, क्योंकि सोशल मीडिया मंच तुर्किये कानूनों का पालन करने में विफल रहा है। तुर्किये के परिवहन और बुनियादी ढांचा मंत्री अब्दुलकादिर उरालोग्लू ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- इंस्टाग्राम के अधिकारियों के साथ बातचीत में हमें आश्वासन दिया गया कि हमारा अनुरोध वह स्वीकार करेंगे। खासतौर पर आपराधिक गतिविधियों से संबंधित अनुरोध। हमसे वादा किया गया है कि हम उपयोगकर्ताओं को सेंसर करने के उपायों पर मिलकर काम करेंगे। उरालोगलू ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए बताया कि इंस्टाग्राम तुर्किये के कानून का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और जिन मामलों में कानून का उल्लंघन किया गया है, उनमें प्रभावी हस्तक्षेप करेगा। मंत्री उरालोग्लू ने कहा कि आतंकवादी संगठनों से जुड़े सभी अकाउंट पर बैन लगाया जाएगा और पीकेके, पीवाईडी और एफईटीओ समेत ऐसे सभी संगठनों के एजेंडे को बढ़ावा देने वाली सामग्री हटा दी जाएगी। पीकेके (कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी) प्रतिबंधित संगठन है, जिसने दक्षिण-पूर्वी तुर्किये में एक स्वायत्त क्षेत्र स्थापित करने के लिए तुर्किये में दशकों से विद्रोह छेड़ रखा है। वहीं, पीवाईडी एक सीरियाई कुर्द राजनीतिक संगठन है, जिसे तुर्किये के अधिकारी पीकेके की शाखा बताते हैं। एफईटीओ राष्ट्रपति रेसेप तय्यप एर्दोआन के पूर्व सहयोगी फेतुल्लाह गुलेन के नेतृत्व वाला संगठन है, जिसे तुर्किये सरकार 2016 में तख्तापलट की नाकाम कोशिश के लिए जिम्मेदार ठहराता है।

बांग्लादेश में निजाम हथियाते ही इस्लामी छात्र शिबिर कैडर का कुख्यात नसीरुद्दीन 26 साल बाद जेल से रिहा

ढाका। बांग्लादेश में रक्तरंजित अराजक माहौल में शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के बाद कुख्यात लोगों को जेल से बाहर किया जाने लगा है। ऐसा ही एक व्यक्ति इस्लामी छात्र शिबिर कैडर का नसीरुद्दीन है। वह 26 साल से सलाखों के पीछे था। 59 वर्षीय नसीरुद्दीन को कैडल के लोग शिबिर नासिर के नाम से बुलाते हैं। उसे जेल से रिहा कर दिया गया है। राजधानी से छपने वाले समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून कहा है कि चटगांव सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक मुहम्मद मंजुर हुसैन ने पुष्टि की कि उन्हें रविवार शाम सात बजे चटगांव सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'नसीरुद्दीन पर दो मामले लंबित थे। इन मामलों के लिए जमानत दस्तावेज अदालत में जमा करने और समीक्षा करने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।'

सूत्रों के अनुसार, नसीरुद्दीन के खिलाफ 36 मामले रहे हैं। इनमें बहुचर्चित प्रिंसिपल गोपाल कृष्ण मुहुरी हत्याकांड, हथजारी का तिहरा हत्याकांड और चटगांव पॉलिटेक्निक का जमीलुद्दीन हत्याकांड प्रमुख है। इनमें से 31 मामलों में वह बरी हो चुका था। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार 1990 के दशक में नसीरुद्दीन पूरे चटगांव में आतंक का पर्याय और इस्लामी छात्र शिबिर की राजनीति में प्रभावशाली चेहरा रहा है। 1997 में चटगांव के चौक बाजार इलाके में हुई मुठभेड़ में उसने पुलिस को नाको चने चबवाए थे। अप्रैल 1998 में पुलिस ने उसे चटगांव कॉलेज के एक छात्रावास से गिरफ्तार किया था।

ढाई साल से लगातार जारी है रूस-यूक्रेन युद्ध

रूस में 30 किमी अंदर घुसी यूक्रेनी सेना, इमारत पर फहराया झंडा

कीव , 12 अगस्त (एजेंसियां) । ढाई साल से रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है जिसमें सैकड़ों जाने जा चुकी हैं। रुस ने पहले यूक्रेन में भारी तबाही मचाई। अब यूक्रेनी सेना उसका बदला लेने मैदान में उतर आई है। यूक्रेन की सेना रूस के अंदर घुस कर हमले कर रही है, जिसके पुतिन घबरा गए हैं। यूक्रेन की सेना रूसी क्षेत्र में 30 किलोमीटर अंदर तक घुस गई है। रूस के अंदर इमारतों पर यूक्रेनी सैनिक अपने देश का झंडा लहरा रहे हैं। शीर्ष रूसी सैन्य अधिकारियों के लिए यह सबसे मुश्किल घड़ी है और वे इससे निपटने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। पुतिन के लिए यह बड़ी शर्म की बात है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से पहली बार किसी दूसरे देश की सेना रूस में घुसी है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आधिकारिक तौर पर यूक्रेनी सेना के रूस की सीमा में घुसने की पुष्टि की है। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सैनिकों ने टोलपिनो और ओब्श्ची कोलोदेज गांवों के पास यूक्रेनी सैनिकों के साथ मुठभेड़ की। यूक्रेनी सेना के इस अप्रत्याशित कदम ने रूस और यूक्रेन दोनों को सहयोगियों को हैरानी में डाल दिया है। यूक्रेनी अधिकारी कई दिनों तक इस ऑपरेशन के बारे में चुप्पी साधे थे, जब तक कि रूस के अंदर यूक्रेनी सैनिकों की तस्वीरें, वीडियो और रिपोर्ट सामने नहीं आने लगी। रूसी आक्रमण के बाद से यूक्रेनी सेना के हमले ने रूस की सैन्य कमजोरियों को सामने ला दिया है।

रूसी अधिकारियों ने कुर्स्क और दो अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में अभियान शुरू किया है। कुर्स्क से हजारों लोगों को दूसरी जगह भेजा गया है। यूक्रेन ने कई हवाई हमलों में रूस के सीमावर्ती क्षेत्रों को निशाना बनाया है, लेकिन कुर्स्क ऑपरेशन के जरिए ये पहली बार हुआ है जब यूक्रेनी सेना ने रूसी क्षेत्र में प्रवेश किया है। हैरान करने वाली बात यह है कि रविवार को रूसी सेना यूक्रेन की बढ़त को रोकने में नाकाम रही। ऐसे फुटेज सामने आए हैं, जिसमें यूक्रेन के सशस्त्र बल युद्धग्रस्त रूसी क्षेत्र के गांव में हंसते हुए दिखाई दिए। एक विडियो में यूक्रेनी सैनिक अपने देश का झंडा लेकर इमारत पर जाता है और उसे दीवार पर खड़े अपने साथी सैनिक को सौंपता है। इसके बाद सैनिक इमारत पर यूक्रेन का झंडा फहरा देता है। इस दौरान यूक्रेनी सेना रूस का झंडा जमीन पर फेंक देती है।

अमेरिका के दुश्मन ने दिया ईरान का साथ, इजराइल के लिए रेड सिग्नल

तेहरान। इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की आशंका के बीच तेहरान को चीन से बड़ा समर्थन मिला है। चीन ने कहा है कि वहां ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने में उसका समर्थन करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक,

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान के कार्यवाहक विदेश मंत्री को फोन करके ये बताया है। वांग यी ने 31 जुलाई को तेहरान में हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या की बीजिंग की निंदा को दोहराया। इस बीच चीन के समर्थन से सवाल उठ रहा है कि क्या उसने तेहरान को इजरायल पर हमला करने का ग्रीन सिग्नल दे दिया है। इस बीच इजरायल की खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान आने वाले दिनों में इजरायल पर हमला कर सकता है। यह गुरुवार को बंधकों को लेकर होने वाली वार्ता से पहले भी हो सकता है। यह हाल के आकलनों में बदलाव दिखाता है, जिसमें सुझाव दिया गया था कि अंतरराष्ट्रीय दबाव ईरान को इजरायल के खिलाफ सीधे हमला करने से रोक रहा है। इजरायली खुफिया एजेंसियों के ताजा इनपुट में कहा गया है कि ईरान ने हानिया की हत्या का बदला लेने के लिए इजरायल को सीधे निशाना बनाने का फैसला किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में हुआ खुलासा

उपराष्ट्रपति हैरिस को ट्रंप लगातार दे रहे गालियां

वाशिंगटन, 12 अगस्त)। (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अपनी बदजुबानी के कारण चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ट्रंप ने अनेक अवसरों पर निजी तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को भद्दी और गंदी गालियां दी हैं। ऐसी ही एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि ट्रंप को अलग-अलग अवसरों पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को गालियां देते हुए सुना गया है। वहीं दूसरी तरफ ट्रंप के चुनाव अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग इस तरह के आरोपों को सिरे से नकारते हैं और इन दाबों का खंडन करते हैं। उन्होंने कहा है कि गाली देने वाली भाषा ट्रंप की नहीं है जिसका दावा कमला हैरिस के बारे में रिपोर्ट्स कर रही हैं। वैसे बताते चलें कि हाल ही में मोंटाना की एक रैली में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कमला हैरिस को मूर्ख, अक्षम और कम आईक्यू वाली तक कहा था। इसके साथ ही ट्रंप ने सवाल करते हुए कहा था कि क्या लोग उनका अंतिम नाम भी जानते हैं लोगों का कहना है कि इस प्रकार भद्दी और गाली वाली भाषा का इस्तेमाल करना ट्रंप को इस चुनाव में भारी पड़ सकता है।

वैसे यह पहली बार नहीं हो रहा जबकि ट्रंप महिलाओं के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। यदि पिछले इतिहास को उठाकर देखें तो ट्रंप ऐसे ही मामलों के कारण सुर्खियां बटोर चुके हैं। साल 2005 हॉलीवुड टेप में उन्होंने महिलाओं के खिलाफ भद्दी टिप्पणियां कीं और खूब हंगामा हुआ था। इसी तरह 2006 में एक साक्षात्कार के दौरान कोंडोलीजा राइस के बारे में ट्रंप ने भद्दी भाषा का उपयोग किया और विवादों में आ गए थे। इस तरह गालीयुक्त भद्दी भाषा का उपयोग ट्रंप की पुरानी शैली है।

मीडिया रिपोर्ट को सही माना जाए तो राष्ट्रपति रहते हुए भी ट्रंप ने नाटो पर चर्चा करते हुए तत्कालीन जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल पर भी गंदी और भद्दी टिप्पणी की थी। अब तो कहा जा रहा है कि ट्रंप सिर्फ महिलाओं के प्रति ऐसा व्यवहार करते हैं ऐसा नहीं है बल्कि वो तो पुरुषों को भी गाली देते दिख जाते हैं, जिनसे वो असहमत हुआ करते हैं।

इस बीच बताते चलें कि राष्ट्रपति उम्मीदवारी को लेकर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की दावेदारी लगातार मजबूत हुई है। गौरतलब है कि कमला हैरिस ने एक पोल के मुताबिक ट्रंप पर एक प्रतिशत से बढ़त हासिल कर ली है। रविवार को पूरा हुआ तीन दिनी पोल में बतलाया गया है कि हैरिस को 43 फीसदी रजिस्टर्ड वोटरों का समर्थन हासिल हुआ है. जबकि ट्रंप को 42 फीसदी का समर्थन हासिल है।

नए चीफ यूनुस को मिला इनाम! 6 महीने की सजा माफ, भ्रष्टाचार के मामलों से भी हुए बरी

ढाका, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंसा की आग अभी ठंडी नहीं हुई है,लेकिन देश के नए मुखिया मोहम्मद यूनुस पर लगे भ्रष्टाचार के केस जरुर ठंडे हो गए और उन्हे ब-इज्जत बरी कर दिया गया है। किसी ने ठीक ही कहा है कि 'उसी का शहर, वही मुद्दई वही मुंसिफ़, हमें यकीन था हमारा क़ुसूर निकलेगाज' ।बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक ढाका की स्पेशन जज कोर्ट नंबर 4 के जज मोहम्मद रबीउल आलम ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें

यूनुस के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने की मांग की गई थी। इससे पहले सात अगस्त को ढाका की एक अदालत ने श्रम कानून उल्लंघन के एक मामले में भी यूनुस और उनकी कंपनी ग्रामीण टेलीकॉम के तीन टॉप अफसरों अशरफुल हसन, एम शाहजहां और नूरजहां बेगम को बरी कर दिया था।

शेख हसीना के शासनकाल के दौरान 84 साल के यूनुस पर दर्जनों केस दर्ज किए गये थे। वहीं इस साल जनवरी में एक अदालत ने श्रम कानून उल्लंघन के आरोप में यूनुस को छह महीने जेल की सजा सुनाई थी। हालांकि अपने खिलाफ केस दर्ज होने के बाद यूनुस बांग्लादेश छोड़कर विदेश चले गए थे और फ्रांस में रह रहे थे। शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने और बांग्लादेश छोड़कर भागने के बाद ही वह ढाका लौटे। इसके बाद उन्हें देश की नई अंतरिम सरकार का प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई, जिसके बाद गुरुवार को उनके नेतृत्व में 16 सदस्यीय परिषद से शपथ ली। नूरजहां बेगम 16 सदस्यीय सलाहकार परिषद की सदस्य हैं जो राज्य के मामलों को चलाने में यूनुस की मदद करेंगी।

पाकिस्तान में आईएसआई का पूर्व प्रमुख फैज़ हामिद गिरफ्तार

इस्लामाबाद, 12 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सेना ने सैन्य खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज़ हामिद को हिरासत में ले लिया है। सेना के जनसम्पर्क प्रभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने सोमवार को यह जानकारी दी।आईएसपीआर ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और रक्षा मंत्रालय के निर्देशों का अनुपालन करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज़ हामिद के खिलाफ किए गए टॉप सिटी के मालिक के घर पर छापे के मामले में शिकायतों की सत्यता का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना द्वारा एक विस्तृत अदालती जांच शुरू की गई थी। आईएसपीआर ने कहा कि ले. जनरल हामिद के विरुद्ध पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत समुचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। पूर्व जनरल पाकिस्तान की थल सेना की पेशावर कोर के कमांडर भी रह चुके हैं। उनके खिलाफ सेवानिवृत्ति के बाद पाकिस्तान सेना अधिनियम के उल्लंघन के कई मामले दर्ज किए गये हैं।आईएसपीआर की विज्ञप्ति में कहा है कि संबंधित मामले में फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज़ हामिद को सैन्य हिरासत में लिया गया है। आईएसआई के पूर्व मुखिया के खिलाफ आरोप मई 2017 में टॉप सिटी के मालिक के घर पर छापे से जुड़े हैं।

ईरान और यूरोपीय परिषद ने परमाणु वार्ता फिर से शुरू करने पर की चर्चा

तेहरान, 12 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने

रविवार को 2015 के परमाणु समझौते के पुनरुद्धार पर वार्ता बहाल करने को लेकर चर्चा की।ईरानी राष्ट्रपति के कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, एक फोन कॉल में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ साझा हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें दुनिया में बहुपक्षवाद को बढ़ावा देना और गाजा में विकास शामिल है। ईरान और समझौते के अन्य पक्षों के बीच परमाणु वार्ता फिर से शुरू होने पर श्री पेज़ेशकियान ने कहा कि आपसी विश्वास और द्विपक्षीय हितों की सुरक्षा किसी समझौते का आधार होता है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी करनी चाहिए और आपसी विश्वास कायम करने में मदद करनी चाहिए, परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के अलावा, अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की जा सकती है। श्री पेज़ेशकियान ने एक बहुपक्षीय विश्व व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और कहा कि ईरान जैसे देशों के प्रति अमेरिकी नीतियों और उन पर दबाव तथा उन्हें उनके अधिकारों और हितों से वंचित करने की कोशिशों का उद्देश्य एक नयी विश्व व्यवस्था की स्थापना के साथ-साथ दुनिया के लिए स्थिरता और शांति बहाली को रोकना था।

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री का काठमांडू दौरा

भारतीय विदेश सचिव ने उप प्रधानमंत्रियों, विदेश और गृह मंत्री से की मुलाकात

काठमांडू, 13 अगस्त (एजेंसियां) । दो दिनों के नेपाल भ्रमण पर रहे भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने काठमांडू में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के अलावा चार महत्वपूर्ण मंत्रियों से मुलाकात की है। मिस्री ने सोमवार को नेपाल के दोनों उप प्रधानमंत्री प्रकाशमान सिंह और विष्णु पौडेल से मुलाकात की है। इनमें प्रकाशमान सिंह शहरी विकास मंत्रालय में हैं जबकि पौडेल के पास वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी है। इसके अलावा उन्होंने विदेश मंत्री डा आरजू राणा देउवा और गृहमंत्री रमेश लेखक से भी मुलाकात की है।

मिस्त्री ने आज सुबह उप प्रधानमंत्री तथा शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह से मुलाकात की। मिस्त्री ने उपप्रधानमंत्री को उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामना दी और उनके मंत्रालय के कामों में भारत सरकार की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया। प्रकाशमान सिंह ने कहा कि विदेश सचिव के साथ शहरी विकास, वेस्ट मैनेजमेंट, बागमती और विष्णुमती नदी की सफाई के बारे में बातचीत हुई और इस पर नेपाल-भारत मिल कर आगे बढ़ेंगे।

इसी तरह विदेश सचिव ने दूसरे उप प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री विष्णु पौडेल से उनके दफ्तर में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान भारत की तरफ से दी जा रही आर्थिक तथा विकास सहायता, चालू आयोजना की तीव्रता, दोनों देशों के बीच के आपसी संबंध पर चर्चा हुई। पौडेल ने बताया कि भारत की तरफ से हाल ही में शुरू

किए गए हाई इम्पैक्ट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत प्रति परियोजना को 20 करोड़ रुपये देने का प्रावधान जल्द से जल्द शुरू करने की बात हुई है। भारतीय विदेश सचिव ने आज ही गृहमंत्री रमेश लेखक से मुलाकात कर सीमा सुरक्षा से लेकर इंटेलिजेंस शेयरिंग पर और अधिक मिल कर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गृहमंत्री ने बताया कि नेपाल ने सुरक्षाबलों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और आने वाले दिनों में पुलिस एकेडमी, सशस्त्र प्रहरी एकेडमी के निर्माण के लिए भारत का सहयोग निरंतर जारी रहने की बात कही गई है। अपने दौरे के अंतिम चरण में विदेश सचिव ने विदेश मंत्री डा आरजू राणा देउवा से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच रहे विवादित मुद्दों को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने पर सहमति बनी है।

ओली ने प्रधानमंत्री मोदी को दिया नेपाल आने का निमंत्रण

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नेपाल आने का निमंत्रण भेजा है। प्रधानमंत्री ओली ने शिष्टाचार मुलाकात के दौरान भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिस्री के जरिए अपने समकक्ष मोदी को नेपाल आने का निमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान भारत के सहयोग से नेपाल में चल रही परियोजना और भविष्य में शुरू होने वाली परियोजना पर चर्चा की गई। नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल ने बताया कि प्रधानमंत्री ओली ने एक दिन पूर्व ही भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा नेपाल के सेटेलाइट के प्रक्षेपण के लिए हुए समझौते के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही नेपाल भारत के बीच कनेक्टिविटी के जलमार्ग के माध्यम को आगे बढाने का अनुरोध किया। भारतीय विदेश सचिव के साथ बैठक में द्विपक्षीय और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में विदेश मंत्रालय की सचिव सेवा लम्सल सहित नेपाल के लिए भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव, विदेश मंत्रालय में नॉर्थ डेस्क के प्रमुख अनुराग श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

रंगारंग कार्यक्रम, आतिशबाजी और दिग्गजों की उपस्थिति में हुआ पेरिस ओलंपिक का समापन

पेरिस, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक 2024 रविवार (स्थानीय समयानुसार) को एक चमकदार, सितारों से सजे समापन समारोह के बाद शानदार तरीके से समाप्त हो गया। समारोह की शुरुआत एक क्लासिक संगीत प्रदर्शन के साथ हुई और फ्रांस के तैराक लियोन मार्चैंड एक लालटेन में ओलंपिक मशाल लेकर स्टेड डी फ्रांस पहुंचे, जहां समापन समारोह आयोजित किया जा रहा था। स्टेडियम के अंदर राष्ट्रों की परेड शुरू हुई, जिसमें हजारों की संख्या में मौजूद उत्साही प्रशंसक खुशी से झूम उठे। आईओसी शरणार्थी और ओलंपिक टीम तथा फ्रांस के ध्वजवाहकों ने इसका नेतृत्व किया।

मनु भाकर, श्रीजेश ने किया भारतीय दल का नेतृत्व– पेरिस खेल महाकुंभ में दो बार कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और अपने शानदार, क्लच गोलकीपिंग कौशल से ओलंपिक में भारत के लगातार दूसरे कांस्य पदक में अहम भूमिका निभाने वाले महान हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ध्वजवाहक के रूप में हाथों में भारतीय ध्वज लेकर स्टेडियम पहुंचे। ओलंपिक ने श्रीजेश का भारत के लिए अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट भी चिह्नित किया।

स्टेडियम के अंदर, महिलाओं की मैराथन प्रतियोगिता के लिए ओलंपिक 2024 का अंतिम पदक समारोह आयोजित किया गया, जो पूर्ण लिंग समानता के साथ पहले ओलंपिक का समापन करने का एक शानदार और प्रतीकात्मक तरीका था। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक और विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया। पेरिस ओलंपिक में यूएसए पहले, चीन दूसरे, जापान तीसरे स्थआन पर रहा जबकि भारतीय दल 6 पदक के साथ 71वें स्थान पर रहा, जिसने एक रजत पदक और पाँच कांस्य पदक रहे। भारतीय दल में 117 एथलीट शामिल रहे।

लाइट शो और द गोल्डन वोएजर के प्रदर्शन ने जीता दर्शकों का दिल–समापन समारोह में एक आकर्षक लाइट शो और द गोल्डन वोएजर के प्रदर्शन ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जो फ्रांसीसी इतिहास के संदर्भों से प्रेरित एक पात्र है, जिसमें स्पिरिट ऑफ द बैस्टिल भी शामिल है। परंपरा के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान ग्रीक ध्वज फहराया गया, जिससे लोगों को याद दिलाया गया कि बहु–खेल आयोजन की जड़ें ग्रीस में हैं, जिसने 1896 में एथेंस में पहली बार ओलंपिक की मेजबानी की थी। पियरे डी कुबर्टिन के नक्शेकदम पर चलते हुए, जिन्हें आधुनिक ओलंपिक के जनक के रूप में भी जाना जाता है, गोल्डन वोएजर ने पिछले ओलंपिक के अवशेषों को खोदकर उनमें एक नया जीवन भरने का काम किया। शो के दौरान, खेलों की स्थापना और एकता और शांति के उनके मूल्यों को दर्शाने वाले कई प्रतीक खोजे गए। एक प्रभावशाली कोरियोग्राफ़्ड प्रदर्शन में, गोल्डन वोएजर ने ओलंपिक रिंग्स की खोज की और उन्हें स्टेडियम के ठीक बीच में हवा में लहराया गया। ये ओलंपिक रिंग्स पाँच महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो खेल आयोजन में शामिल हैं। प्रदर्शन के दौरान, फ्रांसीसी पियानोवादक और ओपेरा गायक बेंजामिन बर्नहेम ने हाइमन टू अपोलो गाया, जबकि एलेन रोश ने हवा में लंबवत लटके हुए पियानो बजाया। इस प्रदर्शन के बाद, थॉमस मार्स, डेक डीआर्सी, क्रिश्चियन माज़ालाई और लॉरेंट ब्रैंकोविट्ज़ से मिलकर बने फ्रांसीसी इंडी–रॉक बैंड फीनिक्स ने उपस्थित प्रशंसकों और एथलीटों के लिए एक के बाद एक धमाकेदार प्रस्तुतियाँ दीं। फ्रांसीसी इलेक्ट्रॉनिक कलाकार कैविंस्की ने रॉक बैंड के साथ अपना नाइटकॉल भी प्रस्तुत किया। इन प्रदर्शनों के बाद, पेरिस 2024 आयोजन समिति के अध्यक्ष टोनी एस्टांगुएट ने भीड़ को संबोधित किया। मंच पर, उनके साथ पाँच महाद्वीपों और शरणार्थी ओलंपिक टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले छह एथलीट शामिल हुए। उनके साथ आईओसी के अध्यक्ष बाक भी थे। टोनी ने सभी एथलीटों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी और धन्यवाद दिया और कहा कि वे सभी 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के दौरान फिर से मिलेंगे।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली प्रीमियर लीग मिनी आईपीएल की तरह होगी : आयुष बडोनी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) द्वारा 17 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलने वाले मार्की खिलाड़ी आयुष बडोनी ने कहा कि यह टूर्नामेंट एक मिनी इंडियन प्रीमियर लीग की तरह होगा। यह लीग नई दिल्ली के श्री अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। अब तक 62 टी20 मैचों में 977 रन बना चुके बडोनी ने कहा, दिल्ली प्रीमियर लीग खिलाड़ियों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगी। मेरे लिए यह मिनी आईपीएल की तरह होगा। इस तरह के मैच खेलने से हमेशा आत्मविश्वास बढ़ता है; इससे मुझे और दिल्ली के क्रिकेटरों को बेहतरीन अनुभव मिलेगा। स्टार खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने की संभावना पर 24 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा, दिल्ली के खिलाड़ी अपने आक्रामक क्रिकेट के लिए जाने जाते हैं। इसलिए, डीपीएल क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बहुत प्रतिस्पर्धी और मजेदार होगा। लीग के बारे में जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है ईशांत शर्मा के खिलाफ खेलना। हम हमेशा यह मजाक करते हैं कि वह मुझे आउट कर देंगे, और मैं उनसे कहता हूं कि मैं उन्हें छक्के मारूंगा, इसलिए उनके खिलाफ खेलना मजेदार होगा। लीग में छह टीमें – साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, वेस्ट दिल्ली लायंस और पुरानी दिल्ली 6, हिस्सा लेंगी, जिनमें ऋषभ पंत, ईशांत शर्मा, हर्षित राणा, यश ढुल और अन्य जैसे खिलाड़ी शामिल होंगे। बडोनी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए शीर्ष पसंद थे, जिसके मालिक भारत के स्टार बल्लेबाज शिखर धवन हैं। जब धवन की भागीदारी के बारे में पूछा गया, तो बडोनी ने कहा, खिलाड़ी ड्राफ्ट के बाद, शिखर भाई ने मुझसे संपर्क किया, और हम नियमित रूप से टीम और हमारी तैयारियों के बारे में बात कर रहे हैं। वह हमारी टीम के साथ बहुत आश्वस्त हैं, और माहौल काफी आरामदायक है। हम खेलने और डीपीएल ट्रॉफी उठाने के लिए उत्सुक हैं।

पाकिस्तान सीरीज के लिए बांग्लादेश टेस्ट टीम में तस्कीन अहमद की वापसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में तस्कीन अहमद को शामिल किया। टेस्ट श्रृंखला 21 अगस्त से रावलपिंडी में शुरू होने वाली है। तस्कीन, जिन्होंने आखिरी बार जून 2023 में टेस्ट खेला था, ने कंधे की चोट के बाद अपनी रिकवरी को प्राथमिकता देने के लिए लाल गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक लिया था, और हाल ही में लाल गेंद वाले क्रिकेट में खेलना चाहते थे। बीसीबी ने जोर देकर कहा कि वह लंबे समय तक क्रिकेट खेलने में सक्षम हैं। तेज गेंदबाज के चयन पर राष्ट्रीय चयन पैनल के अध्यक्ष गाजी अशरफ हुसैन ने कहा, हमने पांच तेज गेंदबाजों का चयन किया है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि तस्कीन अहमद केवल दूसरा टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने पिछले साल जून से कोई टेस्ट नहीं खेला है और हमने उन्हें पाकिस्तान ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए 'ए' टीम में शामिल करने का फैसला किया है ताकि उन्हें लंबे समय तक चलने वाले मैचों के लिए लय में लाया जा सके। उन्होंने कहा, इसके अलावा, कुछ तेज गेंदबाज एक दिवसीय मैचों के लिए ए टीम में शामिल हो सकते हैं, इसलिए हमें बैकअप की आवश्यकता थी। हमारे आक्रमण में विविधता है, जिसमें ऐसे गेंदबाज हैं जो तेज गेंदबाजी कर सकते हैं और गेंद को स्विंग भी करा सकते हैं और मैं वास्तव में उन्हें विश्व स्तरीय बल्लेबाजों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।

वजन कम करने की जिम्मेदारी एथलीट और उसके कोच कीः आईओए

नई दिल्ली। रविवार देर रात भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और जूडो जैसे खेलों में वजन कम करने की जिम्मेदारी एथलीटों और उनके कोचों पर डाली है। यह बयान खेल पंचाट न्यायालय में चल रहे मामले की पृष्ठभूमि में आया है, जो विनेश फोगाट की संयुक्त रजत पदक के लिए अपील पर विचार कर रहा है, क्योंकि स्वर्ण पदक मैच की सुबह वजन कम न कर पाने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। रविवार को जारी आईओए के बयान में कहा गया, कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और जूडो जैसे खेलों में एथलीटों के वजन प्रबंधन की जिम्मेदारी प्रत्येक एथलीट और उसके कोच की है, न कि आईओए द्वारा नियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनशॉ पारदीवाला और उनकी टीम की। बयान में कहा गया, पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में ऐसे खेलों में प्रत्येक भारतीय एथलीट की अपनी सहायता टीम थी। ये सहायता टीमें कई वर्षों से एथलीटों के साथ काम कर रही हैं। बयान में आगे बताया गया कि आईओए ने कुछ महीने पहले एक मेडिकल टीम नियुक्त की थी, जो मुख्य रूप से एथलीटों की प्रतियोगिता के दौरान और बाद में उनकी रिकवरी और चोट प्रबंधन में सहायता करेगी।

आईसीसी ने जुलाई महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान किया

इंग्लैंड के गेंदबाज एटकिंसन और श्रीलंका महिला टीम की कप्तान अटापटू चयनित

दुबई, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को जुलाई के लिए आईसीसी प्लेयर्स ऑफ द मंथ की घोषणा की है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को जहां वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद जुलाई के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है, वहीं श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू को आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए चुना गया है।

आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गस एटकिंसन ने कहा कि आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतना वास्तव में सम्मान की बात है। मेरे टेस्ट करियर की शुरुआत अविश्वसनीय रही है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंग्लैंड के साथ अपनी पहली सीरीज में मुझे इतनी सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अपने देश के लिए खेलना और उसका प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। मुझे पता है कि आगे बहुत मेहनत करनी है। खासकर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी सीरीज आने वाली है। मैं निरंतरता बनाए रखने और इंग्लैंड को सफल बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्साहित हूं।

आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ विजेता चमारी अटापट्टू ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मैं तीसरी बार आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के रूप में चुने जाने पर खुश और सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह देखकर खुशी हो रही है कि मेरे प्रयासों को, जो मैने मेरे साथियों और कोचों के सहयोग से हासिल किए हैं, क्रिकेट जगत द्वारा लगातार मान्यता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि ये सम्मान उन हजारों लड़कियों को एक सकारात्मक संदेश देंगे, जो पहले से ही मेरे देश में और अन्य जगहों पर क्रिकेट खेल रही हैं और अपने देश के लिए खेलना चाहती हैं।

गस एटकिंसन का वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एटकिंसन ने सबसे लंबे प्रारूप में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत की। उन्होंने पिछले महीने घरेलू धरती पर वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में बेहतरीन प्रदर्शन कर कुल 22 विकेट हासिल किए। वह श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। इंग्लैंड ने यह श्रृंखला 3–0 से अपने नाम की।

श्रीलंका ने जीता पहला महिला एशिया कप का खिताब

जुलाई का महीना अटापट्टू के लिए काफी शानदार रहा, जिसमें उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कीं। अटापट्टू की कप्तानी में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पिछले महीने 28 जुलाई को सात बार की चैंपियन भारतीय महिला टीम को फाइनल में हराकर अपना पहला महिला एशिया कप का खिताब जीता था। श्रीलंकाई कप्तान अटापट्टू ने प्रतियोगिता के दौरान 101.33 की औसत और 146.85 की स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाए थे। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 63 रन और फाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ 61 रन की शानदार पारी खेली थी।

चिन्नास्वामी में होगी दलीप ट्रॉफीः बुमराह, पांड्या को छोड़कर अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के खेलने की उम्मीद

नई दिल्ली। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) भारत के घरेलू क्रिकेट सत्र के उद्घाटन मैच की मेज़बानी करेगा, जिसमें दलीप ट्रॉफी खेल शामिल है। केएससीए ने पुष्टि की है कि बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम 5 सितंबर से शुरू होने वाले छह चार दिवसीय रेड–बॉल मैचों में से पहले मैच का स्थल होगा। हालाँकि आंध्र प्रदेश का अनंतपुर बहु–दिवसीय टूर्नामेंट के लिए निर्धारित स्थल है, लेकिन इस विशेष खेल को बेंगलुरु में स्थानांतरित कर दिया गया है। केएससीए के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, यह निर्णय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुरोध पर लिया गया है। हम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच की मेजबानी करने के लिए सहमत हो गए हैं। स्थल परिवर्तन बीसीसीआई के उस निर्णय को दर्शाता है जिसमें 18 सितंबर से शुरू होने वाली बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले चार टीमों की दलीप ट्रॉफी में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा।

छात्र देवांग ने जीता अंडर 15 शतरंज चैम्पियनशिप

महोबा, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

जिला शतरंज संघ और सेंट पीटर एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को आयोजित अंडर 15 शतरंज चैम्पियन में कुलपहाड़ के रामभुवनेश पब्लिक स्कूल के छात्रों का दबदबा रहा। जहां फाइनल मुकाबले में आरबीपीएस के दो छात्रों के बीच हुआ। जिसमें देवांग सोनी ने श्रेयस गुप्ता को पराजित कर चैम्पियनशिप पर कब्जा जमाया। जहां विजेता को दस हजार व उप विजेता को पांच हजार की राशि देकर सम्मानित किया गया।

जनपद मुख्यालय स्थित सेंट पीटर्स एकेडमी में आयोजित चैम्पियनशिप में आधा दर्जन से अधिक स्कूलों के एक सैकड़ा से अधिक छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें सेमीफाइनल मुकाबले में आरबीपीएस के तीन छात्र पहुंचे। जिसमें देवांग सोनी ने गार्गी को व श्रेयस गुप्ता ने मयंक को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में देवांग सोनी ने श्रेयस को पराजित कर चैम्पियनशिप अपने नाम की है। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार अग्रवाल ,सेंट पीटर्स एकेडमी के प्रिंसिपल फादर बास्टिन एवं प्रमुख समन्वयक हर्ष प्रजापति द्वारा आरवीपीएस स्कूल के विजेता देवांग सोनी को दस हजार रुपए का चेक, ट्राफी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। वहीं उपविजेता श्रेयस गुप्ता को पांच हजार रुपए का चेक उपविजेता ट्राफी व प्रशस्ति पत्र एवं तीसरे स्थान पर रही गार्गी को 2500 रुपए का चेक, ट्राफी व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर हौसला बढ़ाया गया है।

मुरादाबाद जोन से 9 खिलाड़ी ट्रायल देने जाएंगी : गुप्ता

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने सोमवार को बताया कि 15 वर्ष से कम आयु की महिला खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश महिला क्रिकेट टीम अंडर–15 हेतु चयन 16 व 17 अगस्त को कमला क्लब कानपुर में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा किया जाएगा। इसमें मुरादाबाद जोन से 9 खिलाड़ी ट्रायल देने जाएंगी। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि यूपीसीए द्वारा यूपी गर्ल्स क्रिकेट टीम अंडर 15 ट्रायल हेतु मुरादाबाद जोन से अल्फिशा, सलोनी रावत, लवी पाल, वैष्णवी, अंशिका राजपूत, वर्णवी, ईशिका, रश्मि चौहान और अंशिका ट्रायल देंगी। ट्रायल देने जाने वाली खिड़की अपने साथ अपडेट आधार कार्ड, फोटो व जन्मतिथि का मूल प्रमाण पत्र अवश्य लेकर जाएं।

17वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

फिरोजाबाद, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

आगरा जोन में 17 वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड में हुआ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने इसका आरम्भ किया। प्रथम दिन पर जनपद अलीगढ़ एवं जनपद आगरा के मध्य फुटबॉल मैच खेला गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बताया कि 17 वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता में आगरा कमिश्नरेट सहित जोन के कुल आठ जनपदों की पुलिस टीम हिस्सा ले रही है। फुटबॉल प्रतियोगिता में आठ जनपदों में से जिस भी जनपद की टीम विजयी होगी,वह यूपी स्टेट लेवल पर मैच खेलने जाएगी। फुटबॉल प्रतियोगित का 14 अगस्त को समापन होगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों एवं निर्णायकों का परिचय प्राप्त करते हुए हाथ मिलाकर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर आठ जनपदों की पुलिस टीम द्वारा अपने–अपने टीम कप्तानों सहित पुलिस बैंड के साथ भव्य फ्लैग मार्च करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सलामी दी। इस मौके पर अधिकारियों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले समस्त खिलाडियों को खेल भावना से खेलने की शपथ करायी।

सुब्रतो कप : जूनियर गर्ल्स फाइनल में मदर इंटरनेशनल का सामना बांग्लादेश की क्रीरा शिक्षा प्रतिष्ठान से

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

मदर इंटरनेशनल स्कूल, रांची, झारखंड मंगलवार को यहां अंबेडकर स्टेडियम में खेले जाने वाले 63वें सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में बांग्लादेश क्रीरा शिखा प्रतिष्ठान (बीकेएसपी) से भिड़ेगा।

सोमवार को तेजस फुटबॉल ग्राउंड में खेले गए सेमीफाइनल में मदर इंटरनेशनल ने पिछले साल के उपविजेता जीएसएसएस, अलखपुरा, हरियाणा को एक रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में 4–2 मात दी, जबकि बांग्लादेश क्रीरा शिखा प्रोतिष्ठान ने मणिपुर के पोरोमपत सबल लीकाई हाई स्कूल को मीरा खातून की एकमात्र गोल की बदौलत हराया। पहले सेमीफाइनल में, मदर इंटरनेशनल ने कब्जे में बढ़त बनाए रखी और अंडर –19 भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बबीता कुमारी और ललिता बॉयपाई ने मिडफील्ड को नियंत्रित किया। लेफ्ट–बैक क्रांति उरांव विशेष रूप से प्रभावशाली रहीं, जिन्होंने विनियमन समय में स्कोर करने के लिए सबसे अधिक प्रयास किए। हरियाणा की टीम डिफेंस में मजबूती से डटी रही और गोलकीपर अंकुश के कुछ शानदार बचावों की बदौलत खेल को शूटआउट तक खींचने में सफल रही। शूटआउट में, मदर इंटरनेशनल की गोलकीपर अनीशा उरांव ने दो सेव किए, जबकि झारखंड की टीम ने अपनी सभी स्पॉट किक्स को गोल में बदल कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। दूसरे सेमीफाइनल में, बांग्लादेश केएसपी ने शुरुआत में बढ़त बना ली, जब मीरा खातून ने ऊपर से एक थ्रू बॉल प्राप्त की और मणिपुर के गोलकीपर को मात देकर गोल कर दिया, जो अंततः निर्णायक साबित हुआ। मणिपुर स्कूल अपने बराबरी के मौके को भुनाने में असफल रहा, क्योंकि बीकेएसपी ने अपने एक गोल की बढ़त को मैच के शेष समय तक बरकरार रखा। बीकेएसपी जूनियर गर्ल्स श्रेणी में अपना चौथा फाइनल खेलेगा; इसके पहले तीन फाइनल्स में वे 2017, 2018 और 2019 में चैंपियन बने थे, और उन्होंने खिताब की हैट्रिक पूरी की थी। वहीं, मदर इंटरनेशनल झारखंड के लिए खिताब की हैट्रिक बनाने की उम्मीद करेगी, क्योंकि सेंट पैट्रिक हाई स्कूल, गुमला ने 2022 और 2023 में लगातार खिताब जीते थे।

घोषणा : न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउथी आगामी उपमहाद्वीपीय टेस्ट नहीं खेल पाएंगे

वेलिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउथी को उपमहाद्वीप में टीम के कुछ आगामी मैचों से बाहर रखा जा सकता है। साउथी अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम की अगुआई करेंगे, जिसमें पांच स्पिन गेंदबाजी विकल्प शामिल हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार दोनों मैच गाले में खेले जाएंगे, लेकिन उनका इन सभी मैचों या भारत के खिलाफ होने वाले तीन टेस्ट मैचों में खेलना तय नहीं है। पिछले सीजन में चार घरेलू टेस्ट मैचों में केवल छह विकेट लेने वाले साउथी अगर इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे तो उप–कप्तान टॉम लैथम टीम की कप्तानी करेंगे।

मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, उपमहाद्वीप के टेस्ट दौरे पर पिचों की प्रकृति और गर्मी तथा आर्द्रता के कारण तेज गेंदबाजों से कुछ कठिन सवाल पूछे जा सकते हैं। जबकि हम खुले दिमाग से परिस्थितियों पर विचार कर रहे हैं, यह समझ है कि विभिन्न टेस्ट मैचों में हमारे सभी गेंदबाजी विकल्पों की आवश्यकता हो सकती है। टिम और मैंने इस पर चर्चा की है, और इन विदेशी दौरों के दौरान तेज गेंदबाजों के कार्यभार को संतुलित करने की आवश्यकता है, जिसमें वह स्वयं भी शामिल हैं, ताकि टीम को सर्वश्रेष्ठ सेवा मिल सके। सोमवार को घोषित टीम में अक्टूबर और नवंबर में भारत के साथ होने वाली सीरीज शामिल नहीं है, लेकिन संभावना है कि खिलाड़ियों का एक बहुत ही समान समूह इसमें शामिल होगा। इस बात पर कुछ संदेह था कि केन विलियमसन अफगानिस्तान टेस्ट खेलेंगे या नहीं, जो ग्रेटर नोडिया में आयोजित किया जाएगा, लेकिन उन्हें पहली बार शामिल किया गया है जब दोनों टीमें इस प्रारूप में एक–दूसरे के साथ खेलेंगी। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल 18 महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। एजाज पटेल और मिशेल सेंटनर को भी शामिल किया गया है, जबकि रचिन रवींद्र और ग्लेन फिलिप्स गेंद के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

साउथी के अलावा, मैट हेनरी, बेन सियर्स और विल ओरूर्के भी तेज गेंदबाजी के विकल्प हैं। पिछले सीजन में अपने टेस्ट डेब्यू पर बाद के दो खिलाड़ियों ने प्रभावित किया था, जबकि हेनरी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों में 17 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। काइल जैमीसन पर विचार नहीं किया गया क्योंकि वह पीठ के तनाव फ्रैक्चर से उबर रहे हैं।

स्टीड ने कहा, यह हमेशा शानदार होता है जब युवा खिलाड़ी अपने प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाते हैं और मुझे पता है कि विल और बेन उपमहाद्वीप में टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। माइकल को अपनी चोटों से उबरने और तीनों प्रारूपों में ब्लैककैप्स में वापसी करने के लिए काफी लचीलापन दिखाना पड़ा। उनके हरफनमौला कौशल और बाएं हाथ के बल्लेबाज से गेंद छीनने की क्षमता उन्हें एक बेहतरीन खिलाड़ी बनाती है, खासकर भारत और श्रीलंका में टर्निंग विकेटों पर।

सकलैन मुश्ताक तीन टेस्ट मैचों के लिए गेंदबाजी कोच के रूप में न्यूजीलैंड से जुड़ेंगे, जबकि इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर जेम्स फोस्टर सहायक कोच के रूप में वापसी करेंगे। अफगानिस्तान टेस्ट, जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा नहीं है, 9–13 सितंबर के बीच होगा और श्रीलंका के मैच 18–22 सितंबर और 26–30 सितंबर के बीच होंगे। न्यूजीलैंड सितंबर से दिसंबर तक नौ टेस्ट खेलेगा, जिसमें नवंबर के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला शुरू होगी। वे वर्तमान में डब्ल्यूटीसी में तीसरे स्थान पर हैं और वे अगले जून में लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगे।

अफगानिस्तान और श्रीलंका का सामना करने के लिए न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम इस प्रकार है– टिम साउथी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरुरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, केन विलियमसन, विल यंग।

एक्सपर्ट्स ने खारिज की हिंडनबर्ग की रिपोर्ट, एएमएफआई ने भी दी नजरअंदाज करने की सलाह

हिंडनबर्ग रिपोर्ट का उद्देश्य सिर्फ पैनिक का माहौल बनाना है : एएमएफआई

नई दिल्ली,12 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप और सेबी के चेयरपर्सन पर गंभीर आरोप जरूर लगाए गए हैं लेकिन मार्केट एक्सपर्ट्स ने इस रिसर्च रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट ने सोमवार को कारोबार की शुरुआत में शेयर बाजार पर मामूली असर जरूर डाला था लेकिन शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में ही बाजार ने रिकवरी शुरू कर दी थी। बाजार की रिकवरी का सबसे अहम कारण हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में विश्वसनीयता की कमी होना बताया जा रहा है।

एडलवाइज फाइनेंशियल एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के चीफ एनालिस्ट मोहन सुतार का मानना है कि हिंडनबर्ग के किसी भी आरोप में कोई दम नहीं है। इसके पहले भी इस अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म की कथित रिसर्च रिपोर्ट की वजह से घरेलू शेयर बाजार को काफी झटका लग चुका है। पहले भी हिंडनबर्ग ने अपनी रिसर्च रिपोर्ट के बाद बाजार में बने पैनिक का फायदा उठाते हुए जमकर शॉर्ट सेलिंग की थी। इसके पहले भी यह कंपनी 18 बार अपने अलग-अलग रिसर्च रिपोर्ट के जरिए दुनिया की अलग-अलग कंपनियों को निशाना बनाती रही है और शॉर्ट सेलिंग करके बड़ा मुनाफा कमाती रही है। मोहन सुतार का कहना है कि हिंडनबर्ग की पिछली रिपोर्ट की वजह से भी भारतीय निवेशकों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा था। इसलिए अब भारतीय निवेशक इस शॉर्ट सेलर फर्म की नीतियों के प्रति सतर्क हो चुके हैं। यही कारण है कि सोमवार को बाजार में शुरुआती गिरावट के बावजूद थोड़ी ही देर में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली।

मोहन सुतार की तरह ही राठी सिक्योरिटीज एंड फंड्स लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट सुरेंद्र राठी का कहना है कि निवेशकों को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना चाहिए, क्योंकि हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों पर सेबी के चेयरपर्सन और अडानी ग्रुप दोनों ने अपनी सफाई दे दी है। इस सफाई से स्पष्ट है कि हिंडनबर्ग ने सतही जानकारी के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है और उसके जरिए भारतीय बाजार में एक बार फिर पैनिक बनाने की कोशिश की है।

अलग-अलग एक्सपर्ट्स की तरह ही एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने भी एक बयान जारी करके कहा है कि हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए आरोप भारत के कैपिटल मार्केट को नीचा दिखाने की एक कोशिश है। इस रिपोर्ट के जरिए देश की अर्थव्यवस्था और आर्थिक तरक्की को भी नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। अपनी रिपोर्ट जारी करके हिंडनबर्ग ने सिर्फ घरेलू शेयर बाजार में सनसनी फैलाने की कोशिश की है, जिससे कि पहले की तरह ही भारतीय बाजार में हड़कंप जैसा माहौल बनाया जा सके। एएमएफआई के बयान में कहा गया है कि भारत ने एक रेगुलेटरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, जो न केवल ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस और स्टैंडर्ड के मुताबिक काम करता है बल्कि ये छोटे निवेशकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करता है और उनके विश्वास को भी बनाए रखता है। एएमएफआई की ओर से कहा गया है कि हिंडनबर्ग के आरोप देश की आर्थिक उपलब्धियों को बदनाम करने की कोशिश हैं। इसलिए इन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

स्टील के इंपोर्ट ने बिगाड़ा बाजार का गणित, तीन साल के निचले स्तर पर पहुंचा दाम

नई दिल्ली। स्टीलकी कीमतें एक बार फिर से गिर रही हैं। इसकी वजह इंपोर्टेड स्टील है। स्टील के कुछ प्रॉडक्ट्स के दाम तो इस तेजी से घटे हैं कि प्राइस गिरते-गिरते तीन साल के न्यूनतम स्टर पर आ गई हैं। ऐसे में घरेलू स्टील निमार्ता चाहते हैं कि सरकार स्टील पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी करे। साथ ही जिन देशों से मुक्त व्यापार संधि या फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है, उसकी भी समय समय पर समीक्षा हो।मार्केट रिसर्च फर्म बिगमिंट एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय हॉट रोल्ड कॉइल्स की कीमतें अप्रैल 2022 में 76,000 रुपये प्रति टन के उच्चतम स्तर से गिरकर 51,000 रुपये प्रति टन पर आ गई हैं। कोल्ड रोल्ड कॉइल्स की कीमत अप्रैल 2022 में 86,300 रुपये प्रति टन के उच्चतम स्तर से गिरकर 58,200 रुपये प्रति टन पर आ गई है। कीमतों में कमोडिटी पर 18 प्रतिशत जीएसटी शामिल नहीं है। भारत में स्टील की कीमतों में कमी का मुख्य कारण आयात में वृद्धि होना है। तभी तो घरेलू स्टील की कीमतें तीन साल के निचले स्तर पर आ गई हैं। बिगमिंट ने अपनी रिपोर्ट में कहा है ह्वभारत में एचआरसी और सीआरसी की दरें अपने तीन साल के निचले स्तर पर कारोबार कर रही हैं। आयात में उछाल ने घरेलू कीमतों को प्रभावित किया है, जिससे मांग प्रभावित हुई है।ह्व आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही के दौरान आयात 2023-24 की समान अवधि के 1.15 मीट्रिक टन से 68 प्रतिशत बढ़कर 1.93 मिलियन टन हो गया। इस क्षेत्र के जानकार बताते हैं कि भारत में स्टील की कीमतें घटने की मुख्य वजह से चीन से आने वाला स्टील है। दरअसल, इस सयम इंपोर्टेड स्टील पर 7.5% की इंपोर्ट ड्यूटी है। लेकिन स्मार्ट इंपोर्टर यह ड्यूटी भी नहीं चुकाते। दरअसल, भारत का आसियान देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट या एफटीए है। इसके साथ ही सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड और जापान से भी एफटीए है। भारत के कुछ आयातक मंगाते तो चाइनीज स्टील ही हैं, लेकिन उसका बिल फटता है सिंगापुर, मलेशिया, थाइलैंड, जापान, वियतनाम जैसे देशों में। भारत के लिए माल भी वहीं के किसी बंदरगाह से चलता है। इस तरह से चाइनीज स्टील भारतीय बाजार में ड्यूटी फ्री आ जाता है। भारत के कुछ बड़े स्टील निमार्ताओं ने सरकार से स्टील पर आयात ड्यूटी को 7.5% से बढ़ा कर एक बार फिर से 12.5% करने की मांग की है। इनका कहना है कि चीन से होने वाले सस्ते स्टील का आयात देशी इंडस्ट्री को तबाह कर रहा है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने खालापुर में खरीदी 90 एकड़ जमीन

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने महाराष्ट्र के रायगढ़ के खालापुर में 90 एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस भूमि पर करीब 17 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र में विकास की संभावना है, जिसमें मुख्य रूप से आवासीय भूखंड विकास शामिल है। हालांकि, कंपनी ने इससे जुड़ी वित्तीय जानकारी नहीं दी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आवासीय भूंखंड विकास ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण गति हासिल की है। खालापुर की आने वाले समय में अच्छी मांग होगी। गोदरेज हिलव्यू एस्टेट को मिली अच्छी प्रतिक्रिया के बाद हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना है। खालापुर मुंबई से करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित है।

वोल्टास का पहली तिमाही में मुनाफा बढ़कर 335 करोड़

नई दिल्ली। एयर कंडीशनर विनिर्माता व इंजीनियरिंग सेवा प्रदाता वोल्टास लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में मुनाफा दोगुना होकर 335 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली अप्रैल-तिमाही में मुनाफा 129.42 करोड़ रुपये था। टाटा समूह की कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पहली तिमाही में उसने एसी की 10 लाख इकाई की बिक्री रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की। इस तिमाही में उसकी कुल आय 5,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई। समीक्षाधीन तिमाही में वोल्टास की परिचालन आय 46.46 प्रतिशत बढ़ी। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 3,359.86 करोड़ रुपये थी। अप्रैल-जून तिमाही में वोल्टास का कुल खर्च 41.44 प्रतिशत बढ़कर 4,520.40 करोड़ रुपये हो गया। वोल्टास की कुल आय 45.81 प्रतिशत बढ़कर 5,001.27 करोड़ रुपये रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंदुओं पर हिंसा...

कारण बताओ नोटिस का बदला लेने के लिए हिंडनबर्ग ने सेबी को निशाना बनाया है। साथ ही नोटिस से ध्यान भटकाने और झूठी कहानी गढ़ने का प्रयास किया है। केसवन ने कहा, जुलाई में सेबी प्रमुख ने हिंडनबर्ग को नोटिस जारी किया था। इसमें उनसे शेयर बाजार के नियमों का उल्लंघन करने को लेकर जवाब मांगा गया था। इसके एक महीने बाद हिंडनबर्ग ने कारण बताओ नोटिस के जवाब में एक निराधार रिपोर्ट जारी की।उन्होंने राहुल गांधी की तुलना ग्रेग चैपल से करते हुए कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट का सहारा लेकर कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया हिट एंड रन की तरह काम कर रहा है। वह हमारे शेयर बाजार और नियामकों को बदनाम करने और वित्तीय प्रणाली को अस्थिर करने के लिए यह सब कर रहा है। उन्होंने अदाणी समूह की जांच को लेकर 2023 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से सेबी को दिए गए आदेश का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अदाणी समूह के मामले में एसआईटी जांच से इन्कार कर दिया था और सेबी की जांच को व्यापक बताते हुए भरोसा जताया था। सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग की गतिविधियों और आचरण की जांच करने के लिए भी सेबी को कहा था। इसके बाद सेबी ने कारण बताओ नोटिस दिया। इससे साफ है कि यह रिपोर्ट बदले की भावना से जारी की गई है। कांग्रेस को लेकर सीआर केसवन ने कहा कि 2014 में हमारी अर्थव्यवस्था नाजुक थी। यूपीए सरकार ने एनपीए और क्रोनी कैपिटलिज्म को बढ़ावा दिया। इससे शेयर बाजार अस्थिर हुआ। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था सुधरी है। हम जल्द ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। केसवन ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जनता की ओर खारिज की गई कांग्रेस डर और दहशत पैदा करने की कोशिश कर रही है। लेकिन वह सफल नहीं होंगे।रिपोर्ट के कंधे पर बंदूक रखकर गोली चलाने को लेकर उन्होंने कांग्रेस पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब भी कोई रिपोर्ट आती है तो कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन उसके कंधे पर गोली क्यों चलाती है?इसका क्या मकसद है? जिसकी कोई विश्वसनीयता नहीं है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि रिपोर्ट पूरी तरह से सुनियोजित लगती है। राहुल गांधी और कांग्रेस संपूर्ण अर्थव्यवस्था, वित्तीय प्रणालियों को नुकसान पहुंचाना और अस्थिर करना चाहते हैं। विदेशी रिपोर्ट आमतौर पर झूठ पर आधारित होती है। कांग्रेस और उसके पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा इसे पकड़ लिया जाता है। इन विदेशी रिपोर्टों और उनके निर्माता का राहुल गांधी से का क्या संबंध है? ऐसा लगता है कि राहुल गांधी का एजेंडा केवल दहशत और अस्थिरता पैदा करना है ताकि भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा की जा सके।गौरतलब है, अमेरिका की कंपनी हिंडनबर्ग ने 10 अगस्त को एक रिपोर्ट जारी कर दावा किया था कि सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति ने मॉरीशस की उसी ऑफशोर कंपनी में निवेश किया है, जिसके माध्यम से भारत में अदाणी ग्रुप की कंपनियों में निवेश करवाकर अदाणी ने लाभ उठाया था। उसने कहा कि इसे व्यापार का गलत तरीका माना जाता है। वहीं भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), उसकी प्रमुख बुच तथा उनके पति ने अदाणी की कंपनियों के प्रति नरमी बरतने के आरोपों को सिरे से नकार दिया है। बुच ने दावों को निराधार बताया और कहा कि इसमें कुछ भी सच्चाई नहीं है। वहीं, बाजार नियामक ने कहा है कि चेयरपर्सन माधवी बुच ने समय-समय पर प्रासंगिक खुलासे किए हैं। चेयरपर्सन ने संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग कर लिया था। उसने अदाणी समूह के खिलाफ लगे सभी आरोपों की जांच की है। सेबी ने बताया कि जिन मामलों में जांच पूरी हुई, उनमें कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

ध्यान हटाने के...

लंबी कानूनी लड़ाई से भी कंपनी को जूझना पड़ा। सेबी से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में मामला गया।हिंडनबर्ग को जुलाई 2024 में सेबी ने कारण बताओ नोटिस भेजा। इसके अगले ही महीने जब बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ और हिंदुओं पर हमले की 200 से अधिक घटनाएं संयुक्त राष्ट्र तक गूंजने लगी, तभी हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट आ जाती है। नई रिपोर्च पुरानी सूचनाओं की खिचड़ी है। जिसे जारी करने के लिए टाइमिंग का बखूबी ध्यान रखा गया।धवल बुच का 35 वर्षों से भी अधिक का करियर रहा है कॉर्पोरेट वर्ल्ड में। हिंडनबर्ग का यह दावा झूठा है कि ब्लैकस्टोन नामक कंपनी में उन्हें पद दिया गया। जबकि धवल बुच का रियल एस्टेट को लेकर कोई अनुभव नहीं था। क्या कॉर्पोरेट वर्ल्ड में कोई ऐसा व्यक्ति एमडी, सीईओ या एडवाइजर नहीं बन सकता, जो पहले इन पदों पर न रहा हो? ब्लैकस्टोन के रियल एस्टेट विभाग से धवल बुच का कोई लेना-देना नहीं था, ऊपर से माधवी पुरी ने सेबी में ब्लैकस्टोन से जुड़े मामलों में खुद को रेक्युज़ल लिस्ट में रखा है। जो लोग सेबी की कार्यप्रणाली से परिचित हैं, उन्हें पता है कि संस्था का अध्यक्ष कोई तानाशाह नहीं होता या फिर वो चाह कर भी एकतरफा फैसले नहीं ले सकता। अब आप सोचिए, बोर्ड में कई सदस्य होते हैं और वो कई हितधारकों और यहां तक की आम जनता से भी राय लेकर फैसले लेते हैं, ऐसे में आखिर कैसे माधवी पुरी ब्लैकस्टोन को फायदा पहुंचा सकती हैं? उनके पति जब इस कंपनी में गए, तब तो वो सेबी की चेयरपर्सन बनी भी नहीं थीं। ऊपर से निवेश का जो मामला लेकर आया गया है वो 2015 का है।मामला 9 साल पहले का है, जबकि माधवी पुरी 2018 में सेबी में पूर्णकालिक सदस्य बनती हैं। उससे पहले वो कॉर्पोरेट जगत में पदाधिकारी थीं। वेतन और बोनस से लेकर निवेश तक से पैसे कमाए इस दंपति ने, इसमें बुरा क्या है? धवल बुच यूनिलीवर में लंबे समय तक कार्यरत रहे, पत्नी माधवी आईसीआईसीआई में बड़े पदों पर रहीं। वो आईआईएम से पढ़ी हैं, उनके पति आईआईटी से निकले हुए हैं। क्या दोनों मिल कर 35 वर्षों में 84 करोड़ रुपए की संपत्ति नहीं बना सकते? ये असंभव तो नहीं है अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में शीर्ष पदों पर रहने वालों के लिए।हिंडनबर्ग का ये रिपोर्ट पूरी तरह शातिराना है। जिस आईपीई प्लस फंड की बात हो रही है, उसका अब तक अडाणी समूह की किसी भी कंपनी से कोई संबंध नहीं निकला है। हिंडनबर्ग ने ऐसा कोई दस्तावेज नहीं दिया है, जिससे प्रतीत हो कि इस कंपनी में अडाणी समूह का या फिर अडाणी समूह का इस कंपनी में निवेश हो। इंडिया इन्फोलाइन कह रही है कि ये एक वैध फंड था जो सारे नियमों की परीक्षण प्रक्रिया से होकर गुजरा है और सब कुछ पारदर्शी है।हिंडनबर्ग कहता है कि माधवी पुरी ने 2018 में सेबी से जुड़ने के बाद कंपनी से अपने पैसे निकाल लिए। ये तो अच्छी बात होनी चाहिए, क्योंकि इससे हितों के टकराव का जो आरोप लग रहा है वो खत्म ही हो गया। कॉर्पोरेट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाले लोगों के कई देशों में निवेश होते हैं, जब सारी सूचनाएं उन्होंने सेबी को पहले से दे रखी है तो उसे सार्वजनिक कर के हिंडनबर्ग क्या साबित करना चाहता है? साफ़ है, कुछ बातें जो आम जनता को नहीं पता है उन बातों को नकारात्मक माहौल बना कर पेश करना ही इनकी मंशा है। अडाणी समूह ने अपने वित्तीय लेनदेन को खुली किताब बताया है। हिंडनबर्ग इस पूरे आरोप को अनिल आहूजा पर खेल रहा है, जो कभी अडाणी की कंपनी में बड़े पद पर हुआ करते थे। 2017 में वो अडाणी समूह से अलग हो गए, तो हिंडनबर्ग का मानना गई कि ऊपर जिस कंपनी का जिक्र है उसमें बुच दंपति ने पैसे लगाए, कंपनी अडाणी के आदमी की थी, इसीलिए सेबी का अडाणी से कनेक्शन था। जबकि बुच दंपति ने बयान जारी कर के बता दिया है कि अनिल आहूजा और धवल बुच बचपन के दोस्त हैं, दोनों ने आईआईटी दिल्ली से पढ़ाई की है। ऊपर से अनिल आहूजा कई बड़े कंपनियों से जुड़े रहे हैं, केवल अडाणी समूह से ही नहीं। फिर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का आधार ही गलत है। हां, इसे सही कहा जा सकता था जब अनिल आहूजा अब भी अडाणी की कंपनी में होते। और एक और मजेदार बात, क्या आपको पता है बुच दंपति की उस कंपनी में कितने शेयर थे? डेढ़ प्रतिशत।जी हां, मात्र 1.5 प्रतिशत शेयर। सवाल ये है कि क्या कोई 2 लोग जिनका किसी फंड में मात्र डेढ़ प्रतिशत शेयर हो वो उस फंड को अपने इशारे पर नचा सकते हैं और ये तय कर सकते हैं कि वो किससे क्या डील करेगा? खासकर उस कंपनी में जहां इस तरह के निवेशक नहीं बल्कि इन्वेस्टमेंट मैनेजर ये सब तय करते हैं। लेकिन नहीं, हिंडनबर्ग ने ऐसा साबित करने की कोशिश की है जैसे उक्त कंपनी धवल और माधवी की ही हो। कौन सा नशा लेकर इस रिपोर्ट को तैयार किया गया है? ऐसी स्थिति में बाजार के लिए यही प्रार्थना की जा सकती है कि भगदड़ की स्थिति न बने और निवेशक शांत रहें, जब शेयरों के भाव गिरें तब खरीद की जाए। पिछली बार अडाणी के शेयरों के भाव गिरे थे, जिन्होंने खरीदा उन्होंने खूब फायदा कमाया। वित्तीय वर्ष 2024 में अडाणी समूह ने 55% का लाभ कमाया, इतनी नकारात्मकता के बावजूद। शेयरों के भी भाव बढ़े। अडाणी के खाद्य उत्पाद भी बिकते हैं, कंपनी के पास पोर्ट्स से लेकर जमीन तक अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर है, ऐसे में जो सोचते हैं कि कंपनी सिर्फ कागज पर ही लाखों करोड़ की है और ये डूब जाएगी, वह गलत हैं।जिस एगोरा नामक कंपनी में धवल बुच और माधवी पुरी का हिस्सा बताया गया है, इसका जिक्र आपको धवल बुच के लिंक्डइन प्रोफाइल पर भी मिल जाएगा। यानी, सब कुछ उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी घोषित कर रखा है, ऊपर से वो कह रहे हैं कि नियामक संस्थाओं को इस बारे में सूचित किया ही गया था। फिर इसमें गड़बड़ कहां है? ये भी आरोप लगाया गया कि रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट को लेकर माधवी पुरी मुखर थीं, ब्लैकस्टोन भी रियल एस्टेट में डील करता है तो ये हितों का टकराव है। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट भारत में उभरता हुआ क्षेत्र है लेकिन फिर भी अमेरिका वगैरह से वो काफी पीछे है। ऐसे में विश्-लेषकों का भी मानना है कि शॉपिंग मॉल से लेकर दफ्तरों वगैरह के लिए रियल एस्टेट में निवेश और फिर निवेशकों को उससे मिलने वाले मुनाफे वाली व्यवस्था भारत में अभी और बढ़ेगी। अब भारत को वैश्विक शक्तियों से प्रतियोगिता करनी है तो निवेश आकर्षित करने के लिए नियम बनाने होंगे, कुछ नियमों में बदलाव करना होगा, कारोबार आसान होता जाए यही तो सेबी का काम है।

पिछले 2 वर्षों में सेबी द्वारा 300 से अधिक सर्कुलर जारी किए जाने की बात बताई गई है, तो इसमें से एकाध से ब्लैकस्टोन को सहूलियत मिल ही गई हो तो इससे क्या साबित होता है? निवेशकों और कारोबारी कंपनियों का काम और कठिन बनाना थोड़े न भारत सरकार और इसकी संस्थाओं का काम है। हां, हिंडनबर्ग चाहता है कि भारत के सारे नियम-कानून कठिन होते चले जाएं और देश 1991 से पहले वाली नेहरूवादी व्यवस्था में जाकर तबाह हो जाए, तो अलग बात है।ऊपर से भारत का एक गिरोह विशेष लगातार अडाणी समूह और मोदी सरकार को भला-बुरा कहने में लगा है इस रिपोर्ट के आधार पर। अडाणी समूह को लेकर सिर्फ एक जांच की रिपोर्ट आनी बाक़ी है। सुप्रीम कोर्ट जनवरी 2024 में ही अडाणी को क्लीनचिट दे चुका है। तब तक 24 में से 22 मामलों की जांच पूरी हो चुकी थी, मार्च में एक और की हो गई। सिर्फ एक बाकी है। सेबी ने स्पष्ट बताया है कि वो सिर्फ ठएखढ ही नहीं, जिस भी एसेट क्लास में देश को फायदा है उन सभी को बढ़ावा देता है। दुनिया के कई देशों में उथल-पुथल मचाने के लिए फंडिंग करने वाले अरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस के भारत को लेकर नापाक इरादे अब तक सबको पता है और वो यहां अभिव्यक्ति की आज़ादी को लेकर चिंता भी जता चुके हैं, ऐसे में उनकी फंडिंग वाले संगठन ओसीसीआरपी द्वारा भी अडाणी पर लगाए गए आरोपों को सुप्रीम कोर्ट नकार चुका है। एसआईटी जांच भी नकार दी गई। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने खुद इस पीठ की अध्यक्षता की थी। उन्होंने कहा था कि किसी तीसरी संस्था की बिना सबूत की रिपोर्ट को आधार नहीं बनाया जा सकता।हिंडनबर्ग के खिलाफ जिन अनियमितताओं के आरोप लगे हैं और उसे जो नोटिस जारी किया गया है, बिना दबाव के उस दिशा में कार्रवाई जारी रहेगी। खासकर ऐसी स्थिति में जब महुआ मोइत्रा जैसी टीएमसी सांसद पोस्ट पर पोस्ट करती है और वीडियो बनाती है तो लग जाता है कि गिरोह की मंशा नेक नहीं है। दर्शन हीरानंदानी याद होंगे आपको? महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता चली गई थी और आवास खाली करना पड़ा था, इसी में कारण छिपा है उनके आज के विरोध का। उन पर आरोप लगे थे कि उन्होंने दुबई स्थित कारोबारी दर्शन हीरानंदानी को फायदा पहुंचाने के लिए संसद में सवाल पूछे और बदले में महंगे-महंगे तोहफे लिए जिसमें पर्स से लेकर आईफोन तक शामिल था। बड़ी बात तो ये पता चली कि सवाल ऐसे-ऐसे थे जिनसे अडाणी को नुकसान हो और उनके प्रतिद्वंद्वियों को फायदा। अब आप समझ जाइए, उनकी सक्रियता का कारण। विपक्ष के सभी नेता भी अपना-अपना उल्लू सीधा करने में लगा हुआ है। इनका निशाना भारतीय बाजार है, भारत की अर्थव्यवस्था है।तर्क बार-बार ये दिया जा रहा है कि ये स्मॉल रिटेल इन्वेस्टर्स के साथ धोखा है, यही बात राहुल गांधी वीडियो जारी कर के कह रहे हैं। बाजार गिराने और भारत के तीसरे सबसे बड़े कंपनी समूह के तबाह होने से छोटे निवेशकों को क्या फायदा होगा? साफ़ है, उन्हें बड़ा नुकसान होगा। अब समझ जाइए छोटे निवेशकों के पक्ष में हैं ये लोग या विपक्ष में। आपको पता है पिछली बार हिंडनबर्ग ने अडाणी के शेयरों को शॉर्ट कर के कितनी कमाई की थी? लगभग 344 करोड़ रुपए। जी हां, संगठन ने खुद 4.10 मिलियन डॉलर कमाई की बात कबूली थी।

बांग्लादेश ...

यह हमारे धर्म का भी हिस्सा है कि हमें अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए। मैं अपने अल्पसंख्यक भाइयों से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, देश अराजकता के दौर से गुजर रहा है। पुलिस खुद अच्छी स्थिति में नहीं है, इसलिए मैं समाज से आग्रह करता हूं कि अल्पसंख्यकों की रक्षा करें। वे हमारे भाई हैं और हम सभी एक साथ बड़े हुए हैं।बांग्लादेश के गोपालगंज शहर में सोमवार को हिंदुओं पर हुए हमलों के खिलाफ हजारों लोगों का हुजूम उमड़ा। लोगों ने मानव श्रृंखला बनाई और देश के विभिन्न हिस्सों में अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन किया। शहर के प्रेस क्लब के सामने बंगबंधु रोड पर धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के बैनर तले रैली आयोजित की गई। मौके पर जिला पूजा उद्यापन परिषद के अध्यक्ष मृणाल कांति रॉय चौधरी, पूर्व अध्यक्ष डॉ असित कुमार मलिक और अन्य ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देशभर में अल्पसंख्यक समुदाय पर अत्याचार हो रहे हैं। हिंदुओं के मंदिरों, घरों और दुकानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने घटनाओं की तत्काल जांच करने और दोषियों को गिरफ्तार कर न्याय के कठघरे में लाने की मांग की।

जहानाबाद के ...

कोई देखरेख करने वाले नहीं होने के कारण दर्शन करने वाले श्रद्धालु मनमानी कर रहे थे। धक्का-मुक्की करते हुए आगे बढ़ रहे थे। दो तरफ से रास्ता खुलने के कारण ऊपर काफी भीड़ हो जाती है। इसी कारण भगदड़ मची। मेरे परिवार से एक 20 साल की लड़की (निशा कुमारी) की मौत हो गई। एक लाश गाड़ी में पड़ी है। वह 35 साल के युवक की लाश है। अगर विधि व्यवस्था दुरुस्त रहती तो 35 साल का युवक नहीं मरता। एक मासूम बच्चे की मां मर गई है। वह रो-बिलख रहा है। उसे कोई देखने वाला है। एक-एक एंबुलेंस में चार-चार लोगों की लाशें लोड कर भेजी गई है।प्रत्यक्षदर्शी मनोज ने बताया कि अगर प्रशासन ने अच्छा काम किया होता, तो फूल विक्रेता झगड़ा नहीं करता। हमलोगों के सामने ही विवाद हुआ था। इतने सारे श्रद्धालु वहां फंसे हुए थे, किसी ने मुझे वहां से निकाला। अगर मैं एक या दो मिनट और वहां फंसा रहता, तो मेरी भी मौत हो जाती। पुलिस मौके पर कहीं नजर नहीं आ रही थी। मामले में जदयू के जिलाध्यक्ष ने बताया कि बराबर में हादसा हुआ है। सात लोगों की मौत हो गई। घायलों का इलाज चल रहा है। जहानाबाद के बाराबर स्थित सिद्धेश्वर धाम में सोमवारी को लेकर भीड़ काफी बढ़ गई थी। इसी बीच अचानक भगदड़ मच गई।

समय से पहले...

अभी तक किसी भी चुनाव की तैयारी छह-सात माह पहले नहीं हुई है।इस तरह माना जा रहा है कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव पहले हो सकते हैं। इस साल के अंत में महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड व जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव होने हैं। लिहाजा दिल्ली में भी विधानसभा के चुनाव इन राज्यों के साथ हो सकते हैं। अगले वर्ष फरवरी माह में दिल्ली विधानसभा के अलावा अन्य किसी राज्य के विधानसभा चुनाव होने तय नहीं है।

शुभेंदु अधिकारी...

त्वरित कार्रवाई की तो बात ही छोड़ दें।सुभेंदु अधिकारी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी ऐसा ही पत्र लिखा था। उन्होंने जयशंकर से कहा था, मैं आपसे हाथ जोड़कर आग्रह करता हूं कि कृपया गंभीर स्थिति में हस्तक्षेप करें और बांग्लादेश के हिंदुओं को बचाने की कोशिश करें। आपके पास जो भी राजनयिक और अन्य साधन हैं, कृपया इनका उपयोग यह संदेश देने के लिए करें कि सांप्रदायिक हिंसा की ये घटनाएं अब अस्वीकार्य हैं। बांग्लादेश के हिंदू इस जरूरत के समय में आपका इंतजार कर रहे हैं। लेकिन भारत सरकार ने क्या किया, यह सब देश की जनता के सामने है।

बांग्लादेश में हिंसा...

2013 से लेकर अब तक बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की 3600 से भी अधिक घटनाएं हो चुकी हैं।

बांग्लादेश से हिंदुओं के दुःखद पलायन को याद करते हुए पत्र में आग्रह किया गया है कि उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए। चुने हुए जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने स्तर पर इस मामले को उठाने और भारत सरकार द्वारा उच्चतम स्तर पर इसका समाधान करने के लिए कदम उठाने की अपील की गई है। साथ ही भारतीय संसद से इसके खिलाफ प्रस्ताव पारित करने के लिए कहा गया है। पत्र में अपील की गई है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिल कर हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, पीड़ितों को सहायता से लेकर शरण दिए जाने तक के विकल्पों पर विचार हो।इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में लेखक विक्रम संपत, अमिश त्रिपाठी, लेखक आनंद रंगनाथन, जानेमाने वकील जे साई दीपक, अभिनव अग्रवाल, अरुण कृष्णन, हर्ष गुप्ता मधुसूदन, स्मिता बरुआ, वैज्ञानिक आनंद रंगनाथन और इंजीनियर योगिनी देशपांडे शामिल हैं। सभी 57 बुद्धिजीवियों ने एक सुर में दोहराया है कि भारतीय संसद द्वारा इस हिंसा को हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा की मान्यता दी जाए। साथ ही उन खबरों का रेफरेंस भी लगाया गया है, जिसमें हिंदुओं पर हमले की बातें हैं। भारत का इस्लामी-वामपंथी गिरोह लगातार इन हमलों को नकार रहा है। बुद्धिजीवियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा रोकने में आगे आने के लिए भारतीय संसद से भी अपील की है। पत्र लिखने वाले प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि उनका मकसद वहां हो रही हिंसा की ओर वैश्विक समुदाय का ध्यान आकर्षित करना है।पत्र में लिखा गया है कि हाल के दिनों में मेहेरपुर में इस्कॉन सेंटर और देश के अन्य इलाकों में कई अन्य मंदिरों को जला दिया गया। उनमें तोड़फोड़ की गई। हिंसाओं के वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि दंगाई हिंदुओं को मारने-पीटने के बाद उत्सव मना रहे हैं। यह अत्यंत दुखद है। इस तरह की घटनाएं पूरे बांग्लादेश में देखी जा रही हैं। वहां पहले भी ऐसी घटनाएं होती रही हैं। वर्ष 2013 से अब तक इस देश में हिंदुओं पर हमले की 3600 से अधिक घटनाएं घट चुकी हैं। वहां की सेना ने आश्वासन दिया था कि अल्पसंख्यकों की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी। लेकिन, हिंदुओं की रक्षा के लिए कोई कोशिश नहीं की गई। हिंदू परिवारों के घरों और परिवारों को पुलिस और सेना के जवानों ने ही लूटा, उन्हें मारा और अपमानित किया।

मंगलवार के दिन इन मंत्रों का जाप करें, मिलेगी मनचाही नौकरी और होगी तरक्की!

मंगलवार का धार्मिक महत्व बहुत उच्च माना जाता है । धार्मिक दृष्टिकोण से, मंगलवार को मंगल ग्रह के प्रकार और गुणों के आधार पर विशेष महत्व दिया जाता है। मंगलवार को हिंदू धर्म में मंगलवार व्रत का दिन माना जाता है जिसे भगवान हनुमान और मंगल ग्रह की पूजा अर्चना के लिए विशेष महत्व दिया जाता है। मंगलवार को हनुमान जी की पूजा करने से भक्तों को उनकी कृपा मिलती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसके अलावा, मंगलवार को भगवान शिव और माता पार्वती का विशेष पूजन किया जाता है, जिनकी कृपा से भक्तों को धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति होती है।

इसके अलावा, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भी मंगलवार को विशेष महत्व दिया जाता है, जिसे अनुसार जातकों की कुंडली में मंगल की स्थिति और दशा का अध्ययन किया जाता है। मंगलवार को पूजन और व्रत करने से व्यक्ति को धार्मिक और मानवता के प्रति समर्पण का अवसर मिलता है, जो उन्हें आध्यात्मिक और शारीरिक उत्थान में मदद करता है।

मंगलवार के मंत्र और उनके लाभ हैं:

ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।

इस मंत्र का जाप करने से भगवान मंगल (मंगल ग्रह) की कृपा प्राप्त होती है और व्यक्ति को मंगल, सौभाग्य, ऊर्जा, और साहस मिलता है।

ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः भौमाय नमः।

इस मंत्र का जाप करने से मंगल ग्रह की शुभ दशा बढ़ती है और व्यक्ति को सफलता, साहस, और संतुलन प्राप्त होता है।

ऊँ अंगारकाय नमः.

इस मंत्र का जाप करने से मंगल ग्रह के अनुकूल प्रभाव में वृद्धि होती है और व्यक्ति को रोगों से मुक्ति, रक्षा, और स्थिरता प्राप्त होती है।

इन मंत्रों का नियमित जाप करने से व्यक्ति की जीवन में संतुलन, सफलता, और खुशहाली की प्राप्ति होती है। यह मंत्र शुभ कार्यों के लिए विशेष रूप से उपयोगी माने जाते हैं।

एक जलहरी में हैं दो शिवलिंग... यह है मान्यता, 700 फीट ऊंची पहाड़ी पर विराजे हैं अलोपी शंकर महादेव

नगर के प्राचीनतम शिवमंदिर अलोपीशंकर एक हजार वर्ष पुराना है। जिसमें एक जलहरी में दो पिंडियां विराजमान हैं। ऐसा बताया जाता है कि एक हजार साल पहले सिद्ध बाबा बौद्ध गिरी के अदृश्य होने के बाद उनके स्थान से यह दो पिंडियां प्रकट हुई थीं। जो अपने आप में खास है, क्योंकि आमतौर पर एक जलहरी में एक ही पिंडी मौजूद रहती है।

हजारों की संख्या में लोग अभिषेक करने पहुंचते हैं

अलोपीशंकर की प्रसिद्धि दूरदराज तक हैं। सावन मास में जहां अलोपीशंकर के दर्शन करने जिलेभर के लोग पहुंचते हैं। वहीं अन्य प्रांतों से भी हजारों की संख्या में लोग अभिषेक करने पहुंचते हैं। कैलारस में 700 फीट ऊंची पहाड़ी पर अलोपीशंकर महादेव का मंदिर है। इसके लिए लोग 560 सीढ़ियां चढ़कर दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

अलोपी शंकर महादेव मंदिर पर प्रतिदिन ही भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन सावन मास में यहां

हजारों की संख्या में लोग अन्य प्रांतों से भी पहुंचते हैं।

✲ अलोपी शंकर महादेव मंदिर पर सैकड़ों की संख्या में कांवड़ चढ़ाई जाती हैं। ऐसी किवदंती है कि इस मंदिर को लाखा बंजारे ने बनवाया था।

✲ ऐसा माना जाता है कि लाखा बंजारा शक्कर की बोरियां लेकर बाजार जा रहा था उसी समय सिद्ध बाबा ने उनसे बोरियों के बारे में पूछा था।

✲ तब उपहास करते हुए लाखा ने बोरियों में नमक होने की बात कही थी, लेकिन जब लाखा बाजार पहुंचता तो बोरियों में से शक्कर की जगह नमक ही निकला था।

✲ इसके बाद वह भागता हुआ पहाड़ी पर पहुंचा, तो वहां से बौद्ध गिरी बाबा अलोप हो चुके थे। उनके बैठने के स्थान से ही दो शिवलिंग निकली। जिन्हें लोग अलोपीशंकर महादेव के नाम से जानते हैं।

✲ अलोपी शंकर मंदिर पर प्रतिदिन भंडारों का आयोजन किया जाता है। पिछले दस वर्ष से अखण्ड रामायण हो रही है और अखण्ड दीपक चलाया जा रहा है।

बस और निजी साधन से आसानी से पहुंच सकते है अलोपी शंकर मंदिर

अलोपी शंकर महादेव कैलारस नगर में ही मौजूद है। जहां से नेशनल हाइवे 552 गुजरता है। अलोपी शंकर महादेव के लिए मुरैना से बस के जरिए कैलारस पहुंचा जा सकता है। जहां से पैदल ही पहाड़ी पर चढ़कर लोग दर्शन कर सकते हैं। नेशनल हाइवे पर होने की वजह से आवागमन का बेहद सुगम साधन है। हर पांच मिनट में कैलारस के लिए बस उपलब्ध रहती है। वहीं अब जल्द ही रेल सुविधा भी उपलब्ध होगी। ग्वालियर से श्योपुर तक बनाई जा रही ब्राडगेज लाइन का स्टेशन कैलारस में मौजूद है, जहां जल्द ही रेल का संचालन भी शुरू हो जाएगा।

दसभुजा वाले गणेश के पास हैं 10 शक्तियां

मध्य प्रदेश के उज्जैन को धार्मिक नगरी के नाम से जाना जाता है। उज्जैन में कई ऐसे देवी-देवता विराजमान हैं, जिनके अलग-अलग महत्व हैं। ऐसे में उज्जैन के चक्रतीर्थ श्मशान घाट में एक ऐसा मंदिर स्थापित है। जो 10 भुजा नाम से प्रसिद्ध है। इस मंदिर में हर बुधवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर में श्रृंगार किया जाता है। इस तरह का भव्य इकलौता मंदिर पूरे विश्व में कहीं और नहीं है। उज्जैन के चक्रतीर्थ श्मशान घाट के गणेश मंदिर के गर्भगृह में भगवान श्री गणेश की चमत्कारी और दुर्लभ प्रतिमा स्थापित है। इस तरह का मंदिर पूरी दुनिया में कहीं और नहीं है।

यह पूरी दुनिया का इकलौता गणेश भगवान का मंदिर है, जो दसभुजा नाम से प्रसिद्ध है। इस 10 भुजाओं वाली प्रतिमा में भगवान गणेश के हाथों में अलग-अलग तरह की 10 शक्तियां हैं। वह इस मंदिर में अपनी पुत्री माता संतोषी को भी लेकर बैठे हैं। जहां वह उन्हें आशीर्वाद दे रहे हैं। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि लोग मनोकामना पूरी करने के लिए गणेश जी की उल्टी परिक्रमा करते हैं। जहां मनोकामना पूरी होने पर भक्त सीधी परिक्रमा करते हैं। इसके साथ ही श्रद्धालु मनोकामना का धागा भी बांधते हैं। मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। बुधवार को गणेश मंदिर में दिनभर भारी भीड़ रहती है।

बता दें कि भगवान श्री गणेश की यह प्रतिमा चमत्कारी मानी जाती है। यहां की ऐसी मान्यता है कि मंदिर में 5 बुधवार दर्शन-पूजन करने से श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इस मंदिर में बुधवार को भगवान गणेश का विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। यहां गणपति उत्सव भी बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसके साथ ही पूजा अर्चना व अभिषेक के साथ विशेष आयोजन होते हैं। यहां गणपति उत्सव भी बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

इस गणेश मंदिर में अनेकों श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ण होने के लिए उल्टा स्वास्तिक बनाते हैं। बताया जाता है कि मंदिर में उल्टा स्वस्तिक बनाकर कार्य पूर्णता के लिए मनोकामना मांगी जाती है। वहीं, मनोकामना पूर्ण होने पर सीधा स्वस्तिक बनाकर श्रद्धालु भगवान का पूजा-अर्चना करते हैं। जहां भगवान गणेश जी से आशीर्वाद बनाए रखने की कामना भी करते हैं।

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि चक्रतीर्थ श्मशान घाट पर भगवान मंगल ने ही 10 भुजाधारी गणेश की स्थापना की थी। इस मंदिर में उन्होंने 14 सालों तक घोर तपस्या भी की थी। पुराणों में कहा गया है कि 10 भुजाधारी गणेश की तपस्या से उन्हें भगवान ओंकारेश्वर की तपस्या करने का ज्ञान प्राप्त हुआ। इसके बाद 16 सालों तक तपस्या करने के बाद भगवान ओंकारेश्वर ने उन्हें शिवलिंग के रूप में मंगलनाथ मंदिर में स्थापित होने का आशीर्वाद दिया था। जहां से वह जनकल्याण कर जन-जन की पीड़ा दूर कर रहे हैं। इस प्रकार यह गणेश मंदिर अपने आप में अनूठा है।

जीवन की कई समस्याओं को दूर करता है मोरपंख

6 उपाय बदल देंगे किस्मत,जानिए कहां और कैसे रखना होगा शुभ

मोर पंख को काफी शुभ माना जाता है और यह भगवान श्रीकृष्ण को भी अति प्रिय है। वे मोर मुकुट लगाते हैं। वहीं पूजा के स्थान पर भी आपने कई बार मोर पंख रखा देखा होगा लेकिन क्या आप जानते हैं मोर पंख से कई तरह के उपाय किए जा सकते हैं और ये उपाय काफी सरल, अचूक और असरदार हो सकते हैं। इन उपायों को करने से आपकी जिंदगी में कई तरह के बदलाव आ सकते हैं. आइए जानते हैं

धन लाभ के उपाय

मोर पंख में काला धागा बांधकर अपने पर्स में रखिए। ऐसा करने से आपको अचानक धन लाभ होता है और यह आपको होने वाले नुकसान से भी बचाएगा।

बुरे सपने से बचने के लिए

यदि आपको डरावने सपने आते हैं तो आप मोर पंख को बेड पर अपने तकिये के नीचे रखकर सोएं। ऐसा करने से आपको कभी भी बुरे सपने नहीं आएंगे।

मोर पंख से करें सफाई

मंदिर की सफाई के लिए आप हमेशा मोर पंख का उपयोग करें। इसके साथ ही पितृों की तस्वीर भी मोर पंख से ही साफ करें। इससे आपको पितृों का आशीर्वाद मिलता है और ऋण कम होता है।

दांपत्य जीवन में आएंगी खुशियां

यदि आप विवाहित हैं तो अपने बेडरूम में मोर पंख जरूर रखें। इससे आपके बीच प्यार बढ़ेगा और आपने दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी।

शत्रु का नाश

मोर पंख पर हनुमान जी के चरणों से सिंदूर लेकर शत्रु का नाम लिखें और उसे रात में मंदिर में रख दें। इसके अगले दिन इसे जल में प्रवाहित कर दें। इससे शत्रु का नाश होगा।

राहु को करें खुश

लंबी मोर पंख की डंडियों पर आप एक सुपारी अर्पित करें और फिर गंगाजल का छिड़काव कर रां राहवे नम: मंत्र का 21 बार जाप करें। ऐसा करने से आपको राहु शुभ फल देंगे।

बनारस के 9 मंदिर जहां पहुंचते ही खुल जाती है किस्मत, भक्तों की लगती है हर रोज भीड़

क्या आप बनारस घूमने की योजना बना रहे हैं? अगर हां तो ये खबर आपके काम की है। आज हम आपको बताएंगे कि बनारस में कुछ ऐसे मंदिर हैं जिनके बारे में शायद ही कोई जानता होगा। जैसा कि आप जानते होंगे कि बनारस को मंदिरों का शहर कहा जाता है। बनारस भारतीय संस्कृति और धर्म का महत्वपूर्ण केंद्र है और यहां कई प्रमुख मंदिर स्थित हैं। ये मंदिर न केवल धार्मिक महत्व के साथ ही पर्यटन के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक महत्व-पूर्ण हैं। यहां बनारस के दस प्रमुख मंदिरों के नाम विस्तार से दिए जा रहे हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर:- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसका निर्माण भगवान शिव के शिवलिंग के लिए किया गया है। यह मंदिर हिंदू धर्म का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है और दिन-रात भक्तों का आगमन होता है।

धूंधिराज गणपति मंदिर :- यह मंदिर भगवान गणेश को समर्पित है और इसे काशी का एक प्रमुख गणेश मंदिर माना जाता है।

संत रविदास मंदिर :- यह मंदिर संत रविदास को समर्पित है और इसे विशेष रूप से उनके भक्तों द्वारा पूजनीय माना जाता है।

तुलसी मंदिर :- यह मंदिर महाकवि तुलसीदास को समर्पित है और इसे उनके श्रद्धालुओं द्वारा बहुत ध्यान दिया जाता है।

भूतेश्वर नाथ मंदिर :- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसे शिवभक्तों द्वारा बहुत श्रद्धा से देखा जाता है।

संतोषी माता मंदिर :- यह मंदिर माँ संतोषी को समर्पित है और यहां भक्तों की भीड़ दिन-रात बनी रहती है।

संत व्यास मंदिर :- यह मंदिर महर्षि व्यास को समर्पित है और इसे ध्यान और ध्यान की जगह के रूप में माना जाता है।

भैरव नाथ मंदिर :- यह मंदिर भगवान भैरव को समर्पित है और यहां उनके भक्तों द्वारा पूजा जाता है।

आनंदमाई माता मंदिर :- यह मंदिर माँ आनंदमाई को समर्पित है और यहां उनकी पूजा की जाती है।

भैरवी नाथ मंदिर :- यह मंदिर भगवान भैरवी नाथ को समर्पित है और यहां उनकी पूजा की जाती है।

ये थे कुछ प्रमुख मंदिर जो बनारस में स्थित हैं, जिन्हें स्थानीय और बाहरी भक्त ध्यान देते हैं और इन्हें धार्मिक और पर्यटन के उद्देश्यों के लिए देखा जाता है।

कीर्ति सुरेश की रघु ताथा का मजेदार ट्रेलर रिलीज

साउथ फिल्मों की खूबसूरत और अभिनय में पक्की एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश एक बार अपने दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही हैं। कीर्ति की अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा फिल्म रघु ताथा का मजेदार ट्रेलर रिलीज हो गया। रगु ताथा में कीर्ति का रोल बेहद सीधा सादा होने के साथ-साथ तेज-तर्रार भी मालूम पड़ रहा है। रघु ताथा के ट्रेलर में कीर्ति ही छाई हुई हैं।रघु ताथा के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है। ट्रेलर में कीर्ति सुरेश का बेहद चुलबुला अंदाज भी देखने को मिल रहा है। हर सीन में कीर्ति अपने फैंस का दिल जीतने का काम कर रही है। यह एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म साबित होने वाली है। बता दें, फिल्म रघु ताथा को सुमन कुमार ने डायरेक्ट किया है। कांतारा और केजीएफ के मेकर्स फिल्म रघु ताथा लेकर आए हैं। वहीं। फिल्म रघु ताथा को सेंसर बोर्ड ने हाल ही में यू (यूनिवर्सल) सर्टिफिकेट सौंप है, यानी फिल्म सेंसर बोर्ड के नजर में हर सीन में पास हो गई है।फिल्म में कीर्ति ने एक सशक्त महिला के किरदार में नजर आने वाली हैं, जिसमें वह हिंदी थोपे जाने का विरोध करती दिखेंगी।ट्रेलर के कुछ सीन में वह शरारती अंदाज में हिंदी सीखती भी दिख रही हैं।कीर्ति के साथ-साथ फिल्म में एमएस भास्कर, रविंद्र विजय, देवदर्शिनी, राजीव रविंद्रनाथन और जया कुमार अहम रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में सेन रॉल्डन का म्यूजिक है।

टीएस सुरेश एडिटिंग और यामिनी यग्नामूर्ति ने सिनेमैटोग्राफी का काम संभाला है।वहीं, 15 अगस्त पर रघु ताथा का बॉक्स ऑफिस पर विक्रम की तंगलान, अंधाघन औ डिमोट कॉलोनी 2 से होगा। इस दिन साउथ और हिंदी सिनेमा से कुल चार फिल्में पहले ही रिलीज होने जा रही है।

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक का हॉट लुक देख मदहोश हुए फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही कहर बरपाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान सैटिन ब्लू कलर का सिंपल गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए तारीफ करते नहीं थकते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाया है।नेहा मलिक ने अपने आउटलुक कंप्लीट करने के लिए बालों को ओपन किया है और साथ ही लाइट मेकअप कर के अपने लुक को निखारा है।एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल फैंस फॉलो करते हैं। नेहा मलिक के कई लुक ऐसे होते है जोकि लोगों के बीच ट्रेंड करता है।

'मैंने अभिषेक संग शादी कर ली लेकिन उन पर कभी....', आखिर ऐश्वर्या ने क्यों कही थी ये बात?

बॉलीवुड के गलियारों से इन दिनों अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन को लेकर कोई ना कोई अपडेट सामने आता रहता है। ये दोनों बीते काफी दिनों से एक साथ नजर नहीं आ रहे हैं। जिसके चलते अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के तलाक को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, हाल ही में एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक बच्चन ने कहा कि उनका तलाक नहीं हुआ और हम दोनों शादीशुदा हैं। इस तरह से दोनों की तलाक की खबरों पर विराम लग गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि अभिषेक बच्चन कभी उनके क्रश नहीं थे।

ऐश्वर्या राय बच्चन से छोटे हैं अभिषेक बच्चन

एटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने साल 2016 में एक टॉक शो के दौरान कहा था कि उनका अभिषेक बच्चन को लेकर कभी क्रश नहीं रहा है। ऐश्वर्या राय बच्चन से सवाल किया था कि उन्हें कभी अभिषेक बच्चन या अपनी उम्र से छोटे लड़के पर क्रश रहा है। इस पर ऐश्वर्या राय बच्चन ने कहा था, 'मैंने शादी कर ली और मेरे पति उम्र में मुझसे छोटे हैं। लेकिन मेरा उन पर कभी भी क्रश नहीं था। हम लोग दोस्त थे। यहां तक कि जब मेरी उनसे शादी हुई तब भी मुझे ऐसा कुछ महसूस नहीं हुआ। मुझे स्कूल या कॉलेज में अपने से छोटे लड़के पर कभी क्रश नहीं रहा।' बता दें कि ऐश्वर्या राय बच्चन अपने पति अभिषेक बच्चन से 2 साल बड़ी हैं।

ऐश्वर्या पर था अभिषेक को क्रश

बताते चलें कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने साल 2007 में शादी की थी। दोनों के घर पर साल 2011 में बेटी आराध्या ने जन्म लिया था। गौरतलब है कि अभिषेक बच्चन ने साल 2021 में एक इंटरव्य के दौरान कहा था कि साल 1997 में वह फिल्म 'और प्यार हो गया' के शूटिंग सेट पर पहली बार ऐश्वर्या से मिले थे। वह फिल्म के सेट पर प्रोडक्शन बॉय के तौर पर मौजूद थे। इसके बाद उनकी ऐश्वर्या से दोस्ती हो गई और पहली मुलाकात के बाद से उन पर क्रश हो गया था।

अभिनेत्री श्रीति झा ने शब्बीर अहलूवालिया को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

एक्ट्रेस श्रीति झा ने अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया को उनके 45वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्हें सबसे कूल दोस्त बताते हुए श्रीति ने कहा कि वह हमेशा सब का दिन खास बना देते हैं।टेलीविजन अभिनेत्री ने कैप्शन में सबसे पहले शब्बीर का एक कोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, आपके पास हमेशा किसी का दिन खराब करने और उसे बेहतर बनाने के बीच चुनने का विकल्प होता है। हमेशा बाद वाले को चुनने की कोशिश करें - शब्बीर अहलूवालिया।इसके बाद श्रीति ने लिखा, वह हमेशा सब का दिन बना देता है। बेहतर है ऐसा करते रहो उड़ता करेला - शब्बीर अहलूवालिया (बेशक यह दुनिया के सभी फ्रेज में मेरा पसंदीदा फ्रेज है)। हैप्पी बर्थडे शब्बीर अहलूवालिया। आप सबसे अच्छे दोस्त हैं।श्रीति और शब्बीर ने टेलीविजन शो कुमकुम भाग्य में साथ काम किया है। वे शो में प्रज्ञा और अभि की भूमिकाओं में दिखे और उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई।शब्बीर ने 1999 में हिप हिप हुर्रे से शोबिज की दुनिया में कदम रखा, जहां उन्होंने पूरब की भूमिका निभाई। लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा ख्याति मिली क्योंकि सास भी कभी बहू थी में उनके काम से।इसके बाद उन्हें संजीवनी, क्या हादसा क्या हकीकत, कहीं तो मिलेंगे, काव्यांजलि, कसम से, कसौटी जिंदगी की, कयामत और लागी तुझसे लगन जैसे शो में देखा गया।साल 2007 में उन्होंने शूटआउट एट लोखंडवाला से फिल्मों में अपनी शुरुआत की। इसके बाद उन्हें मिशन इस्तांबुल में देखा गया, जो 2008 में रिलीज हुई थी। अभिनेता ने फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी, नच बलिए, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स - अब इंडिया तोड़ेगा और डांसिंग क्वीन के साथ रियलिटी शो में भी काम किया है।

मेरी सिर्फ एक गर्लफ्रेंड है, जब सलमान खान ने भरी महफिल में लिया था इस एक्ट्रेस का नाम

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सुपरस्टार सलमान खान अपनी फिल्मों से ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में छाए रहते हैं। सलमान खान ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है। सलमान खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में आ जाते हैं। सलमान खान ने भले ही शादी ना की हो लेकिन उनकी कई गर्लफ्रेंड रही हैं। सलमान खान का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह कह रहे हैं कि उनकी एक गर्लफ्रेंड है और इस एक्ट्रेस का नाम लिया। आइए जानते हैं कि सलमान खान ने किस एक्ट्रेस का नाम लिया है।

सलमान खान ने बताया था अपनी गर्लफ्रेंड का नाम

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के मोस्ट एलिजिबल बैचलर सलमान खान की लव लाइफ काफी चर्चित रही है। 58 साल के सलमान खान ने अब तक शादी नहीं की है। हालांकि, सलमान खान की जिंदगी में ऐश्वर्या राय, संगीता बिजलानी, सोमी अली, कटरीना कैफ सहित कई गर्लफ्रेंड रही हैं। सलमान खान के शो 'दस का दम' का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान एक बच्चे ने सलमान खान से सवाल किया, 'आपकी फेवरेट गर्लफ्रेंड कौन है?' इस पर सलमान खान ने कहा, 'मेरी सिर्फ एक गर्लफ्रेंड है।' फिर सलमान खान कहते हैं, 'नाम क्या है?' बच्चे ने कहा, 'कटरीना।' सलमान खान कहते हैं, 'ये बोल रहा है कि मेरी गर्लफ्रेंड कटरीना है। मुझे ये पता नहीं था कि बच्चा-बच्चा जानता है।

सलमान खान की आने वाली मूवीज

सलमान खान ने आगे कहा, 'मैं तो ये समझ रहा हूं कि मैं इसे सीक्रेट लेकर घूम रहा हूं।' सलमान खान बच्चे से पूछते हैं, 'आपको कैसी लगती है?' बच्चे ने हंसते हुए कहा, 'अच्छी लगती है।' सलमान खान बच्चे को फनी अंदाज में डांटते हैं और मुस्कुराते हुए कहते हैं,'मुझे भी अच्छी लगती है।' सलमान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछली बार साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर 3' में नजर आए थे। अब सलमान खान की पाइपलाइन में 'किक 2', 'सिकंदर', 'टाइगर वर्सेज पठान', 'दबंग 4' जैसी कई फिल्में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है। आज पानी का जरुरतमंदों को दान और सेवा करना चाहिए आत्मीयशान्ति मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। आप माता-पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा। वैवाहिक जीवन के उजले पहलू का अनुभव करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है । व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूद इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने जीवन-साथी के साथ प्यार, अपनापन और स्नेह महसूस करें। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्कतें आ सकती हैं। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र-बिंदु रहेंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपके लिए यह उत्साह वर्धक दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है,आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अगर आप सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, तो आप नए दोस्त बना सकते हैं। आप के दिल की धड़कनें आपके प्रिय के लिए ज्यादा ही धडकेगी, कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। आपका जीवनसाथी आपको पाकर ख़ुद को ख़ुशनसीब समझता है; इन पलों का भरपूर उपयोग करें। आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। यह अच्छा वक़्त है जो आपके लिए क़ामयाबी और ख़ुशहाली लाएगा। इसके लिए आपको अपनी कोशिशों और अपने परिवार से मिलने वाले सहयोग का शुक्रगुज़ार होना चाहिए। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। आपके हँसने-हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। ऐसा कोई जिसके साथ आप रहते हैं, आज आपके किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। समय मुफ़्त ज़रूर है पर बेशक़ीमती भी है, इसलिए अपने अधूरे कार्यों को निपटाकर आप आने वाले कल के लिए निश्चिंत हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों के साथ शाम बिताना या ख़रीदारी करना मज़ेदार और रोमांचक रहेगा। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज अपना समय व्यतीत करेंगे ।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 13 अगस्त 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रात: 09:33 तक
नक्षत्र : विशाखा प्रात: 10:44 तक
योग : ब्रह्म सायं 04:32 तक
करण : बव प्रात: 09:33 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री दुर्गा अष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में लगातार बारिश से बिगड़े हालात

कई जिलों में स्कूल बंद

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है और स्कूलों में सोमवार को छुट्टी की घोषणा की गई है। राजधानी जयपुर में बीते चौबीस घंटे में रिकॉर्ड 118 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है। जयपुर में कल दोपहर बाद से ही रुक रुक कर बारिश हो रही है। कई इलाकों में सोमवार को सुबह लगभग पांच बजे शुरू हुई तेज बारिश रुक रुक कर नौ बजे तक जारी थी। इससे अनेक निचले इलाकों में पानी भर गया। भारी बारिश को देखते हुए शिक्षा विभाग की ओर से राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में स्कूलों में सोमवार को अवकाश की घोषणा की गई है।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक, बीते चौबीस घंटे के दौरान जयपुर हवाई अड्डे पर 118 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। राज्य के अनेक जिलों में कई दिन से हो रही बारिश व आगामी कई दिन मानसून सक्रिय रहने की चेतावनी के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उच्चाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हरसंभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन गतिविधियों को अधिक सक्रिय बनाने के लिए निर्देश दिए। राज्य में बारिश जनित हादसों के कारण बीते चौबीस घंटे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो चुकी है। आपदा राहत प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार करौली और हिंडौन में भारी बारिश के कारण अनेक जगह जलभराव की स्थिति है।

मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा संभाग के कई भागों में आगामी 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कई इलाकों में अगले 3-4 दिन मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है।

459 लोगों ने नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर का लाभ उठाया

अजमेर,12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अजयमेरु प्रेस क्लब, सावन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल और पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में रविवार 11 अगस्त को अजमेर में विशाल निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में 459 लोगों ने ज्योतिषीय लाभ उठाया। लोगों ने स्वास्थ्य, कर्ज मुक्ति, बच्चों की शादी, मकान आदि के बारे में प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा को शांत किया। लोगों ने वैदिक जन्म कुंडली लाल किताब हस्त रेखा मस्तिष्क रेखा वास्तु अंकगणित रमण केपी पद्धति आदि विधाओं से अपनी समस्या का ज्योतिषीय परामर्श लिया।

प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र गुंजल ने बताया कि विशाल निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में 459 लोगों ने जोतिषीय समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। ज्योतिष परामर्श शिविर में भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने 189 लोगों की जन्मकुंडली के माध्यम से ज्योतिषीय समस्याओं का समाधान किया। जिसमें वैदिक, जन्मकुंडली, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, टैरो कार्ड, लाल किताब, केपी सहित अन्य विधाओं के 15 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य ने लोगों की समस्याओं का समाधान दिया। निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में जयपुर के अलावा जोधपुर उदयपुर कोटा नई दिल्ली अहमदाबाद इंदौर भोपाल सूरत मुंबई के विद्वान ज्योतिषाचार्य ने अपनी सेवाएं दी।

आयोजक सत्यनारायण झाला और हरीश शर्मा ने बताया कि ने बताया कि निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर के मुख्य अतिथि चित्रकूट धाम के महंत पाठक महाराज, प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेंद्र गुंजल और भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने सभी विद्वान ज्योतिषियों को मोमेंट और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। विशाल निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में शमशेर सिंह, सुकांत पांडे, सकेत राज भारद्वाज, विश्वास भट्ट, नीता शर्मा, शिवानी गौतम, नितिका शर्मा, हेमा टांक, रंजीता व्यास, सुमन राठौड़ प्रमोद कुमार शर्मा और दिनेश भट्ट सहित अन्य ज्योतिषी ने अपनी सेवाएं दी।

भजनलाल का प्रदेशवासियों से बारिश में अपनी सुरक्षा का ध्यान देने का आग्रह

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जारी भारी बरसात के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर प्रदेशवासियों से आग्रह किया हैं कि वे इस समय जल भराव क्षेत्र में नहीं जाएं और प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें।

श्री शर्मा ने सोमवार को यहां अपना वीडियो जारी कर यह आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से निरंतर बरसात का दौर चल रहा हैं और कई स्थानों पर वर्षा ने पिछले रिकार्ड भी तोड़ दिए हैं। मैं स्वयं भी स्थिति पर नजर रखे हुए हूं, कुछ स्थानों पर जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति बनी हुई हैं। कई स्थानों पर नदियों एवं बांधों में पानी का तेज बहाव हैं और बांधों में पानी की आवक तेज हो गई हैं। ऐसे में अपनी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए नदी, तालाब, पोखर आदि स्थानों पर नहाने से बचे और निचले स्थानों पर फंसे लोग विशेष रुप से अपना ध्यान रखे।

उन्होंने कहा कि बिजली के पोल एवं तारों से दूरी बनाकर रखे। इस समय भवनों में बने बेंसमेंट का उपयोग करने से भी बचना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति में पशुओं का भी ध्यान रखना चाहिए और जरुरत होने पर उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी बरसात का दौर आगे भी चलने की संभावना हैं, ऐसे में मौसम विभाग की अपील एवं चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए और सभी जरुरी सावधानियां बरतनी चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों के साथ हैं और इस समय प्रभावित जिलों में बचाव एव राहत टीमें काम कर रही हैं। उन्होंने राज्य सरकार की प्रभावित लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए और प्रशासन के निर्देशों का पालन क,रे हम सब आपके सुरक्षा के लिए लगातार तत्पर हैं। उन्होंने निवेदन किया कि बच्चे जल भराव क्षेत्र में नही जाये यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी प्रधानाचार्य की गिरफ्तारी की मांग

सिरसा,12 अगस्त (एजेंसियां)।

जनवादी महिला समिति की सिरसा इकाई ने राज्य सरकार से जींद जिला के डूमर खां खुर्द गांव में एक दस वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोपी प्रधानाचार्य को तुंरत गिरफ्तार करने की मांग की है।

समिति की सिरसा इकाई की जिलाध्यक्ष रेखा ,सचिव बलबीर कौर व कोषाध्यक्ष नीलम ने बताया कि जींद जिला के गांव डूमरखां खुर्द गांव में एक निजी स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का बेहद दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। गांव में आरोपी पक्ष द्वारा पंचायत कर पीड़ित पक्ष पर मामला वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है।

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति इस पूरे प्रकरण पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूलों में छोटी- छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीडऩ के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। शिक्षा के मंदिरों में ही बच्चियां अगर सुरक्षित नहीं हैं तो अभिभावक किस पर भरोसा करेंगे। उक्त मामले में प्रिंसिपल ने दस साल की चौथी कक्षा की बच्ची को स्कूल के बाथरूम में ले जाकर हवस का शिकार बनाया। किसी को बताने पर प्रिंसिपल ने पिटाई करने की धमकी दी। अब इस मामले को दबाने के लिए पंचायतें हो रही हैं। आरोपी को पुलिस द्वारा फरार बताया जा रहा है। समिति मांग करती है कि आरोपी प्रिंसिपल को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, ऐसी दरिंदगी करने वाले को किसी भी सूरत में ना बक्शा जाए, कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित की जाए।

ट्रेलर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की मौत

उदयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान में उदयपुर जिले के कुराबड थाना क्षेत्र में एक ट्रेलर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि कुराबड थाना क्षेत्र के खाखरा घाटी में गत रात्रि करीब 11 बजे ट्रेलर एवं मोटरसाईकिल की आमने सामने भिडन्त हो गई। जिसमें तीन युवको की मौत हो गई। मृतकों में एक युवक लालपुरा का रहने वाला है जबकि दो गुडल के निवासी है। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतकों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं।

सरकार बनने पर भाजपा-कांग्रेस से लेंगे 20 साल का हिसाब : अभय चौटाला

हिसार, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

इंडियन नेशनल लोकदल के महासचिव अभय सिंह चौटाला ने सोमवार को कहा कि इनेलो-बहुजन समाज पार्टी गठबंधन की सरकार बनने पर कांग्रेस के 10 और भाजपा के 10 यानी 20 सालों का हिसाब लिया जायेगा।

श्री चौटाला हिसार जिला के उपमण्डल बरवाल की कपास मंडी में आयोजित इनेलो- बसपा गठबंधन के लोकसभा स्तरीय साझा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चुनाव सामने देखकर कोरे वायदे और घोषणायें कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में कांग्रेस और भाजपा आपस में मिली हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुडा भाजपा से 10 साल का हिसाब मांग रहे हैं, लेकिन पहले वह प्रदेश की जनता को हिसाब दें कि किस प्रकार से उन्होंने प्रदेश को लूटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का मतदाता भाजपा और और कांग्रेस दोनों से दुखी है। दोनों ने लोकसभा चुनाव में नूरा कुश्ती की थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों को एमएसपी और कर्मचारियों को पक्की नौकरी देने का जो वादा कर रही है अब वह सिर्फ चुनावी जुमले हैं और लोग अब इनके बहकावे में नहीं आयेंगे। बसपा के आकाश आनंद ने इस अवसर पर कहा कि आने वाला समय बसपा और इनेलो गठबंधन का है। उन्हें लगता है कि बसपा के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ विधानसभा चुनाव में इनेलो का कार्यकर्ता भी कमर कस चुके हैं।

कानोता बांध में डूबने से पांच युवकों की मौत

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान की राजधानी जयपुर के कानोता बांध में पिकनिक मनाने गये पांच युवकों की डूबने से मौत हो गई। जयपुर के शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले छह युवक रविवार को कानोता बांध पर घूमने गए थे। तभी नहाते समय एक साथी डूब गया। जिसे बचाने के प्रयास में पांच साथी पानी में कूद गए। हालांकि इनमें से एक राज बृजवासी जैसे-तैसे सुरक्षित बाहर निकल आया।मृतकों की पहचान हर्ष नागौरा, विनय मीना, विवेक माहोर, अजय माहोर और हरकेश मीना के रूप हुई है। घटना की सूचना पर पुलिस एवं प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया और देर रात पांचों युवको के शव बाहर निकाले गये।

बागडे से बाघमार की मुलाकात

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे से सोमवार को यहां प्रदेश की सार्वजनिक निर्माण एवं महिला बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने मुलाकात की।

श्री बागडे से श्रीमती बाघमार ने राजभवन में यह मुलाकात की जो उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल से राज्य के पुलिस महानिदेशक यू आर साहू ने भी मुलाकात की। श्री बागडे से श्री साहू की भी यह शिष्टाचार भेंट थी।

सैनी ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर तीन योजनाओं का किया शुभारंभ

चंडीगढ, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को पंचकूला में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ड्रोन दीदी योजना, कॉन्ट्रैक्टर सक्षम युवा योजना व आईटी सक्षम युवा योजना का लोकार्पण किया।

श्री सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित नमो ड्रोन दीदी योजना राज्य में लागू की गई है। इस योजना के तहत वर्ष 2025 तक 500 महिलाओं तथा स्वयं सहायता समूह की 5000 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा और स्वयं सहायता समूहों को एक ड्रोन मुहैया कराया जाएगा, जो कृषि क्षेत्र में किसानों की सहायता करेगा। उन्होंने ड्रोन और अन्य उपकरणों को खरीदने के लिये एसएचजी को 80 प्रतिशत या अधिकतम आठ लाख रु की सब्सिडी देने की घोषणा की। इस कार्य पर लगभग 54 करोड़ रुपये की लागत आयेगी।

उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्टर सक्षम युवा योजना के तहत इंजीनियरिंग की डिग्री और डिप्लोमा करने वाले 10 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जायेगा ताकि वे अपना व्यवसाय शुरू कर सकें और कॉन्ट्रैक्टर बन सकें। इन युवाओं को हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद उन्हें एक साल के लिये तीन लाख रु तक का ब्याज मुक्त ऋण भी दिया जाएगा। इस प्रकार ऐसे युवा पंचायती राज संस्थाओं और निकायों में 25 लाख रुपए तक के ठेके ले सकेंगे।

श्री सैनी ने कहा कि आईटी क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिये स्किल यूनिवर्सिटी द्वारा नेटवर्किंग, मोबाइल फोन आदि तकनीकी क्षेत्र में पाठ्यक्रम तैयार किये जायेंगे, जिससे युवाओं को विभिन्न विभागों और निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने सक्षम युवा योजना के तहत पंजीकृत युवाओं को मिलने वाले बेरोजगारी भत्ते में बढ़ोतरी की घोषणा की।

अजमेर में हुआ तिरंगा अभियान का आगाज

अजमेर, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान के अजमेर में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर घर तिरंगा अभियान का आगाज हुआ। अजमेर प्रशासन, पुलिस एवं केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा अन्य ने तिरंगा यात्रा निकाल कर राष्ट्र भावना की अलख जगाने तथा राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष एवं अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी ने तिरंगा यात्रा को बजरंग चैराहे से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उन्होंने मीडिया से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से यह अद्भुत अभियान चलाया जा रहा है। यह सभी के लिए आन-बान-शान का प्रतीक है।श्री देवनानी ने सभी से देश रक्षा का प्रण लेने का आवाह्न करते हुए इस बात पर चिन्ता जतायी कि पड़ोसी मुल्कों के कारण वर्तमान परिस्थितियां चिन्ताजनक है।

तुंगभद्रा बांध की क्षति आकस्मिक नहीं थी मामले की सीबीआई जांच हो : जनार्दन रेड्डी

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हो कार्रवाई

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो। गंगावती विधायक जनार्दन रेड्डी ने कहा कि तुंगभद्रा बांध का वार्षिक रखरखाव ठेकेदार कौन है? उन्हें कितने करोड़ का भुगतान किया गया है? उन्होंने सरकार से उसका खुलासा करने की मांग की। विधायक जनार्दन रेड्डी, जिन्होंने तुंगभद्रा जलाशय में उखड़े हुए 19वें क्रेस्टगेट का अवलोकन किया, ने बाद में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा तुंगभद्रा जलाशय का प्रबंधन किसे दिया गया है? इसके लिए सभी सरकारें जिम्मेदार हैं। शिवकुमार का कहना है कि यह अचानक है, इससे सहमत होने का सवाल ही नहीं उठता। मैं तुंगभद्रा बांध मामले में किसी पर व्यक्तिगत आरोप नहीं लगा रहा हूं। लेकिन इस गैरजिम्मेदारी और लापरवाही की सीबीआई जांच होनी चाहिए। यदि आप गेट ठीक नहीं करेंगे तो कोई उसे ठीक कर देगा। लेकिन ये हमारे हिस्से के किसानों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। उन्होंने मांग की कि सरकार को इसकी पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में बांध के गेट की जांच एवं रखरखाव किया जाना चाहिए।

सरकार ने कोई काम नहीं किया। केंद्र सरकार ने पुराने बांधों के रखरखाव के लिए एक टीम का गठन किया है। क्या उसने इसे जोड़ा? ये सब मायने रखता है। इसके लिए सरकार बहुत सारा पैसा खर्च करती है। उन्होंने आपत्ति जताई है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार इनमें से किसी भी नियम का पालन नहीं कर रही है। अगर सही तरीके से प्रबंधन किया गया होता तो यह घटना नहीं होती। इसमें सरकार की लापरवाही सामने आती है। हालाँकि यह एक त्रि-राज्य मुद्दा है, यह हमारे नियंत्रण में है। मैं किसी राजनीतिक मकसद से नहीं बोल रहा हूं।

बांध को बचाने के लिए दुनिया में उपलब्ध सभी प्रकार की तकनीक का उपयोग करके इसका तुरंत प्रबंधन किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि विजयनगर जिले के होसपेट के पास तुंगभद्रा जलाशय में क्रेस्ट गेट नंबर 19 की चेन लिंक शनिवार देर रात टूट गई, जिससे नीचे की ओर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया, क्योंकि गेट से लगभग 35,000 क्यूसेक पानी बह रहा है। जलाशय के अधिकारियों ने तत्काल अलर्ट जारी कर लोगों से नदी में न जाने को कहा, क्योंकि कभी भी पानी का बहाव 2 लाख क्यूसेक तक बढ़ सकता है। जलग्रहण क्षेत्र में बारिश कम होने के कारण जलाशय में पानी का बहाव कम हो गया, जिसके कारण शनिवार को बांध के अधिकारियों ने डिस्चार्ज को करीब 28,000 क्यूसेक कम कर दिया, ताकि जलाशय का पूर्ण स्तर (एफआरएल) 1633 फीट बना रहे और कुल भंडारण 105.788 टीएमसीएफटी हो। क्रेस्ट गेट नंबर 19 की चेन लिंक रात करीब 10.50 बजे टूटने के बाद टूटे गेट पर दबाव कम करने के लिए सभी 33 क्रेस्ट गेट खोल दिए गए। डिस्चार्ज धीरे-धीरे बढ़ता गया और रविवार सुबह एक लाख क्यूसेक तक पहुंच गया। अधिकारियों ने कहा कि स्काउटिंग और गाइडिंग गतिविधियों में दक्षता के स्तर को कम करने के लिए डिस्चार्ज बढ़ाया गया था। घटना के बाद शनिवार रात कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री शिवराज थंगदागी और विधायक राघवेंद्र हितनाल ने जलाशय का दौरा किया और इसका निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में 19वें गेट की हकीकत पता कर उसकी मरम्मत कराना संभव नहीं है। यदि मरम्मत करनी है तो जलाशय से 65 टीएमसी पानी निकालना होगा। 120 टीएमसी क्षमता वाले तुंगभद्रा जलाशय में आधा पानी खत्म करने की जरूरत है। 1633 फीट पानी में 20 से 25 फीट पानी की निकासी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 19वें गेट से 35 क्यूसेक पानी जा रहा है और बाकी 30 गेट से कुल एक लाख क्यूसेक पानी की निकासी हो रही है। इस घटना को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के संज्ञान में लाया गया है। उनके इस स्थान का दौरा करने की भी संभावना है। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मरम्मत कार्य करने का निर्देश दिया।

तटीय जिलों में इस मानसून में 30 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इस साल के मानसून सीजन में अभी डेढ़ महीने बाकी हैं, लेकिन तटीय जिले पहले ही अपने वार्षिक वर्षा लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं। आमतौर पर, इस क्षेत्र में जून और सितंबर के बीच 3,101 मिमी बारिश की उम्मीद की जाती है। हालांकि, 9 अगस्त तक, इस क्षेत्र में पहले ही 2,939 मिमी बारिश हो चुकी थी। आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण कन्नड़ में 17 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई, जबकि उडुपी और उत्तर कन्नड़ में क्रमशः 20 प्रतिशत और 42 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। कुल मिलाकर, इस समय तक सामान्य 2,268 मिमी के बजाय, सभी तीन जिलों में 2,939 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो 30 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मानसून 30 मई को केरल में प्रवेश कर गया और 2 जून तक तटीय कर्नाटक में पहुँच गया। हालांकि, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में जून के मध्य तक भारी बारिश नहीं हुई। जुलाई के बाद ही बारिश की तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। दक्षिण कन्नड़ जिले में, बेलटांगडी तालुक में सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई, बंटवाल में 10 प्रतिशत, मेंगलूरु में 14 प्रतिशत, पुत्तूर में 2 प्रतिशत, सुल्लिया में 25 प्रतिशत, मूडबिद्री में 26 प्रतिशत, कडाबा में 14 प्रतिशत, मुल्की में 14 प्रतिशत और उल्लाल में सामान्य से 4 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। उडुपी जिले के कुंडापुर में सामान्य से 57 प्रतिशत अधिक बारिश हुई, करकला में 14 प्रतिशत, उडुपी में 19 प्रतिशत, बिंदूर में 26 प्रतिशत, ब्रह्मवर में 29 प्रतिशत और हेबरी में सामान्य से 17 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। पिछले साल, तटीय क्षेत्र में 19 प्रतिशत कम बारिश हुई थी। 9 अगस्त, 2023 तक, 15 प्रतिशत की कमी थी। हालांकि, इस साल बारिश औसत से 30 प्रतिशत अधिक हुई है।

विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर राज्य प्राथमिक विद्यालय शिक्षक संघ की ओर से हजारों शिक्षकों ने फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों के बाहर चले जाने और विरोध प्रदर्शन के कारण सरकारी स्कूलों में कक्षाएं बाधित हो गईं। राज्य भर के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन कर अपनी मांगों को पूरा करने की मांग की। सरकार ने आदेश जारी किया है कि 2017 के कैडर और भर्ती नियम 2016 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर लागू नहीं होंगे और मूल रूप से कक्षा 1 से 7 और 8 के लिए नियुक्त शिक्षकों को पीएसटी के रूप में नामित किया गया है और उन्हें कक्षा 1 से 5 तक पदोन्नत कर दिया गया है। इससे करीब 1.20 लाख शिक्षकों के साथ अन्याय होगा। इसलिए प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने इस आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की है। 2016 से पहले नियुक्त शिक्षकों को स्नातक योग्यता रखने वाले सभी सेवारत शिक्षकों को एनसीटी नियमों के अनुसार वरिष्ठता के साथ जीपीटी शिक्षकों के रूप में फिर से नामित किया जाना चाहिए। पूर्ववर्ती हाई स्कूल पदोन्नति नियमावली के अनुसार 2016 से पहले नियुक्त और बीएड की डिग्री प्राप्त करने वाले प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को रिक्ति तक हाई स्कूल में पदोन्नति दी जानी चाहिए। बाद में नवनियुक्त जीपीटी शिक्षकों पर विचार किया जाए। मांगों पर शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा के साथ असफल बैठक के मद्देनजर राज्य भर के शिक्षक विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं।

बेंगलूरु में बारिश से जनजीवन प्रभावित

भाजपा ने सिद्धरामैया सरकार के कुप्रबंधन पर उठाया सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लगातार बारिश ने सोमवार को आईटी सिटी बेंगलूरु में जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ ने सबसे ज्यादा असर डाला। इस पर भाजपा ने सिद्धरामैया सरकार के कुप्रबंधन को उजागर किया। बेंगलूरु दक्षिण से सांसद और भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा सुबह-सुबह कुछ घंटों की बारिश के बाद बेंगलूरु में जलभराव और बाढ़ ने एक बार फिर शहर में नगरपालिका नेतृत्व की कमी को उजागर किया है। ब्रांड बेंगलूरु का मतलब है प्रौद्योगिकी नवाचार, बेजोड़ प्रतिभा पूल और समृद्ध स्थानीय संस्कृति। दुख की बात है कि केवल यातायात, जलभराव, गड्ढे और कचरा प्रबंधन के मुद्दे ही हमारे ब्रांड की पहचान बन रहे हैं। सूर्या ने कहा मैंने इस बात पर प्रकाश डाला था कि शहर में 3-5 साल के कार्यकाल वाले सीधे निर्वाचित मेयर की कमी है, जिसे शहर के शहरी बुनियादी ढांचे के लिए जवाबदेह ठहराया जा सके। लंदन, न्यूयॉर्क और पेरिस जैसे वैश्विक शहरों में ऐसे मजबूत और शक्तिशाली मेयर हैं जो केवल शहर की जरूरतों को देखते हैं। मेयर को भूल जाइए। इस समय बेंगलूरु में पार्षद भी नहीं हैं और आम नागरिक को बीबीएमपी अधिकारियों से संपर्क करने या सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने कहा लंबे समय से, हमने बेंगलूरु की यातायात समस्या और खराब शहरी बुनियादी ढांचे के लिए बैंड-एड समाधान लागू किए हैं, बजाय इसके कि इसे एक सुव्यवस्थित नगर नियोजन निकाय के नजरिए से देखा जाए। ऐसे समाधान केवल लक्षण को ठीक करते हैं और समस्या का समाधान नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अन्य शहरी स्थानों में पैदल चलने योग्य फुटपाथ, लेआउट गार्डन और सख्त यातायात और पार्किंग नियम भी हैं - जिससे पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलती है। मेट्रो, उपनगरीय रेलवे और बस प्रणाली को एक दूसरे का पूरक होना चाहिए और बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन लैंड ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (बीएमएलटीए) सही दिशा में एक कदम था। वर्तमान सरकार ने न तो बीएमएलटीए के गठन के लिए कोई कदम उठाया है और न ही उसने यातायात इंजीनियरों को शहर के यातायात प्रबंधन की योजना बनाने के लिए कोई शक्ति सौंपी है। जब तक हम शहर की योजना नहीं बनाते और अपने लेआउट पर फिर से काम नहीं करते, ब्रांड बेंगलूरु एक सपना ही बना रहेगा। बेंगलूरु इससे बेहतर का हकदार है। इस बीच, भारतीय मौसम विभाग ने बेंगलूरु और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक जिलों के लिए एक सप्ताह के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, चामराजनगर, चिकबल्लापुर, कोलार और बेंगलूरु दक्षिण जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। शहर भर में जलभराव वाले इलाकों को साफ करने में व्यस्त अधिकारी भारी बारिश की भविष्यवाणी को लेकर अपनी उंगलियां क्रॉस कर रहे हैं। तटीय कर्नाटक क्षेत्र में बारिश जारी रही।

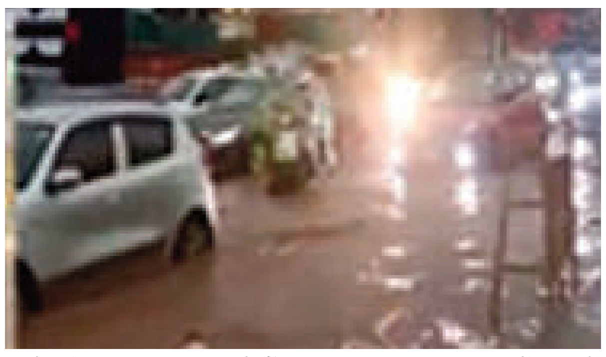

सहरसा में मालगाड़ी की चपेट में आने से कांवड़िए की मौत

पटना/एजेंसियां। सहरसा में मानसी रेलखंड के सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन और कोपडिया स्टेशन के बीच गोरगामा के पास मलागाड़ी की चपेट में आने से एक कांवड़िया की मौत हो गई। जबकि इस घटना में उसकी पत्नी घायल हो गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी सहरसा जंक्शन से सोमवार की अहले सुबह मानसी की तरफ जा रही थी। उसी के चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक का पहचान बलावहाट थानाक्षेत्र के भवदेवा निवासी राजकुमार यादव (45) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही सलखुआ थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। फिर परिजनों के आने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों ने बताया कि राजकुमार यादव अपनी पत्नी के साथ मुंगेर घाट से जल लेकर जिले के बलवाहाट स्थित बाबा मटेश्वर धाम मंदिर आ रहे थे। हादसा सलखुआ थाना क्षेत्र के गोरगामा रेलवे ढाला के पास हुआ। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं, लोग इस घटना को लेकर काफी अफसोस जाहिर कर रहे थे। उनका कहना था कि भगवान को ऐसा नहीं करना चाहिए। बताया जा रहा है कि इस घटना में पत्नी को भी चोट लगी। हालांकि वह हादसे का शिकार होने से बच गई। लोगों ने बताया कि कांवड़िया जल्दबाजी में पटरी पार करने के कारण ट्रेन की चपेट में आ गया। लोगों ने बताया कि बीते कुछ साल पूर्व भी कात्यानी स्थान के पास कई कांवड़िये पटरी पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गए थे, जो अभी भी लोगों को झकझोर देता है। मालूम हो कि प्रतिवर्ष सावन में सिमरी बख्तियारपुर सहित आसपास के गांव के लोग मुंगेर घाट में जल भरकर बाबा मटेश्वर धाम जल अर्पित करने आते हैं।

जब तक कांग्रेस की सरकार है तब तक किसानों को शांति नहीं: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आलोचना की है कि जब तक कांग्रेस के नेतृत्व वाली खराब सरकार है, तब तक देश के किसानों को शांति नहीं मिलेगी। उन्होंने अपने सोशल नेटवर्किंग साइट पर सरकार के खिलाफ पोस्ट किया और अफसोस जताया कि इस साल अच्छी बारिश के बावजूद बांध में पानी नहीं रुक सका। किसानों की इस दुर्दशा का कारण कांग्रेस सरकार की दैवीय लापरवाही है। अशोक ने आरोप लगाया कि पिछले साल सूखे के दौरान समय पर मुआवजा नहीं दिया गया।

चित्तीदार हिरण की हत्या के आरोप में पांच गिरफ्तार

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भद्रा वन्यजीव प्रभाग के अधिकारियों ने शनिवार को हेब्बे रेंज के अंतर्गत आने वाले चिकमगलूरु तालुक के कोडी गांव के पास चित्तीदार हिरण की हत्या के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। भद्रा वन्यजीव प्रभाग के शिकार विरोधी शिविर के कर्मचारियों ने आरोपियों को कार में हिरण का शव ले जाते देखा। उन्होंने हिरण का शव, कार, देशी सिंगल बैरल बंदूक जब्त कर ली और पांच लोगों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों में ब्यादिगेरे गांव के विजय कुमार, संतोष, शशि, नवीन और किशोर शामिल हैं। उन्होंने एक निजी कॉफी एस्टेट पर जानवर का शिकार किया और शव को अपनी कार में ले जा रहे थे, जब कर्मचारियों ने वाहन को रोका। डीसीएफ यशपाल क्षीरस-ागर ने कहा हेब्बे रेंज के हमारे कर्मचारियों ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया और वाहन को जब्त कर लिया। आरोपियों को रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस अभियान में रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर दयानंद सी.ए., डीआरएफओ शंकर, बीट फॉरेस्टर दिनेश और शिकार विरोधी शिविर के कर्मचारी संजय, विजय और हरीश शामिल थे।

करंट के संपर्क में आने से युवक की मौत

नालंदा/एजेंसियां। जिले में करंट के संपर्क में आने से सोमवार को एक युवक की मौत हो गई। मामला हिलसा थानाक्षेत्र के कपसियावा गांव के खंधा का है। मृतक की पहचान काजी गांव निवासी मिथिलेश प्रसाद के बेटे गोरेलाल कुमार (28) के रूप में की गई है। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव को हिलसा-एकंगरसराय मुख्य मार्ग पर रखकर जाम कर दिया। वहीं, इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों ने बताया कि गोरेलाल कुमार धान की फसल देखने के लिए खेत जा रहा था।

इसी बीच चक कपसियावा गांव के खंधा में पूर्व से गिरे 440 वोल्ट के विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आ गया। इससे उसकी करंट से झुलसकर घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों की जब नजर पड़ी तो वे दौड़कर मौके पर पहुंचे और युवक को करंट से मुक्त कराया। वहीं, मुआवजा और कार्रवाई की मांग को लेकर आक्रोशितों ने हिलसा एकंगरसराय मुख्य मार्ग को प्रखंड कार्यालय हिलसा के पास जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों छोर पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। करीब एक घंटे तक सड़क जाम की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई और आश्वासन का भरोसा देकर जाम को तुड़वाया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह विभाग की अनदेखी का नतीजा है। लुंज-पुंज बिजली के तारों के कारण यह हादसा हुआ है। इधर, इस मामले में हिलसा थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि करंट से मौत और सड़क जाम की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। फिर परिजनों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरी घटना की जांच में जुट गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com